ज्योतिष मठ संस्थान, भोपाल पंजीकृत संस्थान

प्रमादी नामाब्द संवत्सरीयम संवत-2077 (2020-21)

'सौभाग्यम्'

श्रद्धांजलि विशेषांक

ज्योतिष मठ संस्थान के संस्थापक
ज्योतिषाचार्य पं. श्री अयोध्या प्रसाद गौतमजी

संपादक
ज्योतिषाचार्य पं. विनोद गौतम

आकल्पन : शनिदेव ग्राफिक्स, भोपाल मो. 9926980190

सर्वाधिकार सुरिक्षत 'सौभाग्यम्': ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल द्वारा प्रकाशित 'सौभाग्यम्' में मुद्रित विषय वस्तु या उसके अंश प्रकाशक की बिना लिखित अनुमति के छपवाना अथवा प्रकाशन करना अपराध है। ऐसी स्थिति में कापीराइट एक्ट के अंतर्गत कार्यवाही की जाएगी। सभी प्रकार के विवादों का निपटारा भोपाल के सभी सक्षम न्यायालयों में होगा।

अनुक्रमणिका

विषय	पृष्ठ संख्या
ॐ गुरुदेवाय नमः	2
हम सबकी श्रद्धांजलि	3
निरंतर जारी है अनुसंधान	4
ज्योतिष मठ संस्थान का प्रगति पत्रक	5
गुरुजी को श्रद्धांजलि : आदि से लेकर अनादी तक के छायाचित्र	7
ज्योतिष सम्मेलन	28
पंचांग विमोचन-2021	30
गुरुजी के बारे में शिष्यों की राय	37
गुरुजी के परलोक गमन के पश्चात 2019-20 ई. शोकपूर्ण रहा	56
गुरुजी की डायरी के पन्नों से...	59
गुरुजी के करकमलों से : सकारात्मक सोच	60
इंडिया फर्स्ट न्यूज का सवाल - कब बनेगा राम मंदिर?	61
इंडिया फर्स्ट न्यूज चैनल को दिया इंटरव्यू : होनी-अनहोनी के विषय में	62
पटना में अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं का सम्मेलन में गुरुजी	65
ज्योतिष मठ संस्थान द्वारा आयोजित ज्योतिष सम्मेलन में मंचासीन गुरुजी	66
गुरुजी : विचार-ध्यान मुद्राएं	71
गुरुजी की जीवंत पेंटिंग	84
तंत्र साधना रहस्य	85
नवरात्रि में देवी उपासना	86
अपनी समस्या स्वतः जानें और निराकरण करें, कुंडली मिलान स्वतः करें	87
भवन निर्माण में तकनीकी वास्तु	88
साढ़े साती शनि विचार सन् 2021 ई., आर्द्रा प्रवेश : वर्षा विचार 2021, नकली रत्न...	89
आयुर्वेद ज्ञान : देसी नुस्खे, सौन्दर्य निखार	90
स्वस्थ रहने के सहज एवं सरल तरीके	91
दाम्पत्य जीवन के संकल्प : सात-पांच वचन	92
अनुसंधान : रुद्रवीसी का आठवां वर्ष संवत 2078 (सन-2021-22)	93
सूर्य-चंद्र ग्रहण ज्ञान-2021	94
हम पर उपकार करते हैं देवरूपी वृक्ष	95
गुरुजी के जीवनकाल में की गई भविष्यवाणियां जो सत्य साबित हुई	96
ज्योतिष के महर्षि	97
गुरुजी : वंश वृक्ष	98
नेक सलाह	99
हरिद्वार कुंभ-2021	100
चौघड़िया, शुभ कार्यों में वर्जित समय विचार	101
ज्योतिष मठ संस्थान के शुभ चिंतक और सहयोगी सदस्यगण	103
इस वर्ष के विषय विशेषज्ञों की सलाह	104
ज्योतिष मठ संस्थान की साधारण आमसभा की आकस्मिक बैठक संपन्न	107

प्रकाशक : **ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल**

: ज्योतिष मठ संस्थान, ईएम-129, नेहरू नगर, भोपाल-462003 मो. : 9827322068, email-pt.vinodgoutam@gmail.com, website-www.jyotishmath.com

ॐ गुरुदेवाय नमः

सम्पादकीय

'सौभाग्यम्' स्मारिका संस्थान के प्रमुख प्रकाशनों में अपना विशेष महत्व रखती है। पत्रिका का प्रकाशन प्रतिवर्ष होता है। इस वर्ष संक्रमणकाल के कारण पत्रिका के प्रकाशन में विलंब हुआ। यह अंक संस्थान के संस्थापक ज्योतिषाचार्य पं. श्री अयोध्या प्रसाद गौतमजी को पुण्य श्रद्धांजलि विशेषांक के रूप में प्रस्तुत कर पाने में आप सभी के सहयोग का आभारी हूं। जिन्होंने अपना अमूल्य समय गुरुजी के सानिध्य में दिया। गुरुजी से संबंधित सभी छायाचित्र, संस्मरण जो संस्थान के पास उपलब्ध हुए उनको आपकी गरिमा के अनुरूप पत्रिका में व्यवस्थित करने की कोशिश की है। फिर भी कोई चित्र संस्मरण प्रस्तुत नहीं हो पाया हो इसके लिए करबद्ध क्षमा चाहते हुए पुनः सौभाग्यम् के अग्रिम प्रकाशन में प्रकाशित करने का हमारा प्रयास रहेगा। आज हम सब 'सौभाग्यम्' के माध्यम से श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं।

-ज्योतिषाचार्य पं. विनोद गौतम

संस्थापक
ज्योतिषाचार्य पं. श्री अयोध्या प्रसाद गौतमजी

पदाधिकारी - ज्योतिष मठ संस्थान

अध्यक्ष-**श्रीमती भूपिन्दर कौर**
उपाध्यक्ष-**डॉ. जेपी पॉलीवाल**
संचालक-**ज्योतिषाचार्य पं. विनोद गौतम**
कार्यालयाध्यक्ष-**ज्योतिषाचार्य पं. शिवार्चन शुक्ल**
कोषाध्यक्ष-**ज्योतिषी श्रीमती सविता गौतम**
कार्यकारिणी सदस्य - **पं. जितेन्द्र शर्मा, श्री अकुंर फर्नांडीज, श्री सुबोध मिश्रा, श्री निरुपण तिवारी, श्री राजेश पाठक, श्री अशोक प्रियदर्शी, श्री ओम प्रकाश मिश्रा, श्री संजय भदौरिया, श्री सुरेश नामदेव, श्री ऋषभ दुबे, श्री आशीष कश्यप**

संरक्षक मंडल

मप्र पूर्व चीफ जस्टिस मा. श्री डीपीएस चौहानजी, इलाहाबाद
जस्टिस मा. श्री अशोक तिवारीजी, इंदौर,
न्यायाधीश मा. श्री एसएन द्विवेदीजी, भोपाल
न्यायाधीश मा. श्री एसएस उपाध्यायजी, भोपाल
विश्व प्रसिद्ध जादूगर श्री आनंद अवस्थीजी, जबलपुर
महामंडलेश्वर अवधूत बाबा श्री अरुण गिरि महाराजजी
अंतरराष्ट्रीय संत मन्नत बाबा श्री हनुमतश्री महाराज
महंत श्री चंद्रमादास त्यागीजी, गुफा मंदिर भोपाल
महंत श्री रविंद्रदासजी, बगलामुखी सिद्धपीठ भोपाल
ज्योतिषाचार्य पं. गौरीशंकर शास्त्रीजी, भोपाल
महामंडलेश्वर शिवांगीनन्दन नन्दगिरिजी, ऋषिकेश
पं. श्रीराम जीवन दुबे गुरुजी, चामुंडा दरबार भोपाल
पं. श्री नारायणशंकर नाथूराम व्यासजी, जबलपुर
डॉ. पीएनएस चौहानजी, भोपाल
श्री वीएम तिवारीजी भोपाल
ज्योतिषाचार्य पं. सूर्यकांत चतुर्वेदीजी, जबलपुर
श्रीमती भावना वालंबेजी आईएएस, भोपाल
श्री शलभ भदौरियाजी, वरिष्ठ पत्रकार, भोपाल
सुश्री अनुराधा त्रिवेदीजी, वरिष्ठ पत्रकार, भोपाल
राष्ट्र संत श्री नित्यानंदगिरिजी महाराज, वृंदावन
धर्माधिकारी श्री विष्णु राजौरियाजी, भोपाल
श्री चंद्रप्रकाश जोशीजी, कोटरा भोपाल
श्री राजेश मिश्राजी पुष्पांजलि पंचांग, भोपाल
श्री अभिनवदासजी महाराज, कोटा
आचार्य पं. बालाप्रसादजी त्रिपाठी, (हरदुआ) जबलपुर

सलाहकार

डॉ. अनिल शर्माजी, आचार्य पं. रामकिशोर वैदिकजी, पं. धनेश प्रपन्नाचार्यजी, पं. वैभव भटेलेजी, श्री देवकुमार सतवानीजी, पं. देवेंद्र दुबे, श्री बलवीर सिंह कुशवाह

ज्योतिषाचार्य पंडित अयोध्या प्रसाद गौतमजी को

हम सबकी श्रद्धांजलि

चेतन्य अवस्था का अंतिम पवित्र दर्शन। स्वर्गारोहण से चार दिन पूर्व यज्ञ क्रिया संपन्न करते हुए।

जय गुरुदेव।

दुनिया जानती है कि पन्ना की पावन भूमि में हीरे मिलते हैं। बस फर्क इतना है कि कोई हीरा कंकड़ है तो कोई कला कौशल ध्यान और ज्ञान से परिपूर्ण है। इन्हीं में से एक हैं आप प्रदेश के गौरव और देश के प्रख्यात ज्योतिषाचार्य पं. अयोध्या प्रसाद गौतम। सचमुच में आप पन्ना के अनमोल हीरा हैं। आप प्राचीन ज्योतिष के ज्ञाता पंडित रामरूपजी गौतम के घर-आंगन में माता श्रीमती रामसखी गौतमजी की पवित्र कोख से श्यामर डांडा-पन्ना में जन्मे और ज्योतिष की ज्योति जलाकर समूचे मानव समाज को जागृत कर दिया। आपका ज्योतिषीय ज्ञान अद्‌भुत है। आपने अपने बचपन में स्कूली शिक्षा ग्रहण करने के बाद वेदभूमि वाराणसी जाकर कर्म-कांड, ज्योतिष तंत्र का गहन ज्ञान प्राप्त कर सनातन धर्मावलंबियों का भला किया। आप अखिल भारतीय ज्योतिष परिषद, भारतीय ज्योतिष तंत्र महासंघ से लेकर अनेक ज्योतिष, धार्मिक व सामाजिकों संगठनों के शीर्ष पदों पर शोभा बढ़ाते रहे हैं। आप ज्योतिष पीठाधीश्वर शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती जी द्वारा ज्योतिष मार्तण्ड की उपाधि से विभूषित हो चुके हैं। ज्योतिष ज्ञान में आपकी चर्चा एक चमत्कारी भविष्यवक्ता संत के रूप में होगी। ज्योतिष के संदर्भ में आपकी राय जानने देश की अनेक राजनीतिक व न्याय क्षेत्र से जुड़ी विभूतियां आपके पास आती रही हैं। यही नहीं विदेशी मूल के लोग भी आपकी ज्योतिष से प्रभावित रहे हैं और आपसे ज्योतिषीय राय लेने भारत आते थे। आप प्राचीन समाचार पत्र देशबंधु के राशिफल लेखक रहे हैं, पंचांग निर्माण के क्षेत्र में आप वाराणसी के पंचांग तथा जबलपुर एवं भोपाल से प्रकाशित अधिकांश पंचांगों की सटीक गणना कर भविष्यवाणी करते थे। इसी तरह की ज्योतिषीय उपलब्धियों के चलते आपके जीवनकाल से जुड़े हुए हजारों जातकों की विशेष इच्छा पर आपने मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में ज्योतिष मठ संस्थान की स्थापना की। आपके अचानक परलोग गमन से संस्थान के अनुयायियों, शिष्यों को अपूर्णीय क्षति हुई है। संस्थान आपके कृत- संकल्पों पर कार्य करता रहेगा। संस्थान में नुसंधान निरंतर जारी रहेगा। हम सभी भक्तजन आपके आशीर्वाद की कामना करते हुए आपको श्रद्धेय विनम्र भक्तिपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित कर ईश्वर से आपके पुनर्जन्म की प्रार्थना करते हुए आपको नमन करते हैं।

- ज्योतिष मठ संस्थान परिवार

ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल

निरंतर जारी है अनुसंधान

जो अज्ञात है उसे ज्ञात करा देने वाले शास्त्र का नाम ही ज्योतिष है। इस शास्त्र के आधार पर मनुष्य अपने जीवन को अपने भविष्य के शुभ परिणाम से संजोकर सुख प्राप्त करता है। इसके लिए ज्योतिष अनुसंधान जरूरी है। जिसकी अहम जिम्मेदारी का निर्वहन भोपाल के नेहरू नगर क्षेत्र स्थित ज्योतिष मठ संस्थान कर रहा है। विश्व के प्रख्यात ज्योतिषाचार्य पं. अयोध्या प्रसाद गौतमजी द्वारा संस्थापित इस अनुसंधान केंद्र में ज्योतिष संबंधी सभी विधाओं पर अनुसंधान जारी है। ज्योतिष में रुचि रखने वाले नवोदित छात्र भी ज्योतिषीय ज्ञान व शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। ज्योतिष मठ में जन्म कुंडली के आधार पर ज्योतिष परामर्श, मिलान तो किया ही जाता है साथ ही विद्वान पंडितों द्वारा ग्रह शांति निमितार्थ पूजन-अनुष्ठान भी होते हैं। इस तरह के अनुष्ठान जीवन के किसी विशेष क्षेत्र में उन्नति व सुख-संपदा, संतति के साथ राजसत्ता प्राप्ति के लिए भी संपन्न कराए जाते हैं। शनि, राहु, मंगल, सूर्य आदि ग्रहों की दशा शांति के निमित्त भी ज्योतिष मठ में पूजन-विधान व अनुसंधान किए जाते हैं। जन्म कुंडली निर्माण, लग्न पत्रिका, विवाह मिलान आदि कार्य भी उत्कृष्ठतापूर्वक होते हैं। कैलेंडर, पंचांग निर्माण कार्य तथा समय-समय पर की गई भविष्यवाणियां एवं ज्योतिषीय सम्मेलनों का आयोजन निरंतर जारी रहता है। इस तरह ज्योतिष कार्य के अलावा हस्तरेखा व वास्तु आदि पर भी विस्तृत अनुसंधान किए जाते हैं। इस संस्थान में कई राजनेताओं, साहित्यकारों, बड़े प्रशासकों के अलावा अन्य सभी क्षेत्रों के लोगों के हस्त छाप भी संग्रहीत हैं जो किसी क्षेत्र विशेष में अपनी कला कौशल के लिए प्रसिद्ध रहे हैं। ज्योतिष मठ में सैकड़ों वर्ष पुराने कैलेंडर व पंचांग आदि का भी संग्रह हैं। इसके अलावा ग्रह शांति पूजन-अनुष्ठान में उपयोग आने वाले सैकड़ों वर्ष पुराने लकड़ी के सुरवा थाल, पंच, पात्र, आसन आदि उपलब्ध हैं जिनका उपयोग ग्रह शांति आदि अनुष्ठान में होता है। संस्थान के संस्थापक पं. श्री अयोध्या प्रसाद गौतमजी के देवलोक गमन के पश्चात आप सभी के सहयोग से अनुष्ठान कार्य एवं अनुसंधान कार्य निरंतर जारी है।

ज्योतिष मठ संस्थान में विराजीं आद्याशक्ति मां दुर्गेश नंदिनी

ज्योतिष मठ संस्थान का प्रगति पत्रक

विगत 8 वर्षों में किए गए आयोजन, उत्सव, संगोष्ठियां एवं बैठकें-

1. ज्योतिष मठ संस्थान का संगोष्ठी 12 अप्रैल 2013 ई. आयोजित।
2. देवी मूर्ति स्थापना ध्वजारोहण 13 अप्रैल 2013 ई.
3. महाचण्डी पाठ प्रारंभ तारीख 20 अप्रैल 2013 ई.
4. महासतचण्डी पाठ की पूर्णाहूती कार्यक्रम 19 अप्रैल 2013 ई.
5. भ्रम व भय विषय पर ज्योतिष संगोष्ठी 29 सितंबर 2013
6. गीता जयंती का आयोजन 13 दिसंबर 2013 ई.
7. मां सरस्वती की स्थापना, बसंत पंचमी समारोह 5 फरवरी 2014 ई.
8. राष्ट्रीय शोध संगोष्ठी व सौभाग्यम का विमोचन 30.3.2014 ई.
9. बुद्धपूर्णिमा के अवसर पर महाबोधी ध्यान का आयोजन 14.5.2014
10. संस्थान की बैठक में राशि पर विचार गोष्ठी 10.जून 2014 ई.
11. गुरु पूर्णिमा पर वृहद समारोह का आयोजन 10 जुलाई 2014 ई.
12. बसंत पंचमी पर भव्य समारोह 24 जनवरी 2015 ई.
13. पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग का विमोचन 23 जनवरी 2015
14. नव संवत्सर समारोह एवं नवरात्रि महोत्सव 21 मार्च 2015
15. नवरात्रि महोत्सव का रंगारंग समापन 29 मार्च 2015 ई.
16. अक्षय तृतीया पर सिद्धिपूजा का भव्य आयोजन 21 अप्रैल 2015 ई.
17. आर्द्रा प्रवेश एवं अधिमास पर परिचर्चा 17 जून 2015 ई.
18. गुरु पूर्णिमा पर भव्य आयोजन 31 जुलाई 2015 ई.
19. प्रशिक्षु ज्योतिषाचार्यों को वायु परीक्षण शोध प्रयोग 31 जुलाई 2015
20. श्राद्धादि कर्म पर गोष्ठी सोमवार 28 सितम्बर 2015 ई.
21. मौसमी असंतुलन पर विस्तृत परिचर्चा 25 दिसंबर 2015 ई.
22. पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग (कैलेंडर) का विमोचन एवं कुंभ पर्व को लेकर एक प्रेसवार्ता का आयोजन 30 दिसंबर 2015 ई.
23. ज्योतिष मठ द्वारा दिनांक 8 अप्रैल 2016 को गुडी पड़वा पंचांग संवत का प्रथम दिन संवतसर का फल कथनवाचन के साथ शक्ति की उपासना नवदिवसीय चंडी अनुष्ठान प्रारंभ।
24. तारीख 15 अप्रैल 2016 को पुष्य नक्षत्र में रामनवमी पाठ पारायण चंडी अनुष्ठान की पूर्णाहुति संस्थान के अनुयायियों द्वारा की गई।
25. अक्षय तृतीया पर एक संगोष्ठी का आयोजन 9 मई 2016
26. आर्द्रा प्रवेश पर परिचर्चा कर प्रेसवार्ता 22 जून 2016
27. नाग पंचमी 7 अगस्त 2016 को नागों से संबंधित जानकारियां लोगों तक पहुंचाई। इसमें सर्प विशेषज्ञों का सम्मान किया गया।
28. अप्रैल 2016 माह में संस्कृत संस्थान भोपाल में हुए ज्योतिष सम्मेलन में ज्योतिष मठ संस्थान द्वारा सहभागिता निभाई।

संस्थापक
पं. अयोध्या प्रसाद गौतम

सहयोगीगण

धर्माधिकारी पं. विष्णु राजोरियाजी, भोपाल
पं. श्री राजेश मिश्राजी पुष्पांजलि पंचांग, भोपाल
श्री अनंतचरणदासजी कोटा (राजस्थान)
पं. गौरीशंकर शास्त्रीजी, वरिष्ठ ज्योतिषाचार्य, भोपाल
पं. प्रहलाद पंड्याजी, श्री गणेश ज्योतिष केंद्र, भोपाल
पं. श्री जगदीश शर्मा, ज्योतिषाचार्य भोपाल
पं. श्री रामकिशोर वैदिकजी, भागवताचार्य, भोपाल
पं. श्री धनेश मिश्राजी, काली मठ संस्थान, भोपाल
श्री शैलेंद्र निगमजी, समाजसेवी, भोपाल
पं. श्री देवेन्द्र दुबेजी, वैदिक पंडित, भोपाल
श्री आशुतोष गुप्ताजी, इंडिया फर्स्ट न्यूज, म.प्र. भोपाल
श्री रवि चौधरीजी, रंगकृति संस्था, भोपाल
श्री पवन अरोराजी, प्रशासनिक अधिकारी, भोपाल
पं. श्री राजेश गुरुजी, महाकाल मंदिर, उज्जैन
पं. श्री चेतन शास्त्रीजी, सिद्धवट घाट, उज्जैन
पं. श्री प्रसाद भालेरावजी, त्र्यंबकेश्वर धाम, नासिक
पं. श्री नीरज पाण्डेजी, भोपाल
श्रीमती ममता-संजय वॉर्सनेयजी, भोपाल
पं. पंकज व्यासजी, भोपाल
श्री बाला प्रसाद विश्वकर्माजी तांत्रिक, नागौद
श्री अजय धमीजाजी, रीवा
पं. लक्ष्मीचंद चौधरीजी, कुरावर
पं. कृपाशंकर उपाध्यायजी,
श्री आनंद वरदांनीजी, कुरावर
श्रीमती इंदिरा पाठकजी-अमानगंज
श्री संजीव शर्माजी, भोपाल
श्री करतारसिंह इंजीनियर, नीरपुर-नारलोन-हरियाणा

29. उज्जैन कुंभ में कुंभ कैलेंडर का निर्माण तथा कुंभ रहस्यम पुस्तक का प्रकाशन कर मेला क्षेत्र में वितरित कर महाकुंभ से संबंधित प्रचार-प्रसार करके कुंभ का ज्ञान भक्तों को संस्थान द्वारा प्राप्त कराया गया। जिसमें संस्थान के लगभग 100 सहयोगियों ने सहयोग किया।
30. नवंबर 2016 कुरावर मंडी जिला राजगढ़ में संस्थान द्वारा एक ज्योतिष सम्मेलन कर सहभागिता निभाई।
31. 7, 8 एवं 9 जनवरी 2017 को पीतांबरा पीठ दतिया में अंतरराष्ट्रीय ज्योतिष सम्मेलन का सफल आयोजन हुआ। जिसमें ज्योतिष मठ संस्थान द्वारा सभी प्रकार का सहयोग कर सम्मेलन में भागीदारी निभाई।
32. गुड़ी पड़वा 29 मार्च 2017 को संस्थान के स्थापना दिवस का कार्यक्रम संपन्न, पंचांग पूजा की गई।
33. महर्षि ज्योतिष पंचांग शोध संगोष्ठी का सफल आयोजन 29 मार्च 2018 महर्षि संस्कृत केंद्र भोपाल।
34. संस्थान के कार्यालय अध्यक्ष पं. श्री कैलाशचंद्र दुबेजी का स्वर्गगमन पश्चात शोकसभा का आयोजन ज्योतिष मठ संस्थान में किया गया।
35. संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष ज्योतिषाचार्य पं. श्री अयोध्या प्रसाद गौतमजी के आकस्मिक परलोक गमन पश्चात ज्योतिष मठ संस्थान द्वारा स्थानीय हिन्दी भवन भोपाल में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन।
36. वृंदावन धाम में ज्योतिष सम्मेलन के आयोजन में सहभागिता।
37. उज्जैन चारों धाम मंदिर में आयोजित ज्योतिष सम्मेलन में संस्थान की सहभागिता रही।
38. कुरावर मंडी राजगढ़ में ज्योतिष सम्मेलन के आयोजन में संस्थान द्वारा सहभागिता।
39. ज्योतिष मठ संस्थान की आमसभा का आयोजन कोरोनाकाल में संस्थान के द्वारा किए गए सामाजिक सहयोग पर मंथन एवं पदाधिकारियों की नियुक्ति।

इसके अतिरिक्त मठ में दैनिक दैवीय आराधना, चंडीपाठ, अनुष्ठान, हवन आदि कार्य निरंतर तथा अतिथि सम्मान के साथ समय-समय पर भोज के कार्यक्रम के साथ आगंतुक विद्वानों से परिचर्चा कर सुझाव प्राप्त किए जाते हैं। इसके अतिरिक्त दैनिक अखबार, टीवी चैनल तथा पत्र-पत्रिकाओं को अनुसंधानित ज्योतिषीय लेख उपलब्ध कराए जाते हैं।

नेहरू नगर स्थित ज्योतिष मठ संस्थान का कार्यालय

श्रद्धांजलि

आदि से लेकर अनादी तक के छायाचित्र

गुरुजी के साथ केएनजी महाराज पुजारी तिरुपति बालाजी एवं तंत्र सम्राट खान बाबा।

गुरुजी के साथ डॉ, व्ही कोस्टी सीनियर वैज्ञानिक इजराइल ।

गुरुजी के साथ तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष श्री ईश्वरदास रोहाणी जी।

गुरुजी विदेशी शिष्यों का हस्त परीक्षण करते हुए।

गुरुजी के साथ आकाश इंटरनेशनल के जादूगर श्री आकाश अवस्थीजी।

गुरुजी के साथ जस्टिस श्री देवेंद्र गुप्ताजी एवं जादूगर श्री आनंद अवस्थीजी।

श्रीराम मेडिकल स्टोर

टाऊन हाल के सामने सिमरिया चौक, सतना म.प्र.

फोन नं. 07672-403056

हमारे यहां सभी प्रकार की दवाईयां उचित रेट पर मिलती हैं। इमरजेंसी सेवा 24 घंटे उपलब्ध।

प्रो. **सुरेश गुप्ता**

मो.-989394245

गुरुजी द्वारा 3 जनवरी को जादूगर आनंदजी के जन्म दिन पर आशीर्वाद।

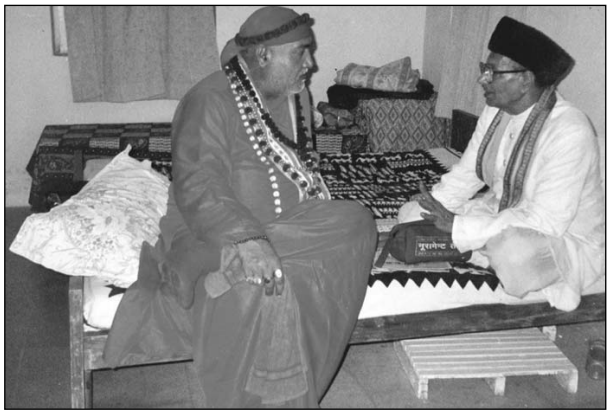

गुरुजी के साथ विश्व संत सम्राट स्वामी प्रज्ञानंदजी महाराज कटंगी।

आशीर्वाद...ज्योतिष मठ संस्थान में क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती संतोष जितेंद्र कंषाना।

गुरुजी के साथ विश्वसंत शिरोमणि श्री कृपालुजी महाराज एवं न्यायाधीशगण।

जोधपुर में विश्व वैज्ञानिकों को संबोधित करते हुए गुरुजी।

जापानी शिष्यों का हस्त परीक्षण कर भाग्य बताते गुरुजी।

श्रीकृष्णा लाईफ स्टाईल

रेडिमेड कोट-पैन्ट, शूटिंग-शर्टिंग, साड़ी एवं सभी प्रकार के वस्त्रों के विक्रेता

फैन्सी एवं वैवाहिक साड़ियों का अनूठा संग्रह

पुराना बस स्टैण्ड अमानगंज (पन्ना)

मयंक असाटी मोबाइल नम्बर - 9630088264

नई दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन में पूर्व उपराष्ट्रपति भैरोसिंह शेखावत के साथ ज्योतिषाचार्य पंडित अयोध्या प्रसाद गौतम। साथ में हैं जस्टिस डीपीएस चौहान।

गुरुजी द्वारा ग्रह शांति प्रसिद्ध पत्रकार श्री अजीत वर्माजी जबलपुर के निवास में।

श्रीलंका शिवाला में विदेशी शिष्यों द्वारा ग्रह शांति हवन कराते गुरुजी।

गुरुजी से हस्त परीक्षण कराते हुए युवा वैज्ञानिक डॉ. सैलजा नेपाल।

गुरुजी के साथ जोधपुर राजस्थान उम्मेद भवन पैलेस राजा गजसिंहजी।

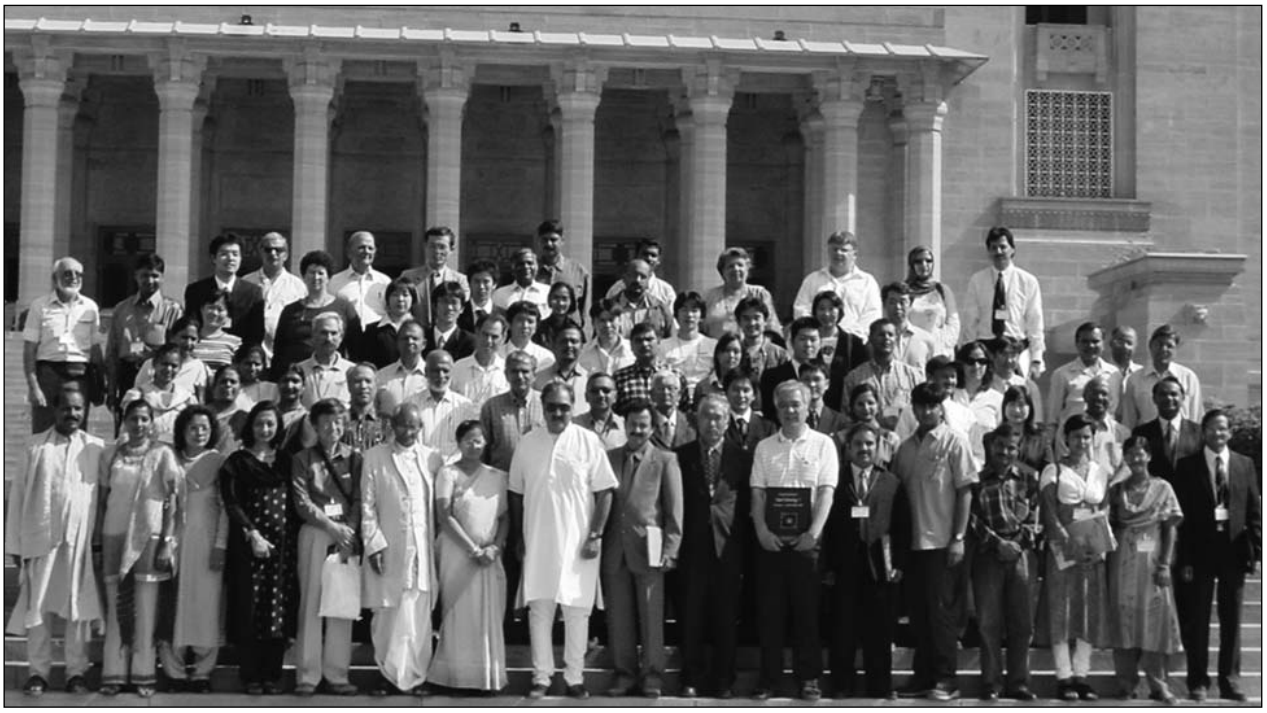

उम्मेद भवन पैलेस जोधपुर में विश्व वैज्ञानिक सम्मेलन में 47 देशों के वैज्ञानिकगणों का आगमन हुआ। इस सम्मेलन में विशेष अतिथि के रूप में गुरुजी ज्योतिषाचार्य पं. अयोध्या प्रसाद गौतमजी को आमंत्रित किया गया। वातावरण शुद्धि हेतु किए गए मंत्रोप्च्यार वेद मंत्रों की ध्वनि से सम्मेलनहाल के वातावरण में परिवर्तन हुआ। यह परिवर्तन जापान आदि के वैज्ञानिकों ने अपने यंत्रों में मापा एवं वेद मंत्र से उत्पन्न ध्वनि को वातावरण शुद्धि करने में सहायक माना। इस सम्मेलन का आयोजन शिकागो यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर श्रीमती संगीता सिन्हाजी द्वारा किया गया था। इस सम्मेलन के संयोजक श्री संजय कुमार सिन्हा एवं विशिष्ट अतिथि राजागज सिंह जूदेव थे।

प्रयागराज-गुरुजी के साथ चीफ जस्टिस श्री डीपीएस चौहानजी।

गुरुजी के साथ जस्टिस श्री अशोक तिवारीजी सपरिवार।

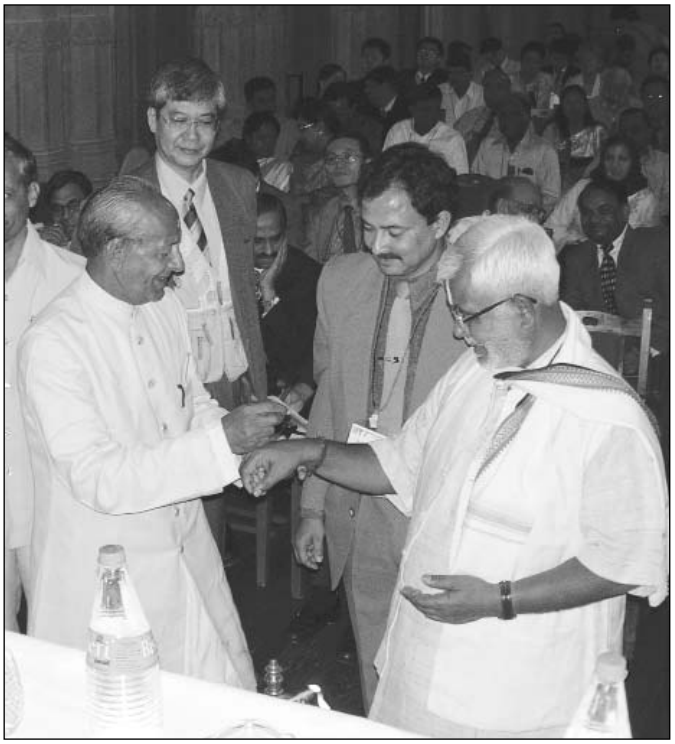

केन्द्रीय कृषि राज्य मंत्री श्री हुकुम देव नारायण के हाथ में कलावा बांधते हुए विशेष रूप से आमंत्रित ज्योतिषाचार्य पं. अयोध्या प्रसाद गौतम के साथ सम्मेलन में अध्यक्ष श्री सिंहा जी।

ज्योतिष मठ संस्थान भोपल में उपस्थित भक्तगणों के साथ पं. श्री अयोध्या प्रसाद गौतमजी।

जादूगर श्री आनन्दजी के साथ पंडित अयोध्या प्रसाद गौतमजी।

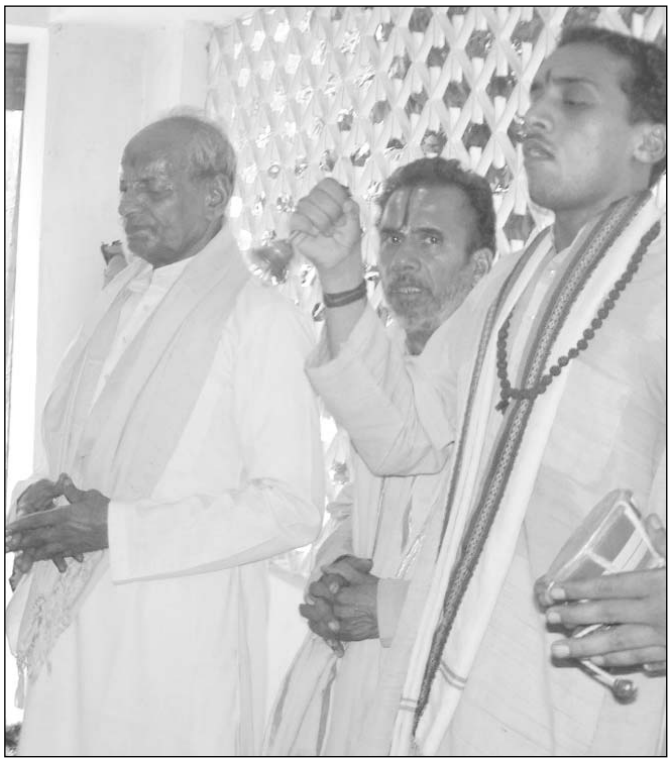

गुरुजी के साथ आचार्य प्रभाकर शास्त्रीजी जिगदहा।

दुर्लभ चित्र ..... 1980 में गुरुजी से हस्त परीक्षण कराते हुए समाजसेवी जसवीर सिंह ओबेरायजी।

गुरुजी से जापानी वैज्ञानिक शिष्य मित्रवत श्री ओजाकी।

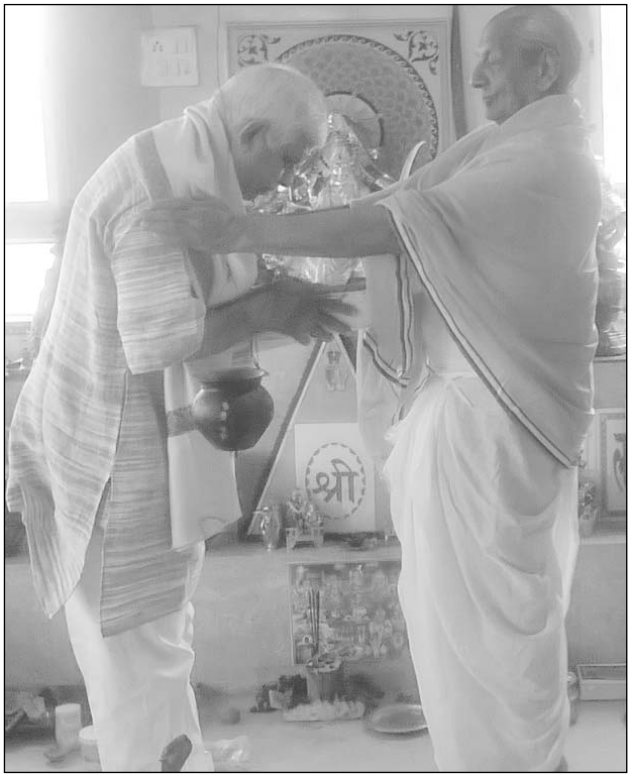

पूर्व मंत्री मा. राजा पटैरिया जी को आशीर्वाद प्रदान करते हुए गुरुजी।

दुर्लभ चित्र..... पंडित अयोध्या प्रसाद जी गौतम पैतृक गांव श्यामर डांडा (पन्ना) में अपने परिजन व संबंधियों के साथ।

गृह ग्राम श्यामर डांडा (पन्ना) में जापान से आए वैज्ञानिक दल के साथ पंडित अयोध्या प्रसाद गौतम। साथ में हैं पन्ना जिला पत्रकार संघ के सदस्यगण।

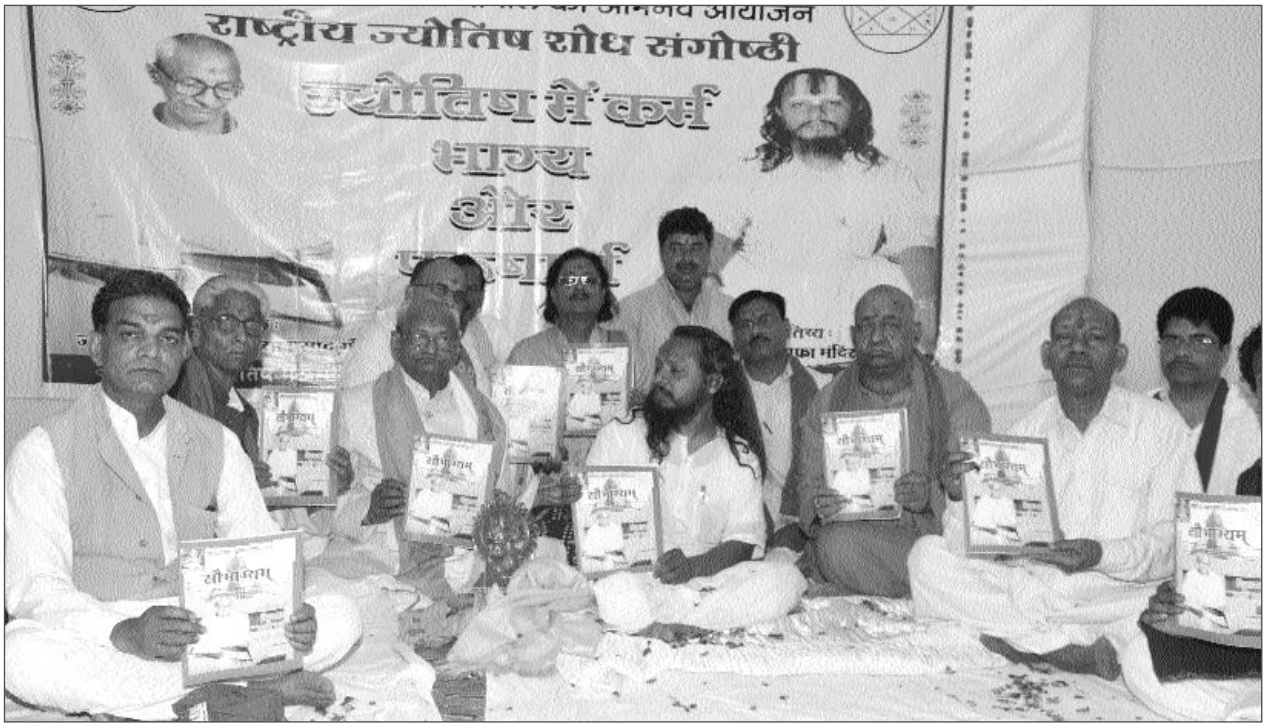

ज्योतिष शोध संगोष्ठी में सौभाग्यम का विमोचन करते हुए गुरुजी के साथ महंत श्री चंद्रमादास त्यागीजी, पं. श्री विष्णु राजोरियाजी, पं. श्री प्रेमपाल कौशिकजी, पं. श्री सूर्यकांत चतुर्वेदीजी, महाराज श्री वैभव भटेलेजी, डॉ. सी.एल. पांचालजी, पं. श्री भंवरलाल शर्माजी, पं. श्री राजेश मिश्र जी तथा साईं धाम के श्री संत मंगलमजी, पं. श्री संतोष शर्माजी, श्री पं. विनोद गौतमजी।

ज्योतिष मठ संस्थान में ज्योतिष संगोष्ठी में उपस्थित विद्वान, आचार्यगण एवं मुख्यवक्ता।

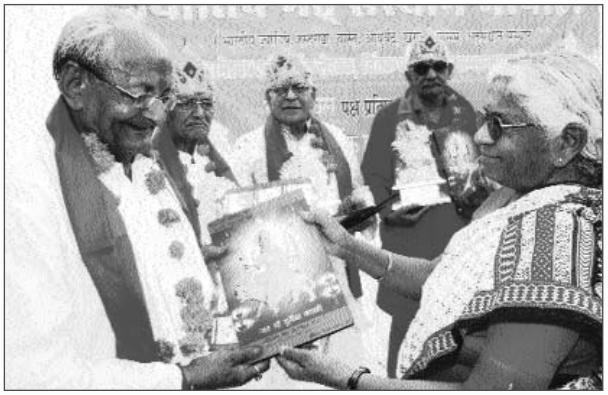

गुरुजी के साथ ज्योतिष मठ के पंच परमेश्वर एवं मंत्री महोदय सुश्री कुसुम सिंह मेहदेलेजी।

ज्योतिष मठ संस्थान में प्रख्यात समाजसेवी श्रीमती भूपिन्दर कौर औबेरायजी का सम्मान।

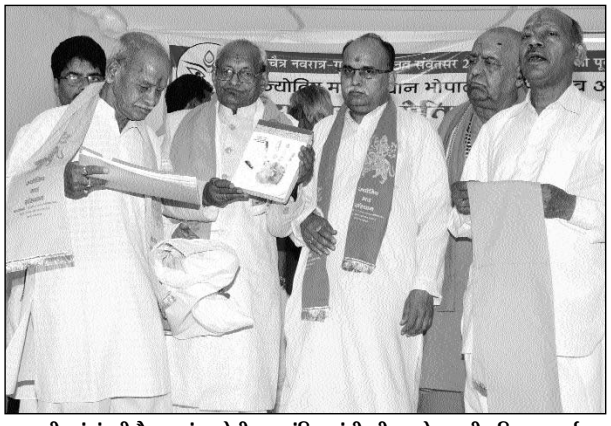

गुरुजी एवं पं. श्री कैलाशचंद्र दुबेजी द्वारा इंदिरागांधी की हस्तरेखा की प्रति का प्रदर्शन।

साईं धाम नेहरू नगर भोपाल में गुरुजी श्री अयोध्या प्रसाद गौतम का सम्मान करते संत मंगलमजी, महाराज श्री वैभव भटेलेजी, श्री प्रभात सोनीजी।

गुरुजी के अनुयायी शिष्य फिल्म अभिनेता श्री आसिम अली खान।

गुरुजी के साथ इंदौर खंडपीठ के जस्टिस अशोक तिवारीजी।

पुस्तक विमोचन- गुरुजी प्रसिद्धि लेखिका सुश्री पूजा राय की पुस्तक का विमोचन करते हुए। साथ में हैं महंत मणिरामदास महाराज जी।

भारत भवन

भारत भवन भोपाल - उस्ताद रहमत अली खान संगीत समारोह में ज्योतिष मठ संस्थान के गुरुजी संस्थापक ज्योतिषाचार्य पं. अयोध्या प्रसाद गौतमजी के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ था। प्रस्तुत हैं कार्यक्रम की रोचक एवं विशेष तस्वीरें -

रहमत अली खान संगीत समारोह का उद्घाटन एवं श्रद्धांजलि।

प्रसिद्ध नृत्यांगना अनुराधा शंकरजी को सम्मानित करते हुए गुरुजी।

चीफ जस्टिस श्री डीपीएस चौहानजी की 75वीं वर्षगांठ पर आशीर्वाद प्रदान करते हुए गुरुजी।

पूजन-अर्चन...ज्योतिष मठ संस्थान में गुरुजी एवं सीएम मप्र के निज सचिव श्री संतोष शर्माजी ।

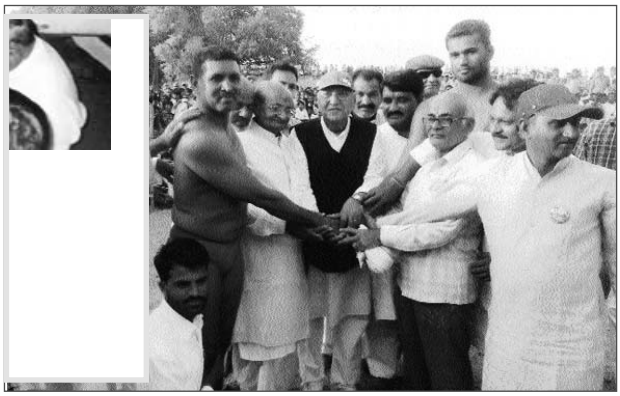

कुश्ती का उद्घाटन... पन्ना स्थित राजा दहार में हुए दंगल का उद्घाटन करते हुए गुरुजी।

पंचांग विमोचन...गुरुजी के साथ जस्टिस श्री डीपीएस चौहानजी प्रयागराज।

ज्योतिष मठ संस्थान के पंच परमेश्वरों में गुरुजी के साथ जस्टिस श्री आरडी शुक्ल, पं. विष्णु राजौरियाजी, श्री बीएम तिवारीजी एवं संत मंगलम सांई धाम विराजमान।

गुरुजी महर्षि विवि के कुलाधिपति ब्रह्मचारी गिरीशजी का अभिवादन स्वीकार करते हुए।

कार्यालयाध्यक्ष पं. कैलाशचंद्र दुबेजी का कोटा राजस्थान ज्योतिष सम्मेलन में सम्मान।

पिपलेश्वर मंदिर के महंत श्री बाबा नारायणदासजी द्वारा गुरुजी का अभिवदन।

पंचांग का विमोचन प्रसिद्ध पंचांगकार नारायण शंकर व्यासजी जबलपुर द्वारा।

श्यामर डांडा स्थित गुरुजी के आवास में गुरु पूर्णिमा महोत्सव में उपस्थित भक्तगण।

गुरुजी के साथ जबलपुर के ज्योतिषाचार्य पं. सूर्यकांत चतुर्वेदीजी एवं पं. नारायणशंकर व्यासजी तथा बुंदेलाजी देवेंद्र नगर एवं अन्य गणमान्यजन।

भक्त परिवार का समीप्य।

गुरुजी का आशीर्वाद ग्रहण करते राम मेडिकल स्टोर सतना के श्री सुरेश-गीता गुप्ता।

दुर्लभ चित्र... तीर्थ यात्रा गमन के दौरान निज निवास में पूजा करते गुरुजी।

गुरुजी अपने नाती प्रतिमान के साथ प्रसन्न मुद्रा में।

गुरुमाताजी द्वारा नईवैद्य प्रसादी ग्रहण करते गुरुजी।

दुर्लभ चित्र... बड़े भाई श्री बृजभूषण प्रसादजी एवं भागीरथ प्रसादजी के साथ गुरुजी।

तीर्थ के बाद स्वल्पाहार।

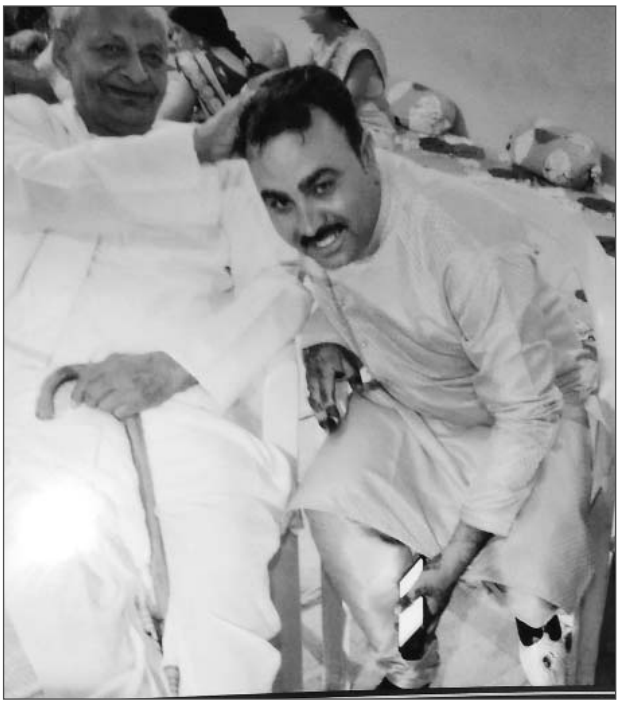

गुरुजी अपने अनुयायी श्री श्रवण उपाध्याय को आशीर्वाद देते हुए।

दुर्लभ चित्र... गुरुजी अपने बड़े भाई-बहनों के साथ ।

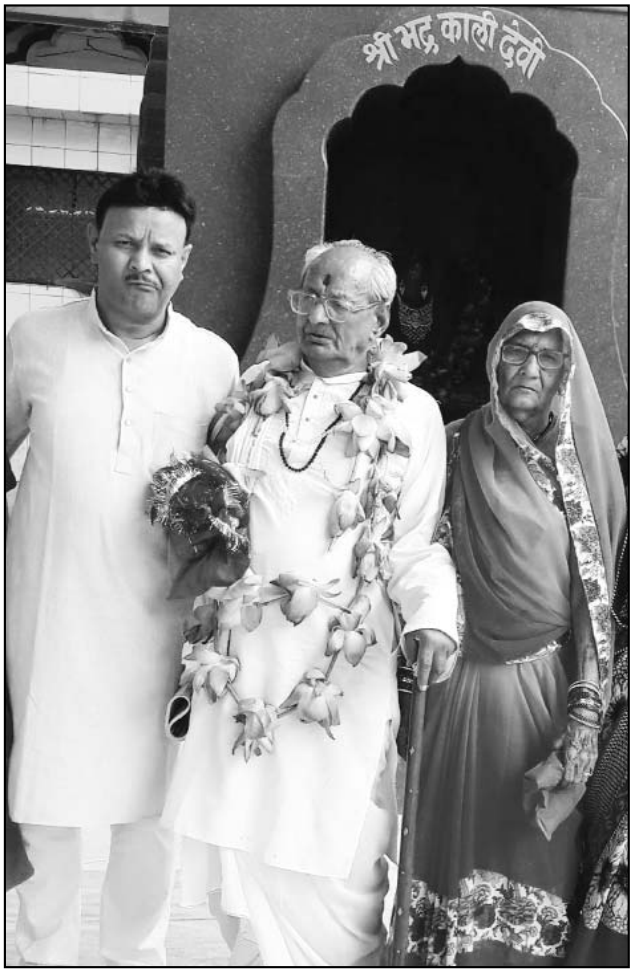

मां भद्रकाली के दर्शन कर प्रसन्नचित गुरुजी-गुरुमाताजी एवं चि. डॉ. प्रकाश गौतम।

गुरुजी के साथ पं. राजेश मिश्र, डॉ. प्रकाश गौतम।

दुर्लभ चित्र... गुरुजी के साथ अभिन्न शिष्य श्री अनिल नामदेवजी।

गुरुजी हरदुआ सतना में त्रिपाठी परिवार में करीबी परिजन भांजे-भांजियों के साथ भोजन करते हुए।

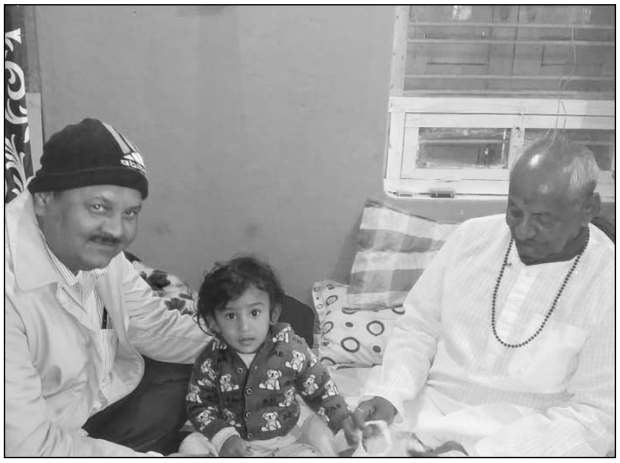

गुरुजी अपने नाती अरिहान प्रसाद गौतम के साथ।

गुरुजी अपने नाती प्रतिमान गौतम के साथ।

गुरुजी के साथ गुरुमाता एवं छोटी बहन तथा भांजा।

गुरुजी अपने निवास में गुरुमाता के साथ अध्ययन में लीन।

गुरुजी द्वारा स्थापना दिवस पर ज्योतिष मठ संस्थान में माता पूजन।

राजमाता दिलहर कुमारीजी पन्ना द्वारा ज्योतिष मठ में माता पूजन।

कलावा बांधकर आशीर्वाद प्रदान करते गुरुजी।

पिपलेश्वर मंदिर भोपाल में गुरुजी के साथ महंत नारायणदासजी।

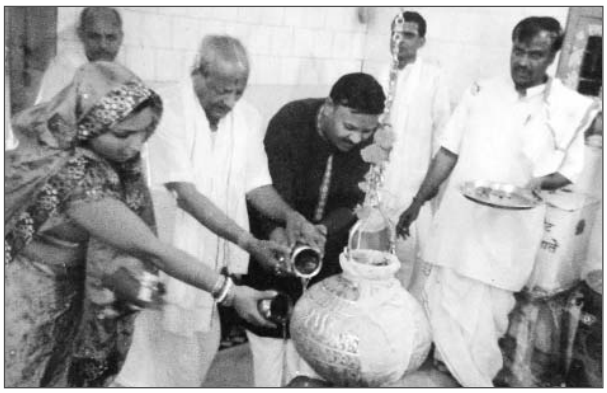

जय महाकाल शिव अभिषेक करते गुरुजी।

अग्रवाल परिवार जबलपुर को शुभाशीर्वाद प्रदान करते गुरुजी।

गुरुजी के साथ प्रिय शिष्य सोनू विश्वकर्मा।

गुरुजी के साथ श्री आरके श्रीवास्तवजी सतना सपरिवार।

गुरुजी के साथ सज्जू शर्मा, पन्ना।

गुरुजी के साथ श्री जस्टिस अशोक तिवारीजी, इंदौर।

ज्योतिष मठ भोपाल में गुरुजी के साथ चर्चारत बालीवुड अभिनेता आसिम अली खान।

गुरुजी बड़े भाई पं. श्री मुरलीधर शास्त्रीजी के साथ गृह ग्राम में।

एक समारोह में गुरुजी के साथ तांत्रिक सम्राट बाला प्रसाद विश्वकर्माजी नागौद एवं योगीजी इंदौर।

गुरुजी अग्रवाल परिवार जबलपुर को आशीर्वाद प्रदान करते हुए।

श्रीरामजी पुस्तक भंडार

कमानियाँ गेट, जबलपुर

सभी प्रकार की धार्मिक पुस्तकें, कैलेंडर, पंचांग एवं जाप की मालाएं, भगवान के वस्त्र, विशिष्ट पूजन सामग्री के प्रमुख थोक विक्रेता, मो : 9302543396

ज्योतिष मठ में माता पूजन करते हुए गुरुजी।

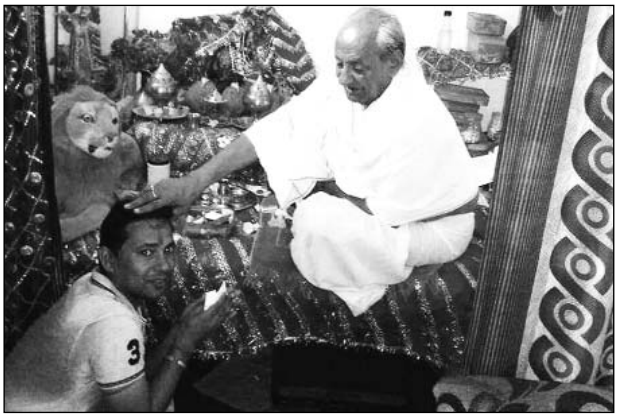

शुभाशीर्वाद प्रदान करते गुरुजी।

गुरुजी अपने भतीजे श्रवण कुमार गौतम को आशीर्वाद देते हुए।

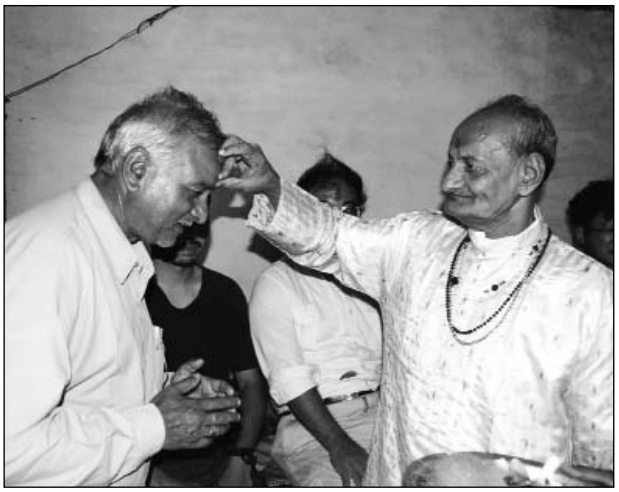

गुरुजी श्री रामजी गर्गजी का तिलक लगाकर अभिवादन करते हुए।

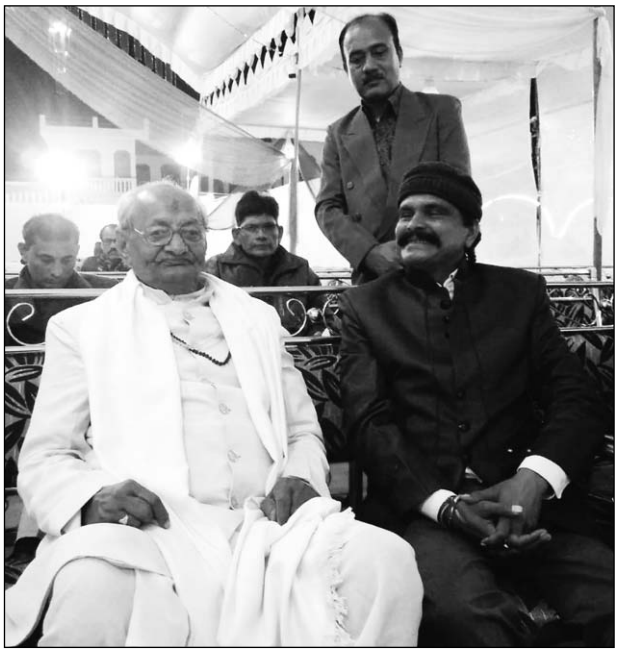

गुरुजी के साथ तंत्र सम्राट बाला प्रसाद विश्वकर्माजी नागौद।

प्रज्ञाधाम में गुरुजी कटंगी आश्रम की प्रमुख के साथ।

ज्योतिष सम्मेलन-2019-20

वृंदावन में ज्योतिष सम्मेलन।

उज्जैन में ज्योतिष सम्मेलन।

कुरावर राजगढ़ में ज्योतिष सम्मेलन।

नृत्य अकादमी के शुभारंभ अवसर पर पंचांग 2021 का प्रदर्शन।

कुरावर सम्मेलन में पंचांग का विमोचन।

उज्जैन सम्मेलन में पं. विनोद गौतम उज्जैन सांसद श्री अनिल फिरोजियाजी एवं आयोजकगण।

वृंदावन सम्मेलन में सम्मान।

रंगकृति नाट्य संस्था में विशिष्ट अतिथि पं. विनोद गौतमजी।

पंचांग विमोचन-2021

प्रभात साहित्य परिषद भोपाल में पंडित अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग 2021 का विमोचन।

तत्कालीन राज्यपाल मप्र द्वारा पंचांग का विमोचन।

पंचांग विमोचन-पार्षद श्री मोनू सक्सेना, चंद्रप्रकाश जोशी तथा श्री बीडी सिंह पुलिस अधिकारी।

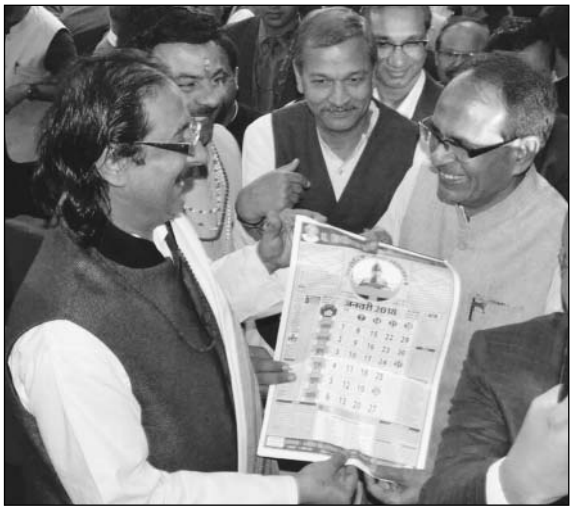

मप्र के मुख्यमंत्रीजी द्वारा पंचांग का विमोचन।

श्री संतोष शर्माजी सीएम के निज सचिव मप्र द्वारा पंचांग का विमोचन।

षडदर्शन साधु समाज के तत्वावधान में आयोजित आचार्य सम्मान समारोह में पंचांग विमोचन।

मप्र श्रमजीवी पत्रकार संघ के अध्यक्ष श्री शलभ भदौरियाजी द्वारा पंचांग विमोचन।

बगलामुखी पीठ के महंत श्री रविंद्रदासजी द्वारा पंचांग विमोचन।

जूना अखाड़े की महामंडलेश्वर शिवांगी नन्दन नंदगिरीजी द्वारा पंचांग विमोचन।

राष्ट्रसंत श्री मन्नत बाबा हनुमत श्री द्वारा पंचांग विमोचन।

भोपाल-मीडिया बन्धुओं द्वारा पंचांग का विमोचन 2021

वरिष्ठ वैज्ञानिक के साथ कार्यालयाध्यक्ष श्री शिवार्चन शुक्लाजी।

पूर्व न्यायाधीश श्री एसएन द्विवेदीजी द्वारा पंचांग विमोचन।

प्रसिद्ध चिकित्सक भोपाल श्री वैभव दुबेजी द्वारा पंचांग विमोचन।

वरिष्ठ पत्रकार भोपाल श्री आशुतोष गुप्ताजी द्वारा पंचांग विमोचन।

दुर्लभ चित्र... गुरुजी द्वारा पंचांग विमोचन।

संस्थान में श्रीमती भावना वालंबेजी आईएएस द्वारा पंचांग विमोचन।

पूर्व स्वास्थ्य संचालक श्री पीएनएस चौहान द्वारा पंचांग विमोचन।

श्रीमती शिवासिंह जूदेव गुना द्वारा पंचांग विमोचन।

क्षेत्रीय पार्षद श्रीमती जितेंद्र-संतोष कंषानाजी द्वारा पंचांग विमोचन।

मध्यप्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री श्री महेंद्र सिंह सिसौदियाजी एवं अन्य विधायकगणों द्वारा पंचांग विमोचन।

सिटी बैंक मुंबई के वाईस प्रेसीडेंट द्वारा पंचांग विमोचन।

विश्व प्रसिद्ध जादूगर आनंदजी द्वारा पंचांग विमोचन।

पूर्व केंद्रीय मंत्री श्री रामकृष्ण कुसमारिया द्वारा पंचांग विमोचन।

जिला पंचायत सीईओ दमोह द्वारा पंचांग विमोचन।

ब्यूटीशियन श्री संतोष योगीजी इंदौर द्वारा पंचांग विमोचन।

ज्योतिष बंधुओ के द्वारा पंचांग विमोचन।

स्वराज न्यूज चैनल के हेड श्री एसपी त्रिपाठीजी द्वारा पंचांग विमोचन।

पाणिनी संस्कृति विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रो. तुलसीदास पुरोहा द्वारा पंचांग विमोचन।

दुर्लभ चित्र... एक अनुष्ठान के दौरान बंजारी दशहरा मैदान कोलार के प्रसिद्ध हनुमान मंदिर में भी पहुंचे थे गुरुजी।

दीनबन्धु न्यूज पेपर के चेयरमेन श्री दिनेश शर्माजी द्वारा पंचांग का विमोचन।

कर्मकांड... गुरुजी एवं तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष श्री ईश्वरदास रोहाणीजी।

www.mahaherbals.biz

महा हर्बल्स™

उत्तमोत्तम गुणवत्ता का स्वास्थ्य संरक्षण

रोग निवारक प्रभावी आयुर्वेदिक औषधियों द्वारा स्वास्थ्य संरक्षण व चिकित्सा

रसायन

एकल औषधियां

विशेष औषधियां

तेल

आयुर्वेदिक चाय

शास्त्रोक्त औषधियां

रोग-प्रतिरोधक औषधियां

ऑनलाइन आर्डर हेतु कृपया विजिट करें : www.mahaherbals.biz

Mfd. in India by:

Maharishi Herbal Pharmacy & Research Centre

Plot No. B-30, Sector-1/A, Bagroda Industrial Area, Bhopal (M.P.) 462045

Email: customercare@mahaherbals.net

Please Contact: Mobile : +91 9179042571, 573 Ph. : +91 755 4951200, 201

पंडितजी से मिलने के बाद मुझे विशेष ऊर्जा प्राप्त हुई, जो अक्षुण्य है

मैं बहुत छोटे से गांव शिवराजपुर से हूं। कई वर्ष पूर्व मुंबई जाकर संघर्ष करने के पश्चात मुझे सफलता प्राप्त हुई। मैं अपने गांव में प्रतिवर्ष यज्ञोत्सव का आयोजन करता हूं। पंडितजी के गृह ग्राम शामर डांडा पहुंचकर मैंने उन्हें अपने यज्ञोत्सव में शामिल होने का आमंत्रण प्रदान किया तो वे सहज ही अपने एक सहयोगी के साथ यज्ञोत्सव में पहुंचे। प्रसन्नता से अभिभूत होकर मैंने पंडाल में 1100 ब्राह्मणों की उपस्थिति में वेदोचारित कर उन्हें सम्मानित किया। इसके पश्चात पंडितजी से मैं अपनी व्यक्तिगत और कामकाजी समस्याओं के निवारण हेतु समय-समय पर विचार विमर्श करता रहा। उनके सुझावों से मेरे व्यवसाय को विशेष ऊर्जा प्राप्त हुई तथा मेरा व्यवसाय ऊंचाईयों पर पहुंच गया। मैं उनके द्वारा दिए गए स्नेह एवं आशीर्वाद को हमेशा याद करता रहूंगा। आज वो एक सितारा बनकर ब्रह्ममय हो गए हैं, परन्तु पन्ना जिले के साथ प्रदेश एवं देश ही नहीं बल्कि विदेशों के अपने हजारों शिष्यों को नई राह के साथ नई ऊर्जा प्रवाहित कर गए हैं। यह ऊर्जा हमेशा अक्षुण्य रहे तथा हम सभी पर सदैव उनकी कृपा बनी रहे, इसी आकांक्षा के साथ मैं उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं।

-रुद्र कुमार उरमलिया, उद्योगपति मुंबई

प्रोत्साहित करने का नजरिया पिता जैसे था - बालीवुड अभिनेता आशिम अली खान मुंबई

मैं फिल्मों में काम करते-करते जब अन्य क्षेत्रों के बारे में सोचता हूं तो अपने आपको अधूरा महसूस करता हूं। भोपाल स्थित ज्योतिष मठ संस्थान में मैंने बहुत कुछ सीखा है। मेरे विगत कई वर्षों से संस्थान के ज्योतिषाचार्य पं. विनोद गौतम से मधुर संबंध रहे हैं। इसी दौरान मैं जब भी भोपाल आया तो ज्योतिष मठ जरूर गया। वहां पर मैं उनके पिताजी पं. श्री अयोध्या प्रसाद गौतमजी से मिला। एक-दो मुलाकातों के बाद मुझे उनमें अपने पिता की छवि नजर आने लगी। उनका वर्ताव स्नेह मेरे प्रति बहुत ही सकारात्मकतापूर्ण ऊर्जा प्रदान करने वाला होता था। इसी लालसा के साथ मैं जब भी शूटिंग से समय मिलता उनके दर्शन करने के लिए पहुंच जाता। साथ ही उनसे अपनी समस्याओं एवं आगे के कैरियर की सफलता से संबंधित सुझाव लेता रहा। धीरे-धीरे मुझे भी ज्योतिष के प्रति रुचि जागृत हो गई। जब मैंने गहराई पर जाकर ज्योतिष का अध्ययन करना शुरु किया तो पंडितजी ने मुझे अनेक प्रकार के ज्योतिषीय सूत्रों से अवगत कराया। आज मैं मुस्लिम धर्म का अनुसरण करने के बावजूद भी ज्योतिष के प्रकांड विद्वान पंडितजी को अपना गुरु मानता हूं। उनकी कृपा से मेरे कैरियर में वृद्धि हुई है। अनेक सफलताओं को प्राप्त कर मैं अब उनको भूल नहीं पा रहा हूं। मेरी पहली फिल्म 'जिंदगी तेरे नाम' के समय उन्होंने मुझे ऊर्जा प्रदान की, फिर 'क्यों हुआ अचानक' फिल्म में मुझे उनका आशीर्वाद प्राप्त हुआ। भूतिया फिल्म 'पेज-16' को रिलीज होने के पहले ही उन्होंने इस फिल्म की सफलता का आशीर्वाद दिया था। उनका आशीर्वाद हमेशा मेरे साथ में बना रहे, ऐसी मेरी कामना है।

-आशिम अली खान

पंडितजी बहुत ही भले आदमी थे

विगत 3-4 वर्षों के दौरान मंगली कुंडली के संबंध में पंडितजी के ज्योतिष मठ संस्थान गया। वहां पर पंडितजी से मुलाकात हुई। उन्होंने कैलेंडर भेंटकर शुभकामनाएं दीं, साथ ही उन्होंने अपनी बीमारी ब्लड प्रेशर आदि के विषय में चर्चा की। स्वास्थ्य के संबंध में चर्चा के दौरान मुझे एहसास हुआ कि पंडितजी को आयुर्वेद का पूर्ण ज्ञान है। जिस ढंग से उन्होंने नस-नाड़ियों तथा हड्डियों से संबंधित प्राकृतिक मानव के बारे में बताया तथा उनके खान-पान पर मानव पर पड़ने वाले प्रभाव एवं दुष्प्रभाव के बारे में सुनकर मुझे ऐसा लगा कि प्राचीन समय की विद्या सर्वोपरि है। मैं जब भी पंडितजी के पास गया, पंडितजी बिना कुछ खिलाए-पिलाए नहीं जाने देते थे। एक बार उन्होंने पंचाटे की रोटी खिलाई जो मुझे एवं मेरी पत्नी को बहुत स्वादिष्ट एवं प्रिय लगी। मेरे अनुसार उन्होंने जो आत्मीय भावना के साथ मुझे खिलाया उससे मैं अभीभूत हो गया। मुझे अपने माता-पिता की याद आई। मैं मानता हूं कि मैं वैज्ञानिक ज्ञान की डिग्री रखता हूं, परन्तु धार्मिक एवं सांस्कृतिक ज्ञान के विषय में पंडितजी से ज्यादा गंभीर मुझे आज तक कोई नहीं मिला। उन्होंने हमको समय के साथ ज्ञान दिया हम उनके सदैव आभारी रहेंगे। ऐसी सख्शियत को भुलाया नहीं जा सकता।

- डॉ. टीएन दुबे, कुलपति मेडिकल कॉलेज जबलपुर

श्री मारुती संगीत संस्थान

संगीत कला सीखने के लिए संपर्क करें - नवीन बैच प्रारंभ

पं. श्री अशोक भट्ट, प्रोफेसर कॉलोनी, भोपाल मो. 9893439624

संगीतमयी श्रीमद्भागवत गीता, संगीतमयी श्रीमद्भगत कथा, संगीतमयी शिवार्चन, संगीतमयी सुन्दरकांड, अखंड मानस पाठ, देवी जागरण हेतु संपर्क करें।

पन्ना के हीरा थे गौतमजी

पंडितजी से मिलने के पश्चात मुझे एक संरक्षक मिल गया था। जो कि अब इस दुनिया में नहीं है। मैं उनको बारंबार प्रणाम करती हूं। मैंने कई बार उनके दर्शन कर आशीर्वाद लिया। गृह ग्राम श्यामा डांडा में जाकर पूजा-अर्चना के साथ गुरुजी के साथ भोजन करना हमेशा याद रहेगा। जीवन में उनके द्वारा दिए गए मार्गदर्शन से मुझे बहुत लाभ हुआ है। ज्योतिष के क्षेत्र में उनसे ज्यादा ज्ञानी पुरुष मुझे आज तक नहीं मिला। वे ज्ञान की खान थे, पन्ना के हीरे थे, और हमारे गुरुदेव थे। मैं उनसे राजा भरत सिंह नगर पालिका अध्यक्ष पन्ना जो कि उनके शिष्य हैं उनके माध्यम से मिली थी। बाद में मैं कई बार पंडितजी से विचार-विमर्श करने हेतु पंडितजी के पास उपस्थित हुई। उनके द्वारा बताई गई बातें मेरे जीवन में अक्षरत: सत्य साबित हुईं। आगे भी उनके द्वारा बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लेकर प्रतिदिन उन्हें स्मरण करती हूं। ऐसे देव पुरुष के स्मरण मात्र से ही मुझे बहुत शांति मिलती है। वो भूलने के लिए नहीं, बल्कि दैनिक स्मरण करने के लिए हैं। मेरा मानना है कि जो भी उन्हें सच्ची श्रद्धा से स्मरण करेगा उनके सभी प्रकार के कार्य एवं मनोकामना पूर्ण होगी। जय गुरुदेव।

- महारानी दिलहर कुमारी, राजमाता पन्ना

हस्तरेखा देखकर बताया आगे वही हुआ

विगत 15 वर्षों से ज्योतिष मठ संस्थान सं जुड़ा हुआ हूं। पेशे से पत्रकार तथा संस्थान के सहयोगी प्रकाशन धर्म नगरी का प्रधान संपादक भी हूं। संस्थान में गुरुजी के दर्शन एवं ज्ञान प्राप्ति का सौभाग्य सदैव प्राप्त हुआ। यह मेरा सौभाग्य था कि आपके मार्गदर्शन में मुझे मेरा खोया हुआ पुत्र रत्न प्राप्त हुआ। विगत आठ वर्ष पूर्व मेरे आठ वर्षीय पुत्र के अचानक निधन के पश्चात मेरे मन मस्तिष्क में अनेक प्रकार के नकारात्मक विचार घर करने लगे थे, लेकिन गुरुजी ने अपना अमूल्य समय देकर मुझे एक दिन मुहूर्त एवं समय देकर हस्त रेखा परीक्षण के लिए बुलाया और लगातार दो घंटे तक मेरी हस्तरेखा परीक्षण करने के बाद मुझे आशीर्वाद स्वरूप बताया कि आपका खोया हुआ बालक आपको पुन: वर्ष 2016 में प्राप्त होगा। इस एक उत्तर से मुझे मेरे अनेकों प्रश्नों के समाधान प्राप्त हो गए। और मैं होसले से आगे बढ़ता गया। गुरुजी के आशीर्वाद के फलस्वरूप मुझे 2016 में पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। यह मेरे लिए खोए हुए भाग्य को पुन: तलाश कर मुझे प्राप्ति कराने में गुरुजी का आशीर्वाद प्राप्त हुआ है। यह जन्म जन्मांतर तक मुझे ऋणी रखेगा। मैं हमेशा उनका आभारी रहूंगा जो मुझे पुत्र रत्न देकर जीवन जीने का सुख प्रदान किया।

- राजेश पाठक, संपादक धर्म नगरी

पंडितजी की भविष्यवाणी अचूक थीं

गौतमजी से हम लगभग 40 वर्ष से जुड़े हुए हैं। आपकी भविष्यवाणी सही व सटीक होती थी। आपका ज्योतिषीय ज्ञान भी बहुत ही अद्भुत था। आप ज्योतिष के अलावा चेहरा, हाथ और आंखें देखकर लोगों को भविष्य बता देते थे। यहां तक कि उनकी जन्म कुंडली भी बता देते थे। पंडितजी ज्योतिष के क्षेत्र में प्रदेश ही नहीं बल्कि देशभर में विख्यात थे। आपके द्वारा जो भी ज्योतिषीय राय ली जाती थी वह लाभप्रद होती थी। हम पंडितजी के स्वर्गारोहण से अपने आपको अधूरा सा महसूस कर रहे हैं। साथ ही उनके द्वारा भोपाल में संस्थापित ज्योतिष मठ संस्थान के विकास एवं उन्नति के लिए भी ईश्वर से प्रार्थी हैं।

-**प्रहलाद अग्रवाल,** लाला रामस्वरूप रामनारायण पंचाग,जबलपुर

पंडितजी हमारे गुरु-मित्र थे

पंडित जी से हमारा रिश्ता बहुत ही करीबी रहा है। मुझे पन्ना में टेक्नीकल स्कूल में प्राचार्य रहने के दौरान विगत 40 साल पूर्व से आशीर्वाद प्राप्त था। आपका ज्योतिष ज्ञान अद्भुत था जिसके बारे में मैं ही नहीं सभी लोग जानते हैं। हम जब भी कोई कार्य आरंभ करते थे तो पंडितजी से ज्योतिषीय राय अवश्य लेते थे। जिसका हमें हमेशा लाभ प्राप्त हुआ है। आमतौर पर जो भी ज्योतिष संबंधी बातें पंडितजी ने हमें बताई थी वह सत्य साबित हुई हैं। मैं समझता हूं पंडितीजी देश के प्रख्यात ज्योतिषियों में से एक थे। मैं अपने को उनका शिष्य मानता था और वो मुझे अपना मित्र मानते थे। उनका गमन हमारे परिवार के लिए बहुत दुखदायी है।

आरके श्रीवास्तव, सतना

पंडितजी अग्रणी ज्योतिषियों में से एक थे

पंडित गौतम जी को मैं विगत एक दशक से जानता हूं और हमारे उनसे पारीवारिक संबंध भी थे। जब भी हम किसी तरह का धार्मिक, मांगलिक या अन्य कार्य करते थे तो सबसे पहले पंडितजी से ज्योतिषीय राय लेते थे। जब भी हमने उनसे ज्योतिष संबंध में राय लेकर कार्य किया है वह सफल हुआ। ज्योतिष के विषय में जो कुछ भी पंडितजी द्वारा बताया जाता था वह सत्य साबित होता था। मैं समझता हूं कि गौतमजी वर्तमान दौर में देश के अग्रणी ज्योतिषियों में से एक थे। मेरे देवेंद्र नगर में आवासित होने के पश्चात मुझे विशेष सानिध्य एवं आशीर्वाद प्रदान नित्य प्रति दिन प्राप्त होता था। आज मुझे अकेलापन का आभास ही नहीं अधूरापन भी महसूस हो रहा है। मैं गुरुजी के आशीर्वाद का हमेशा आभारी रहूंगा। उनकी कृपा दृष्टि का आकांक्षी रहूंगा।

-**लक्ष्मण सिंह बुंदेला,** देवेंद्र नगर

मुझे गुरुजी पर गर्व है

गुरुजी की मैं दीक्षित शिष्या हूं। आप महान ज्योतिषीय संत थे। मुझे गर्व इस बात का है कि आप मेरे गुरू थे। आपके आशीर्वाद से हमारी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती रही हैं। आपके परलोक गमन से मुझे एवं मेरे परिवार को गहन दुख हुआ है। आप हमेशा अपना आशीर्वाद मेरे परिवार के ऊपर बनाए रखिए।

-**शिखा भदौरिया,** भोपाल

सदैव आशीर्वाद मिला

ज्योतिष की राजधानी बनेगा भोपाल। यह नारा मेरे कानों में आज भी गूंज रहा है। ज्योतिष सम्मेलन में गुरुजी के दर्शन प्राप्त हुए। सालों साल पहले से मैं गुरुजी को जानती थी। जबसे ज्योतिष मठ संस्थान हमारे क्षेत्र नेहरू नगर में शुरू हुआ है तबसे गुरुजी का सानिध्य एवं आशीर्वाद मुझे समय समय पर प्राप्त होता रहा है। आपकी राजनीति के क्षेत्र में तथा ज्योतिष गणना के क्षेत्र में की गई अद्भुत भविष्यवाणियां सत्य हुईं हैं। कई बार मुझे ज्योतिष संबंधी सलाह लेने पर चुनाव आदि के समय विशेष लाभ प्राप्त हुआ है। जब भी ज्योतिष मठ में किसी तरह का पूजन-अनुष्ठान व अन्य आयोजन होते थे हम निश्चित तौर पर गुरुजी का आशीर्वाद प्राप्त करने जाते थे। अचानक उनका परलोक गमन अत्यधिक कष्टकारी है।

-**संतोष कसाना,** पार्षद, भोपाल

पंडितजी को हम बचपन से जानते थे। हमारे पिताजी से आपके बहुत गहरे मित्रवत संबंध रहे हैं। जब भी पंडितजी जबलपुर आते थे, हमारे यहां उनके लिए सदैव एक कमरा तैयार रहता था। हम लोग पंडितजी का हृदय से सम्मान करते थे। जहां तक आपके ज्योतिष ज्ञान की बात है तो मुझे नहीं लगता कि आज तक आपके जैसा कोई दूसरा ज्योतिषी न था, न होगा। आप अत्यंत सीधे, सरल और जिम्मेदार प्रवृत्ति के ज्योतिषी थे। मैंने आपको कभी लोभ-लालच में नहीं देखा यही वजह रही कि बड़ी-बड़ी हस्तियां आपके पीछे घूमती नजर आती थीं। पंडितजी को हम कभी नहीं भूल सकते, उनको हमारी अश्रुपूर्ण श्रद्धांजलि।

-प्रो. पंकज शुक्ला, जबलपुर

हम पंडितजी को लगभग 20 वर्षों से जानते थे और आपकी ज्योतिष से बहुत ही प्रभावित रहे हैं। हमारे परिचितों ने भी हमको पंडितजी के ज्योतिषीय ज्ञान के बारे में बताया था और जब हमने आपसे मुलाकात की तो आपके ज्योतिषीय गणित को देखकर हमारे मन में श्रद्धा जागृत हो गई थी तथा हम तभी से पंडित से हमेशा के लिए जुड़ गए थे। हम लोगों पर पंडितजी का आशीर्वाद सदा बना रहे, ईश्वर से यही प्रार्थना है।

- आभा माहेश्वरी, जबलपुर

पंडित गौतम जी हमारे गुरू थे। जिनका हमें केवल ज्योतिष ही नहीं बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी सदैव मार्गदर्शन प्राप्त होता रहता था। आपकी ज्योतिष के चर्चे प्रदेश और देश ही नहीं, बल्कि विदेश में भी होते थे, इसका हमें गर्व है। हम इस बात से गौरव अनुभव करते हैं कि हमारे गुरूजी इतने बड़े ज्योतिषी और आध्यात्मिक संत थे। पंडितजी के देवलोक गमन से एक अधूरापन सा महसूस हो रहा है जो कि अब पूरा नहीं हो सकता।

-राजा भरत सिंह परमार, पन्ना

पं. विनोद गौतमजी को मैं अनेक वर्षों से जानता हूं और आपके पिताश्री पंडित अयोध्या प्रसाद जी गौतम के ज्योतिषीय ज्ञान से भी प्रभावित था। ज्योतिष मठ संस्थान द्वारा आयोजित ज्योतिष सम्मेलन में गुरुजी का आशीर्वाद प्राप्त हुआ था। गौतमजी कर्मकांड और ज्योतिष के परम विद्वान व श्रेष्ठ व्यक्ति हैं जो अपने ज्योतिषीय कर्म से समाज के लिए बहुत कुछ कर रहे थे। ज्योतिष मठ में ज्योतिष के अलावा वेद विद्यालय के आरंभ करने का भी आपका संकल्प था जो कि पूरा भी हो गया। पंडितजी के परलोक गमन से ज्योतिष के क्षेत्र में विशेष क्षति हुई है जो कि अब पूरा होना संभव नहीं है। मैं आपके द्वारा संस्थापित ज्योतिष मठ के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं।

- अभिनवदास जी, कोटा (राजस्थान)

पं. गौतमजी से मैं विगत 10 वर्षों से जुड़ी हुई थी, आपके ज्योतिष ज्ञान और साधना सिद्धि की बदौलत मेरे जीवन में खुशियां आई थीं। हमें लम्बे समय से संतान प्राप्ति की इच्छा थी, लेकिन पूर्ण नहीं हो पा रही थी। पंडितजी ने जिस तरह से पुत्र प्राप्ति के मनोरथ को सिद्ध करने के उपाय व अनुष्ठान बताए थे। वह करके हमें पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई। इसलिए गुरूजी हमारे लिए भगवान जैसे थे। मेरी ऐसी आशा है कि पंडितजी हमारे ऊपर हमेशा कृपा बनाएं रखेंगे।

-सोनाली सक्सेना, नई दिल्ली

गौतमजी द्वारा ज्योतिष मठ संस्थान की स्थापना देश हित में की है। आपका ज्योतिषीय ज्ञान बहुत उत्तम था। मुझे लगता है कि ज्योतिष मठ संस्थान द्वारा किए जाने वाले ज्योतिष अनुसंधान से भोपाल एक न एक दिन ज्योतिष की राजधानी बनेगा। जो भी भविष्यवाणी आपके द्वारा की जाती थी वह सटीक होती थी। करीब 40 वर्ष पूर्व से गुरुजी का आशीर्वाद समय समय पर प्राप्त होता रहा है। उनके परलोक गमन से मुझे गहरा दुख मिला है।

-शैलेन्द्र निगम, भोपाल

गौतमजी अंतरराष्ट्रीय अध्यात्मिक गुरु थे

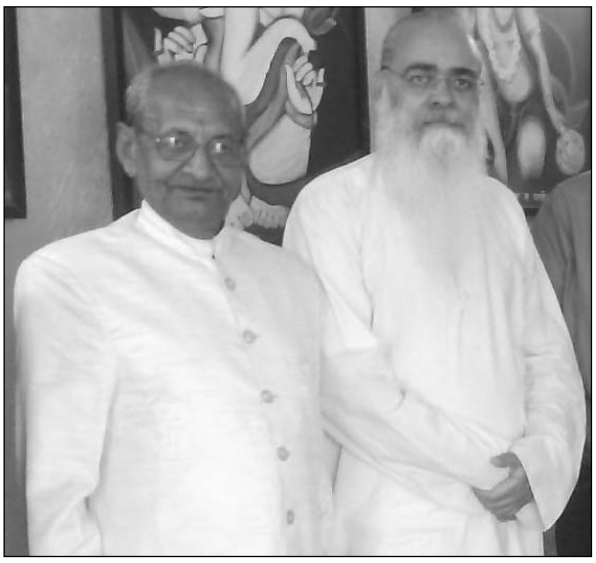

पंडितजी से मैं विगत 20 वर्षों से जुड़ा हुआ हूं। अध्यात्म के क्षेत्र में रहने के कारण मुझे अध्यात्मिक व्यक्तियों की तलाश रहती थी। ऐसे में पंडितजी की शिष्या सुश्री अनुराधा त्रिवेदीजी जो कि महिला पत्रकार संघ मध्यप्रदेश की अध्यक्ष हैं, उन्होने मुझे पंडितजी के बारे में जानकारी दी। पश्चात ज्योतिष मठ संस्थान में पंडितजी से मिला, उनके स्वभाव एवं व्यक्तित्व से मैं बहुत प्रभावित हुआ। ज्योतिष के क्षेत्र में उनके द्वारा बताए गए सिद्धांत एवं सूत्र अचंभित करने वाले थे। मैं उनसे जुड़ता गया। वे हमारी सभाओं में अक्सर आमंत्रित रहते थे तथा जब भी उन्हें समय मिलता था तो हमारे आश्रम भेंट करने अवश्य आते थे। उनके तंत्रज्ञान का प्रभाव भी देखने को मिला। मैंने कई बार उनको परखने के उद्देश्य से गूढ़ रहस्यात्मक प्रश्न भी किए। जिसका उन्होंने सहज एवं सरल ढंग से तक्षण, सटीक उत्तर दिया। मेरी जन्म पत्रिका उनके द्वारा विस्तृत रूप से तैयार की गई है। जिसमें पूर्व एवं भविष्य की जानकारी लिखी है। वह अक्षरत: सत्यता की ओर अग्रसर है। ऐसे महापुरुष पृथ्वी पर बार-बार अवतार नहीं लेते। उनका परलोक गमन हम सबके लिए बहुत ही हानिप्रद है। खासकर ज्योतिष जगत के लिए बहुत बड़ी क्षति है। अंतिम समय में जब मैंने उनसे पालीवाल हास्पिटल में आईसीयू में मुलाकात की तब भी मुझे वही ऊर्जा वही तेज दिखाई दिया। और उन्होंने मुझे इशारे से कहा कि अब समय आ गया है। अब जाना पड़ेगा। परन्तु मैं मानता हूं कि वो कहीं नहीं गए, वे हम सबके बीच में ज्ञान रूप में उपस्थित हैं।

-विश्व प्रसिद्ध अध्यात्मिक संत 1008 श्री मन्नत बाबा, हनुमतश्री

पंडितजी से मेरी पहली मुलाकात प्रसिद्ध जादूगर आनंद के माध्यम से हुई थी। आपका ज्योतिषीय ज्ञान को देखकर मैं आकर्षित हुई और जीवन से जुड़े हर कार्य में उनसे ज्योतिषीय राय लेने लगी। परिणाम स्वरूप मुझे हर कार्य में सिद्धि अनुभव हुई। और आपके बारे में मैं यही कह सकती हूं कि आप देश के प्रसिद्ध ज्योतिषियों में से एक थे। ज्योतिष मठ संस्थान के स्थापना दिवस के समय मैं मुंबई से भोपाल गई थी। उन्होंने मुझे अपनी पुत्री स्वीकार करते हुए पूर्ण आशीर्वाद प्रदान किया जिससे मुझे सभी प्रकार से सुख प्राप्त हुआ। उनकी याद हमेशा बनी रहेगी। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

कृष्णा सिंह, फिल्म सेट डिजायनर, मुंबई

मैं ज्योतिषाचार्य गौतमजी को 20 वर्षों से जानता था। उनके ज्योतिष ज्ञान से मैं अत्यंत प्रभावित था। ज्योतिष मठ संस्थान में बैठकर आप लोगों को ज्योतिष का अच्छा लाभ प्रदान करते थे। हम जब भी किसी तरह के व्यापार आदि जो भी कार्य प्रारंभ करते थे उसमें पंडितजी की ज्योतिषीय सलाह लेना नहीं भूलते थे। आपके मार्गदर्शन में किए गए व्यापारिक तथा पारिवारिक कार्य हमेशा पूर्ण सफल रहते थे। उनके नहीं रहने पर हम अपने आपको अधूरा महसूस कर रहे हैं। मुझे उनके चरणों का आशीर्वाद प्राप्त हो यही कामना है।

-प्रदीप सर्राफ, उद्योगपति, भोपाल

पंडितजी की प्रत्येक भविष्यवाणी हमेशा सच साबित हुई

पंडितजी से मैं 30-40 वर्षों से परिचित हूं। वह हमारे लिए पिता के समान थे। उनके द्वारा बताए गए सिद्धांतों पर चल कर मुझे हमेशा सफलता प्राप्त हुई है। जिला जज दमोह श्री पी.एन.एस. चौहान जी के माध्यम से मैं उनसे मिला, फिर हमेशा मिलता रहा। मैंने अपना पारिवारिक संरक्षक उन्हें मान लिया था तथा समय-समय पर उनसे मिलने मैं ज्योतिष मठ संस्थान जाता था। तथा घंटों चर्चारत रहकर उनसे आध्यात्मिक ज्ञान अर्जित करता था। उनके द्वारा की गई देश-प्रदेश से संबंधित भविष्यवाणियां अचंभित कर देने वाली रही हैं। 'जिसमें राम मंदिर निर्माण की वेला चक्रव्यूह की वेला है' नामक शीर्षक मैं उनकी भविष्यवाणी अक्षरतः सच साबित हुई। उनके द्वारा अन्य भविष्यवाणियां अटल बिहारी वाजपेयी, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, उमा भारती के विषय में की गई जो कि समय की कसौटी पर सत्य साबित हुईं। मैं उनका आभारी हूं कि उन्होंने मेरे साथ अपनत्व की भावना को चिरस्थायी बनाए रखा। मेरे परिवार के सभी सदस्यगण पंडितजी को बहुत याद करते हैं। उनके जीवन को व्यवस्थित करने में पंडितजी का बहुत बड़ा योगदान रहा है। आज भी पंडितजी हमारे बीच में हैं। उनका ज्ञानरूपी प्रकाश हम सबके हृदयों में समाया हुआ है। पंडितजी से बढ़कर अध्यात्म, ज्योतिष का ज्ञाता मिलना अब आगे के समय में बहुत मुश्किल है। समाज में दिए गए उनके योगदान के हम आभारी हैं।

- **जस्टिस एस.एन. द्विवेदी,** भोपाल

अयोध्या प्रसाद गौतमजी देवपुरुष थे

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के चीफ जस्टिस रहने के दौरान पंडितजी से मेरी मुलाकात हुई। मैं उनसे बहुत प्रभावित हुआ। उनका ज्ञान उच्च कोटी का था। ज्योतिष के क्षेत्र में उनका कोई विकल्प नहीं है। मैं पारिवारिक रूप से उनसे कई वर्षों तक जुड़ा रहा। साथ में यात्राएं कीं। एक बार पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल के लिए अनुष्ठान हेतु भोपाल गया वहां पंडितजी द्वारा किए गए विधिपूर्ण अनुष्ठान से मैं बहुत प्रभावित हुआ। मैं भी समय-समय पर उनसे पूजा-अनुष्ठान करवाता रहा एवं पारीवारिक सदस्यों के साथ अपने विषय में मार्गदर्शन भी प्राप्त करता रहा। उनके बताए मार्ग पर चलकर मुझे कभी परेशानी नहीं हुई, बल्कि मेरा मार्ग प्रशस्त होता रहा। एक बार उनके साथ दिल्ली स्थित उपराष्ट्रपति भवन में 6 अक्टूबर 2002 को उपराष्ट्रपति श्री भैरोसिंह शेखावतजी को आशीर्वाद प्रदान करने गया। वहां पर उनकी सरलता एवं सहजता देखकर मैंने मान लिया कि ये मनुष्य योनि में कोई देव पुरुष ने अवतार लिया हैं, क्योंकि उनकी वाणी रहन-सहन, क्रिया-कलाप, आचार-विचार, नियम-संयम सब देवताओं जैसे ही थे। उनका दिया आशीर्वाद हमेशा मेरे ऊपर बना रहे यही अब ईश्वर से इच्छा रह गई है।

-पूर्व चीफ जस्टिस डीपीएस चौहान, प्रयागराज

पंडितजी से हमेशा सही मार्गदर्शन मिला

पंडितजी का मेरा लगभग 30 वर्षों का सान्ध्य रहा है। इस दौरान मैं कई बार ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल परिवार सहित गया। एवं उनसे मार्गदर्शन प्राप्त किया। रिटायरमेंट के बाद पंडितजी इंदौर स्थित हमारे घर भी पधारे और आशीर्वाद दिया ज्योतिष के क्षेत्र में हमारे परिवार को उनके द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने से बहुत ही सुख-शांति प्राप्त हुई है। वो हमारे परिवार के लिए गुरुतुल्य रहे हैं। उनका ज्ञान अभूतपूर्व ढंग से अचंभित कर देने वाला था। उनका परलोक गमन ज्योतिष के क्षेत्र में बहुत बड़ी क्षति है।

-जस्टिस श्री अशोक तिवारीजी, इंदौर

पंडितजी की जो भविष्यवाणी थीं वो सटीक साबित हुई

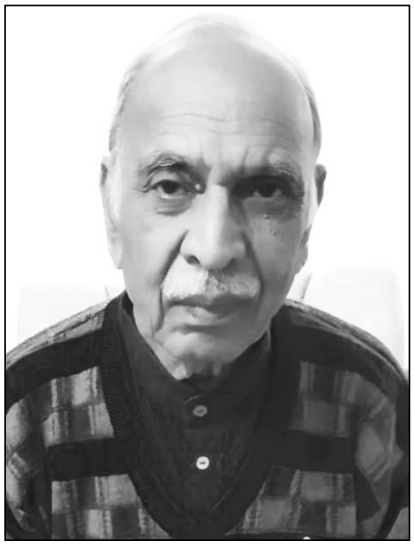

पंडितजी के द्वारा बताए गए मार्ग पर मैं आज भी कायम हूं। पंडितजी से मेरे संबंध 50 वर्ष पुराने हैं। मेरी शादी भी पंडितजी ने ही करवाई थी। आज मैं स्वास्थ्य संचालक पद से सेवानिवृत्त हो गया हूं। पंडितजी की सीख समय-समय पर मुझे संकटों से दूर रखती है। मेरी पत्नी को पंडितजी के ऊपर बहुत भरोसा है। मेरे बच्चों के विषय में तथा अन्य कार्यों के विषय में पंडितजी की जो भविष्यवाणी थी वो सटीक साबित हुईं। पंडितजी को हम प्रतिदिन स्मरण करते हैं वो देव पुरुष हैं, उनके जैसा ज्योतिष ज्ञानी मेरे जीवन में मुझे कोई नहीं मिला। मैं आंखों का डाक्टर था। एक बार पंडितजी का फोन ग्वालियर से मेरे पास आया और उन्होंने कहा कि मैं आंख का आपरेशन करवा रहा हूं। ग्वालियर के कमिश्नर श्री पुखराज मारूजी जो कि उनके अनन्य भक्त थे उनसे मेरी बात हुई। मैंने उन्हें आपरेशन नहीं करवाने के लिए कहा और भोपाल बुला लिया। यहां आकर आंख का उपचार किया गया जिससे उनको राहत मिल गई। उस समय से उन्हें मेरे ऊपर बहुत भरोसा हो गया। समय-समय पर जब भी वो किसी अन्य डाक्टर से अपना इलाज करवाते थे पश्चात वे मुझसे मिलकर सलाह मशविरा कर ही दवाओं का सेवन करते थे। पंडितजी को यह तीसरा ब्रेन अटैक था। इस बार जब मैं पंडितजी से आईसीयू में भेंट करने पालीवाल हास्पीटल जहां उनका इलाज चल रहा था गया तभी पंडितजी ने मुझे पहचानते हुए इशारों से बताया कि अब समय आ गया है अब मुझे जाना है। मैंने उनसे कहा कि नहीं एक बार और आपको उठकर खड़ा होना है परन्तु उन्होंने इंकार से सिर हिला दिया और दो दिन बाद ही तारीख 24 जून को शाम 4 बजे डॉ. जयप्रकाश पालीवाल का फोन आया कि पंडितजी को अचानक कार्डियक अटैक आने के कारण उन्हें हम नहीं बचा पाए। मेरे परिवार पर तो मानो पहाड़ टूट पड़ा हो। इतनी पीड़ा, इतना दर्द पंडितजी के बताए रास्ते, पंडितजी का सहयोग, पंडितजी का सानिध्य एक-एक कर मेरी आंखों के सामने आने लगे। पंडितजी को हम कभी नहीं भूल सकते, हमारे जीवन के उत्थान में उनका पूर्ण योगदान रहा है।

-डॉ. पीएनएस चौहान, पूर्व स्वास्थ्य संचालक मप्र शासन

महाराजा इत्र सेंटर

सभी प्रकार के इत्र के थोक एवं फुटकर विक्रेता, बड़ी खेरमाई रोड, गेट नं. 2 के बगल में, जबलपुर (मप्र)

प्रो. राधेश्याम साहू मो. नं. : 9826165287

ज्योतिष गुरु थे पं. अयोध्या प्रसाद गौतमजी

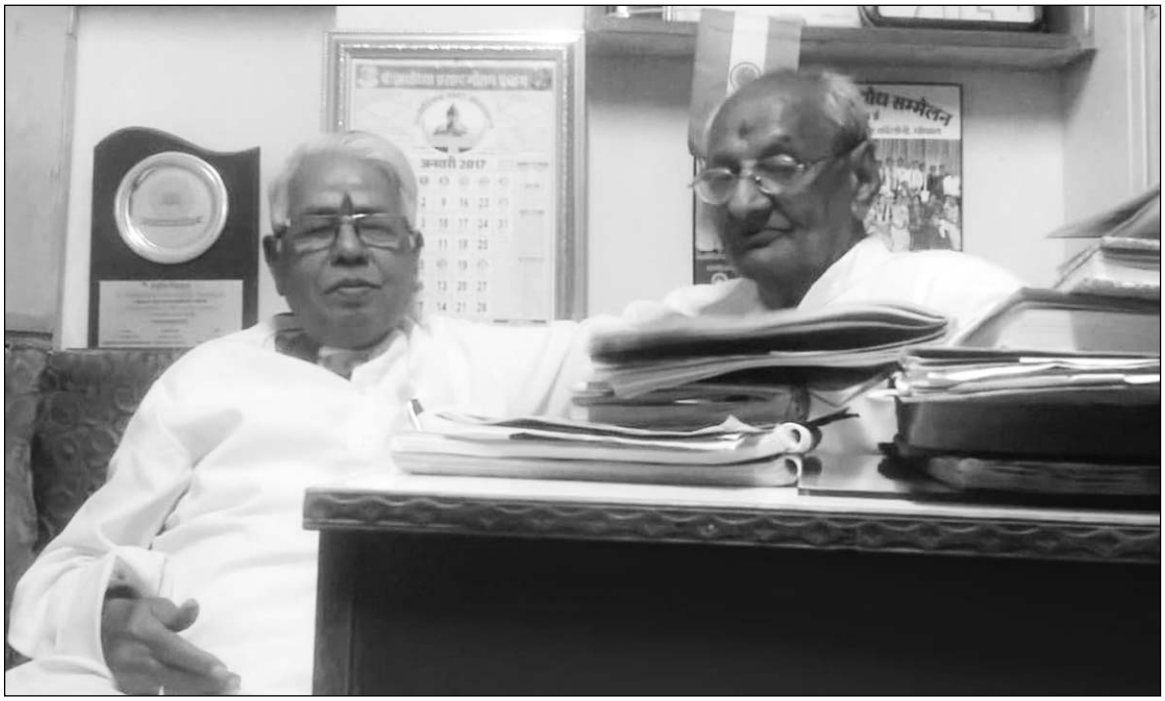

आज से 50 वर्ष पूर्व पंडितजी जबलपुर आए और मेरे पिता जो कि उस समय देश के माने हुए प्रख्यात ज्योतिषाचार्य नाथूराम व्यास से मुलाकात के दौरान मेरी उनसे मुलाकात हुई। पिता के कहने पर मैने पंडितजी को गुरु रूप में स्वीकार कर उनसे ज्योतिष की बारीकियां सीखीं। उनका अद्‌भुत ज्ञान आज भी मुझे समय-समय पर सहायक है। आज जो मैं ज्योतिष के क्षेत्र में काम कर रहा हूं उसमें पंडितजी का पूर्ण सहयोग रहा है। लाला रामस्वरूप रामनारायण पंचांग. आरसी एंड संस पंचांग, जीडी एंड संस पंचांग, पं. बाबूलाल चतुर्वेदी पंचांग, भुवन विजय पंचांग, पुष्पांजली पंचांग के निर्माण में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रहती थी। व्रत-त्योहारों में निर्णय आदि मुहूर्तों के साथ अनेक प्रकार के ज्योतिषीय मतभेदों में उनका निर्णय हम सब पंचांगकार पूर्ण विश्वास के साथ मानते थे। वे हमारे घर के सदस्य जैसे ही थे। जब कभी उनका जबलपुर आगमन होता तो वे हमारे निवास में ही विश्राम करते थे। हम जानते हैं कि वे इस दुनिया में नहीं हैं, परन्तु हम मानते हैं कि उनके द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत ज्योतिष की दुनिया में उन्हें जीवंत किए हुए हैं। उन्हें कभी भुलाया नहीं जा सकता। संपूर्ण ज्योतिष जगत के लिए बहुत बड़ी क्षति हुई है। इस क्षति को परमात्मा ही दूर कर सकते हैं। वैसे उनके द्वारा भोपाल में स्थापित ज्योतिष मठ संस्थान में उनके पुत्र पं. विनोद गौतम, बखूबी ज्योतिष के क्षेत्र में अपना स्थान बनाए हुए हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि उन्हें सदैव अग्रसर बनाए रखें।

- नारायण शंकर नाथूराम व्यास,
प्रख्यात ज्योतिषाचार्य एवं भविष्यवक्ता, जबलपुर

अद्वितीय प्रतिभा के धनी थे गौतमजी

जबलपुर से प्रकाशित पं. बाबूलाल चतुर्वेदी पंचांग, भुवन विजय पंचांग के पंचांगकार के रूप में पंडितजी ने बहुत सहयोग किया। मेरे पिताजी पं. श्री बाबूलाल चतुर्वेदीजी से पंडितजी के निकट संबंध रहे हैं। धीरे-धीरे मैं भी पंचांग कार्य में उनसे सलाह मशविरा करने लगा। उनकी प्रतिभा एवं ज्ञान को परखकर मैंने अपने पंचांग का संरक्षक बनाया और पंचांग कार्य में उनका सहयोग प्राप्त किया। कालांतर मेरे संबंध मित्रवत हो गए और मैं अपनी सभी प्रकार की बातें उनसे साझा करने लगा। उनके बताए गए समाधान के प्रकार से मेरी बहुत सारी समस्याओं का निराकरण हो गया। मैं जानता हूं कि ज्योतिष के क्षेत्र में वे अद्वितीय प्रतिभा के धनी थे। उनके बराबर ज्योतिष के श्लोक, फार्मूले शायद है कि किसी ज्योतिषी के पास रहे हों। वे जन्म पत्री निर्माण के क्षेत्र में कम्प्यूटर से भी तेज चलते थे। उनकी गणितीय प्रतिभा इतनी तेज थी कि वे कम्प्यूटर से जल्दी आपकी कुंडली तैयार करने में सक्षम थे। उनके पास हस्तरेखा, तंत्र, वास्तु, दैवीय साधना, खगोल के साथ सामाजिकता के विषय वस्तुओं का भंडार था। जिससे वे ज्योतिष के शिखर पर विराजमान रहे। आज भी वे अपने सूत्रों, सिद्धांतों के साथ हमारे बीच में ही बने हुए हैं, ऐसा मेरा मानना है। भगवान उन्हें अपने लोक में जगह प्रदान करें। ॐ शांति।

- पं. सूर्यकांत चतुर्वेदी, भुवन विजय पंचांग, जबलपुर

सिद्ध पीठ है ज्योतिष मठ

ज्योतिष शब्द ही सिद्ध है। इसके बाद ज्योतिष के साथ मठ जुड़ जाने से वह पीठ हो गया है। जो कि कार्य सिद्धि और अद्‌भुत चमत्कारों के लिए जाना जाता है। मैं अनेक वर्षों से गौतमजी को जानता हूं और ज्योतिष मठ संस्थान जहां पर कि स्वयं संत विराजमान हैं वहां भी मैं जा चुका हूं। ज्योतिषीय अनुसंधान के चलते यह मठ पवित्र और सिद्ध हो गया है। मैं समझता हूं कि जहां संत विराजमान हैं और ज्योतिषीय अनुसंधान हो रहे हैं वह स्थान स्वयं सिद्ध है जिसकी व्याख्या ठीक उसी तरह है जैसे कि भगवान की। यदि स्थान विशेष और व्यक्ति विशेष के प्रति आस्था है तो भगवान स्वत: प्राप्त हो जाते हैं।

- महामंडलेश्वर, अबधूत बाबा अरुण गिरिजी महाराज

मेरे प्रेरणास्रोत थे पंडित श्री गौतमजी

ज्योतिष मठ संस्थान के संस्थापक आदरणीय गुरुदेव पं. अयोध्या प्रसाद गौतमजी से मुझे मिलकर जीवन में कार्य करने की ऊर्जा एवं गति प्राप्त हुई। मैं पेशे से इंजीनियर हूं, परन्तु पैतृक पेशा पंडितगिरी का ही है। मुझे ज्योतिष में बहुत रुचि थी। यही कारण है कि मैं गणितीय ज्योतिष के सिद्धांतों की संहिताएं अच्छे लेखकों, विद्वानों की पुस्तकों का अध्ययन करता रहता था। एवं उसी गणितीय ज्ञान के आधार पर मैंने पुष्पांजलि पंचांग भोपाल से प्रकाशित किया। भाग्यवश गौतमजी को पंचांग की प्रति प्राप्त हुई। और उन्होंने मुझे फोन कर पंचांग के प्रकाशन पर शुभकामनाएं देकर पंचांग की बहुत प्रशंसा की। पश्चात भोपाल प्रवास पर मिलने का निश्चय हुआ। मैं नियत समय पर भोपाल में 15 वर्ष पूर्व मिला। प्रथम मिलन में ही उन्हें देखकर मुझे उनसे कुछ पुरातन विधि ज्ञान प्राप्त करने की इच्छा जागृत हो गई। कालांतर में उन्होंने मुझे कम्प्यूटर और ज्योतिष के सिद्धातों पर आधारित पंचांगीय, गणितीय कार्य करने के लिए दिया। एक वर्ष तक मैं वह रहस्य कम्प्यूटर के सहयोग से जानने की कोशिश करता रहा अंत में मैंने गुरुजी से कहा कि यह असंभव है ऐसा नहीं किया जा सकता। परन्तु उन्होंने मुझे प्रेरणा देते हुए कहा कि यह सिद्धांत ऐसा बन सकता है चाहे वह सूर्य सिद्धांत की गणित हो या केतकी गृह लाघवी सभी के सिद्धांत के आधार पर कम्प्यूटर में अगर गणितीय सिद्धांत आ जाते हैं तो भारत के सभी पारंपरिक पंचांगकारों के लिए बहुत ही सहूलियत भरा सिद्धांत हो जाएगा। अत: एक बार पुन: नए सिरे से प्रयास करो। आदेश मिलते ही मैं पूरी ईमानदारी से उन सिद्धांतों को कम्प्यूटर में पिरोकर नया साफ्टवेयर तैयार करने लगा। आशा के विपरीत मुझे पहले ही चरण में सफलता प्राप्त हो गई। कुछ परिणामों के परीक्षण करने पर और भी आगे के रास्ते खुलते गए और एक प्राचीन पद्धति पारंपरिक गणितीय पद्धति का पंचांग तैयार करने का साफ्टवेयर तैयार हुआ। यह सब उनकी प्रेरणा एवं आशीर्वाद से ही संभव हो सका। आज देश के अधिकतर पंचांग, कैलेंडर से संबंधित कार्यों हेतु इसका उपयोग हो रहा है। उनका आशीर्वाद हमारे परिवार पर बना रहे एवं उनके भक्तों का कल्याण हो। इसी कामना के साथ त्वदीयं वस्तु गोविन्दं तुभ्यमेव समर्पितं।

– पं. राजेश मिश्रा पुष्पांजलि पंचांग

के.एम. टेक्सटाईल्स

मुखर्जी क्लाथ मार्केट, बैरागढ़

पर्दाथान, चादर, कम्बल, सोफा कवर, रूम सेट एवं शाल के विशेष विक्रेता

प्रो. सुरेश सेवारमानी, मो. 9301514025, 9303136922

अद्वितीय प्रतिभा के धनी थे गौतमजी

पालीवाल हास्पिटल के संरक्षक ही थे गौतमजी। उनके मार्गदर्शन में कई बार अस्पताल में बदलाव, पूजन-अर्चन किया। समय-समय पर मुझे सभी प्रकार का परामर्श उनके द्वारा प्राप्त हुआ। यह मार्गदर्शन मुझे संकटकालीन समय में बहुत ही सहायता करता था। करीब 15 वर्ष पूर्व जब वे बीमार हुए और नाक से खून निकलने के कारण उन्हें पन्ना से मेरे हास्पिटल में भर्ती करा दिया गया। भगवान की कृपा से वे यहां से स्वस्थ हुए। पश्चात उन्हें दुबारा परेशानी होने पर फिर से भर्ती किया गया और उन्हें विश्वास हो गया कि मैं उन्हें ठीक कर देता हूं और दुबारा भी वो ठीक हो गए। भर्ती के दौरान उनके कई भक्त नौकरशाह-नेतागण उनसे मिलने हास्पिटल आते थे। उनमें अद्भुत क्षमता थी। यही कारण है कि वे अपनी बीमारी को मात दे देते थे। 19 जून 2019 में पंडित विनोद गौतमजी का फोन आया कि गुरुजी को ब्रेन अटैक हो गया है मैं तत्काल अस्पताल की एंबुलेंस भेजकर उन्हें अपने अस्पताल में बुलवाकर भर्ती कराया। हेमरेज होने के बाद भी उनमें अद्वितीय ऊर्जा का संचार हो रहा था। और वे बार-बार इशारों में यही कहते रहे कि बस अब समय आ गया है। चार दिन अस्पताल में वे किसी दिव्य शरीर के संचालन में संघर्षरत रहे। पश्चात उन्होंने अपना दिव्य शरीर त्याग दिया। यह मेरे लिए बहुत बड़ी क्षति थी। इस क्षति से उबरने में ही मुझे बहुत समय लगा। परन्तु सत्य को समझकर उनके अद्भुत ज्ञान का मार्गदर्शन के रूप में प्रयोग करते हुए उनको हमेशा याद करता हूं। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें।

-डॉ. जयप्रकाश पालीवाल, भोपाल

गुरुजी की भविष्यवाणियां से मैं प्रभावित हुआ

गुरुजी के मार्गदर्शन में मेरे सभी प्रकार के कार्य सुलभ हुए। प्रशासनिक कार्यों से लेकर पारिवारिक आयोजन-प्रयोजन के क्षेत्र में मुझे पूर्ण सफलता प्राप्त हुई। गुरुजी का आगमन लगभग चालीस साल पूर्व हमारे घर पर हुआ था। उनमें व्याप्त ऊर्जाओं से घर के प्रत्येक सदस्य प्रभावित हुए। मेरी पत्नी शिखा भदौरिया तो इतनी प्रभावित हुईं कि उन्होंने गुरुजी से विधिवत दीक्षा मंत्र प्राप्त किया। गुरुजी द्वारा समय-समय पर भोपाल आगमन के दौरान राजनीतिक क्षेत्र, पत्रकारिता जगत, व्यापार जगत, धर्म क्षेत्र से संबंधित चर्चाएं होती थीं। मेरे जादूगर मित्र गुरुजी के परम अनुयायी रहे हैं। उनके जन्म दिन तथा जादू समारोहों में पंडितजी के साथ हमारा आना-जाना रहता था। सभी बच्चों के विवाह समारोह में पंडितजी सम्मिलित हुए हैं। उनकी भविष्यवाणियां आश्चर्यचकित करने वाली थीं। हमारे जीवन में उनका बड़ा उपकार रहा है। कई घटनाएं-दुर्घटनाएं उनके मार्गदर्शन से टाली जा सकी हैं। जयगुरुदेव।

-शलभ भदौरिया, वरिष्ठ पत्रकार, भोपाल

रहस्यमयी ज्ञान के खान थे पंडितजी

मैं लगभग 50 वर्षों से पंडितजी से जुड़ा हुआ हूं। मेरे जादुई दुनिया में प्रवेश करने से लेकर पंडितजी के आखिरी समय तक पंडितजी का मार्गदर्शन और सहयोग मुझे प्राप्त हुआ। उनके सानिध्य में अनेक प्रकार की समस्याओं का निदान अल्प समय में ही हो जाता था। मैं जब भी देश अथवा विदेश में जादुई शो करने जाता था उसके पूर्व पंडितजी से मुहूर्त आदि शुभ समय की जानकारी जरूर प्राप्त करता था। संभव होता तो मैं उन्हें जिस शहर में भी जादू का शो करता था वहां बुलवा लेता था। जहां उनका मार्गदर्शन स्नेह एवं निश्छल प्रेम प्राप्त होता था। मेरे परिवार के सभी सदस्य उनका आदर-सम्मान करते थे। मेरी टीम के सभी सदस्यों के मन में उनके प्रति अथाह श्रद्धा एवं भक्ति थी। जीवन के हर मोड़ पर उनका सहयोग प्राप्त हुआ। उन्होंने हमेशा उच्च विचार अपनाने पर जोर दिया। मैं आंध्रप्रदेश में था जब उनका दुखद समाचार मुझे प्राप्त हुआ। सुनकर थोड़े समय के लिए एक झटका सा लगा। इसके पश्चात मुझे लगा कि वे शरीर छोड़कर जा सकते हैं, लेकिन मन-आत्मा तो हमारे पास ही हमेशा रहेगी और ऐसे ही उनके उच्च विचारों के द्वारा उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करने में बल प्रदान करें।

-जादूगर आनंद अवस्थी, जबलपुर

अध्यात्म की ज्योति मन में जगाई

फेमिली डॉक्टर से मैं परिवारिक सदस्य बना एवं गौतमजी को परिवारिक गुरु बना लिया। ज्योतिष मठ संस्थान ने निवास के दौरान मेरी उनसे भेंट हुई। धीरे-धीरे मेरे परिवार बेटे-पत्नी आदि के विषय में उनसे विचार-विमर्श किया। ज्योतिषीय विचार-विमर्श में उनके द्वारा सटीक जानकारी दी गई। जो आगे अक्षरता: सत्य साबित हुई और मैं उनका अनुयायी बन गया। जब भी मुझे समय मिलता मैं ज्योतिष मठ संस्थान जाकर उनसे आशीर्वाद लेता था। कई प्रकार की रहस्यमयी विधाओं के विषय में वो मुझे बताते थे। जिससे मुझे अध्यात्म में रुचि हुई। चूंकि मैं आयुर्वेदिक चिकित्सक हूं इसलिए उन्होंने मुझे आयुर्वेद चिकित्सा को कवित्त में बनाने का आग्रह किया। यह आग्रह मेरे लिए आदेश से भी बढ़कर था और वही हुआ। कुछ समय पश्चात मैंने कवित्त के रूप में आयुर्वेद चिकित्सा से संबंधित सूत्र तैयार किए जो उन्हें बहुत ही ज्ञानमयी एवं जनोपयोगी माना और ज्योतिष मठ संस्थान से प्रकाशित पंडित अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग में प्रकाशित किया। इस प्रकार से मेरे जीवन में अध्यात्म की ज्योति जगाने वाले पं. गौतमजी ही हैं। मैं उनका आभारी हूं तथा उन्हें हमेशा याद करता रहता हूं।

-डॉ. अनिल शर्मा, भोपाल

पूरे परिवारजन बैठकर विचार-विमर्श करते थे

आज से 50 वर्ष पूर्व जब मैं पांचवीं क्लास में था तब पंडितजी हमारे घर आए थे एवं पूरे परिवार के साथ बैठकर हमने ज्योतिषीय विचार-विमर्श किया। पंडितजी के अद्‌भुत ज्ञान को जानकर पंडितजी से एक-दो दिन अपने घर पर ही रुकने का निवेदन किया। पंडितजी ने निवेदन स्वीकार कर हमारे निवास में ठहरे। इसके पश्चात जब भी पंडितजी का भोपाल आगमन होता था पंडितजी हमारे यहां ही विश्राम करते थे। अनेक प्रकार के घटनाक्रमों को जानकर पंडितजी हमें पहले से ही आगाह कर देते थे। जिससे हमें अपने कार्यों में कभी हानि नहीं होती थी। हमारे पिताजी का क्रेशर का उद्योग था गाड़ी वाहनों का कार्य हमेशा मुहूर्त देखकर ही पंडितजी के द्वारा किया जाता था। आज पंडितजी के जाने के बाद मुझे मेरे पिता के स्वर्गवास होने जैसा दुख है। ईश्वर उनका पनर्जन्म हमारे सानिध्य में करे। यही हमारी कामना है।

-देवकुमार सतवानी, उद्‌योगपति भोपाल

भविष्यवाणी अक्षरतः सत्य सिद्ध होती थी

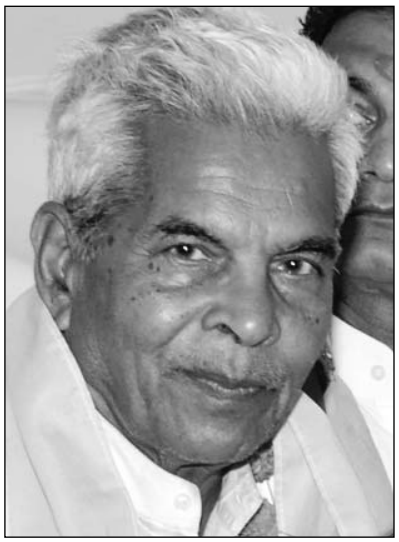

ज्योतिष मठ संस्थान के स्थापना दिवस समारोह में गुरुजी द्वारा मुझे सम्मानित किया गया। मैं पिपलेश्वर मंदिर में महंत श्री नारायणदास त्यागीजी के माध्यम से पंडित विनोद गौतम से मिला। पश्चात ज्योतिष मठ के स्थापना दिवस के समय सभी विद्वानों से सम्मुख गुरुजी के उद्‌बोधन से मैं बहुत प्रभावित हुआ। पंचांग कैलेंडरों में दी गई भविष्यवाणी अक्षरत: सत्य सिद्ध होती थीं। वर्ल्डकप में जीत की भविष्यवाणी 15 दिन पूर्व ही की थी। पुन: वर्ल्डकप हारने की भविष्यवाणी भी की । सबसे आश्चर्यचकित करने वाली भविष्यवाणी गुजरात में आए भूकंप की भविष्यवाणी लाला रामस्वरूप रामनारायण पंचांग में जनवरी के पीछे के पेज में ही लिख दी थी। गुरुजी लगातार संस्थान से प्रकाशित पंचांगों-पत्रिकाओं में रुद्रबीसी का उल्लेख करते थे। जिसका प्रभाव आज देखने को मिल रहा है। उमा भारती का खंडित राजयोग तथा राजीव गांधी पुन: प्रधानमंत्री बनेंगे, मंदिर निर्माण की तारीख की भविष्यवाणी पूर्व में ही कर दी थी। धन्य है ऐसे ज्ञाता जिनका आशीर्वाद मुझे प्राप्त हुआ। आपके ज्ञान की पूर्ति कभी नहीं हो सकती परन्तु भगवान से उन्हें पुन: पुनर्जन्म की प्रार्थना करता हूं।

-चंद्रप्रकाश जोशी, भोपाल

लगभग 5000 भविष्यवाणियां कीं पंडितजी ने

आज से चालीस वर्ष पूर्व जादूगर आनंदजी के माध्यम से मैं पंडितजी से मिली। पंडितजी का ज्ञान और स्नेह प्राप्त कर मुझे पितातुल्य अनुभूति हुई। जब भी पंडितजी का भोपाल आगमन होता पंडितजी मुझे पूर्व में ही सूचित कर देते थे। और मेरे यहां विश्राम कर अपने गंतव्य की ओर जाते थे। उन्होंने मेरा हाथ देखकर मेरे बारे में बहुत बड़ी-बड़ी भविष्यवाणियां की थीं। उस समय मुझे अविश्वास होता था परन्तु आज उन भविष्यवाणियों को साकार देखकर पंडितजी के प्रति असीम श्रद्धा जागृत हुई। पंडितजी के द्वारा अनेक लेखों में देश-विदेश की सत्य भविष्यवाणियां अंकित हैं। लगभग पांच हजार भविष्यवाणियां कर चुके गुरुजी का ज्ञान अद्‌भुत था। मुझे बहुत दुख है कि वो हमारे बीच नहीं हैं।

-**अनुराधा त्रिवेदीजी,** वरिष्ठ पत्रकार भोपाल

THE CLIFF NEWS

THE CLIFF NEWS

A DAILY NEWSPAPER

Get to know the world with a positive & constructive perspective by subscribing to Hindi & English daily newspaper "The Cliff News" which brings to you a perfect combination of optimistically presented current news happenings & various educational & general awareness resources .

SCAN ME

09303108665 www.facebook.com/thecliffnews thecliffnews@yahoo.com www.thecliffnews.com

WWW.THECLIFFNEWS.COM

सभी वर्ग को मार्गदर्शन देते थे पंडितजी

पंडितजी से मैं लगातार संपर्क में रहती थी। चुनाव आदि के दौरान मेरी अध्यात्मिक रुचि देखकर वे मुझे जीतने का आशीर्वाद तथा अपना अध्यात्मिक ताबीज देते थे। वे हमारे पन्ना जिले के छोटे से गांव श्यामर डांडा में निवास करते थे। उनकी ख्याति दूर-दूर तक फैली थी। जिले के सभी अफसर, नौकरशाह, नेतागण चाहे वे किसी भी दल के हो पंडितजी से जरूर संपर्क में रहते थे। वे हमारे लिए विशेष मार्गदर्शक थे। ज्योतिष मठ संस्थान की स्थापना भोपाल में जब उनके द्वारा की गई तो मुझे विशेष अतिथि का दर्जा देकर आमंत्रित किया गया। वहां पर दिल्ली, मुंबई, जबलपुर, वाराणसी, इंदौर आदि देश के कोने-कोने से पंचांगकार एवं ज्योतिष के विद्वान शामिल हुए थे। उस समय पंडितजी की ओजसमयी वाणी सुनकर सभी लोगों ने उनके अद्‌भुत ज्ञान की सराहना की थी। उनके द्वारा ज्योतिष को हमेशा बढ़ावा दिया गया। वे ज्योतिष के सच्चे पुजारी थे। इष्टदेवी-देवता उनके ऊपर प्रसन्न रहते थे। यही कारण है कि वे किसी को कुछ मार्गदर्शन देते थे वह लाभांवित होकर ही रहता था। इस कारण से उनकी ख्याति-देश-विदेश में व्याप्त थी। उनके अनुयायियों का प्रतिनिधि मंडल जापान से उनके घर (गांव) अक्सर वर्ष में एक बार उनसे मिलने आता था। जहां वे पूजन-अर्चना कर पंडितजी से आशीर्वाद लेते थे। जिले के सभी पत्रकारगण उनके अनुयायी थे। उनमें अद्‌भुत क्षमता थी मार्गदर्शन करने की। वे सरल हृदय के भी थे। ऐसे शख्सियत का इस धरा से चले जाना बहुत बड़ी क्षति है। परन्तु यह सत्य है कि सभी को समय के अनुसार यह धरा त्यागनी पड़ती है। पंडितजी का सहयोग हमेशा आशीर्वाद की तरह मेरे जीवन में उच्चता प्राप्त करने में सहायक रहा है। मेरे वकील रहने से लेकर मध्यप्रदेश शासन के मंत्री पद प्राप्ति तक उनका विशेष आशीर्वाद एवं कृपा रही है। उनको जीवन में कभी कोई भुला ही नहीं सकता। ॐ शांति।

-सुश्री कुसुम सिंह मेहदेले, पन्ना

ज्योतिष के शलाका पुरुष का हुआ महाप्रयाण

मध्यप्रदेश के पन्ना जिले के श्यामर डांडा गांव के शलाका पुरुष ज्योतिषाचार्य पं. अयोध्या प्रसाद गौतमजी के महाप्रयाण से सबकी आंखें नम हुईं। 87 वर्षीय पंडितजी ज्योतिष के ख्यातिनाम आचार्य थे। जिन्हें ग्रह-नक्षत्र का अद्‌भुत ज्ञान था। जिनके बताए हुए ज्योतिषीय सिद्धांत एवं भविष्यवाणियां सदा से सत्य होती रही हैं। लंबी कद काठी और आकर्षक व्यक्तित्व के धनी गौतमजी सदा सहयोग के लिए तत्पर रहते थे। इनसे जो भी व्यक्ति मिला वो सदा के लिए उनसे जुड़ गया। उनकी कार्यशैली में सबके लिए कल्याण का भाव झलकता था और वे कहा करते थे कि लगभग प्रत्येक व्यक्ति के ग्रह-नक्षत्र एक बार उसे राजा बनने का मौका जरूर देते हैं, लेकिन व्यक्ति स्वयं को ही नहीं पहचान पाता इसलिए उसके जीवन से राजा यानि संपन्नता प्राप्ति का अवसर हाथ से निकल जाता है। एक बार उनसे हुई चर्चा में आपने कहा था कि मनुष्य के अंत:हृदय की बात को जान लेना ही ज्योतिष का सबसे उच्चतम आधार है। ज्योतिष वही जो भूत, भविष्य और वर्तमान के रहस्यों को उजागर करती हो। इसके लिए ज्योतिष के साधकों का अपने अंत:करण से पावन होना आवश्यक होता है। हृदय में सत्य को स्थापित किए बिना हम कितना ही ज्योतिषीय ज्ञान प्राप्त कर लें उसकी सार्थकता सिद्ध नहीं होती। कोई भी ज्योतिषी अथवा सिद्ध अपनी भविष्यवाणी को तभी सार्थक बना सकता है जब वो सत्य का संकल्पी हो। गौतमजी ऐसी ही विभूति के रूप में उभरे थे, जिनसे धर्म-अध्यात्म से जुड़ी विभूतियां भी सीधे संपर्क में थीं। ऐसी अनेक नामचीन हस्तियां हैं जिनमें अभिनेता, नेता, समाजसेवी व अन्य विधाओं से जुड़े लोग आपका आशीर्वाद लेने के लिए लालायित रहते थे।

-पं. वैभव भटेले, प्रसिद्‌ध प्रवचनकार, भोपाल

गुरुजी के परलोक गमन के पश्चात 2019-20 ई. शोकपूर्ण रहा

ज्योतिष मठ संस्थान के संस्थापक ज्योतिषाचार्य पं. अयोध्या प्रसादजी का स्वर्गवास 24 जून 2019 को सायं 4 बजे भोपाल स्थि तपालीवाल अस्पताल में आकस्मिक हुआ।

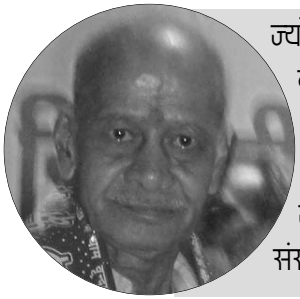

ज्योतिष मठ संस्थान के कार्यालय अध्यक्ष पं. कैलाशचंद्र दुबेजी का बैकुंठवास भोपाल में हुआ। ज्योतिष के ज्ञाता श्री दुबेजी संस्थान से 20 वर्षों से जुड़े थे।

ज्योतिष मठ संस्थान के पंचपरमेश्वर एवं सांई धाम नेहरू नगर भोपाल के संस्थापक श्री संत मंगलमजी का 2020 में परलोक गमन हुआ।

ज्योतिष मठ संस्थान के पंचपरमेश्वर जस्टिस श्री आरडी शुक्लाजी का दोवलोक गमन 2020 में हुआ। गुरुजी से विगत 30 वर्षों से संपर्क में थे।

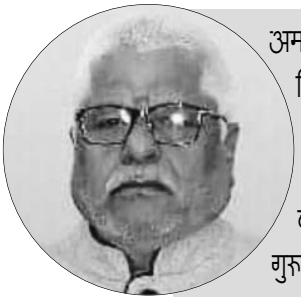

अमानगंज पन्ना निवासी भाजपा के किसान नेता श्री लक्ष्मण प्रसाद पाठकजी का आकस्मिक निधन से शोक हुआ। गुरुजी बहुत प्रिय शिष्यों में शामिल थे। गुरुजी इन्हें पुत्रवत स्नेह करते थे।

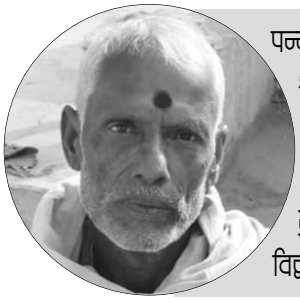

पन्ना के श्यामर डांडा के ग्राम पंडित श्री लल्लू प्रसाद शास्त्रीजी जो कि गुरुजी के अनुज थे आपका स्वर्गारोहण भी 2020 ई. में हुआ। आप कर्मकांड के प्रकांड विद्वान थे।

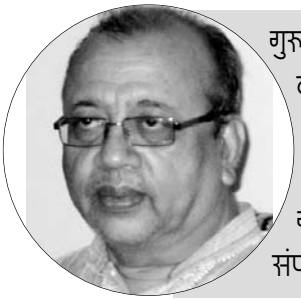

गुरुजी के प्रिय शिष्य श्री अजीत वर्माजी संपादक दैनिक जयलोक जबलपुर का स्वर्गवास 2020 ई. में हो गया। गुरुजी से 40 वर्षों से संपर्क में थे।

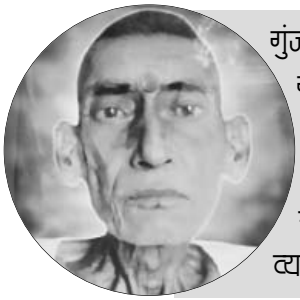

गुंजहिया निवासी श्री रामसुरवी गर्गजी गुरुजी के सगे साले थे। आपका निधन 2020 ई. में हुआ। बहुत ही सीधे-सरल स्वभाव के मृदुभाषी व्यक्ति थे।

गुरुजी के समधी सितपुरा सतना निवासी श्री नंदकिशोर त्रिपाठीजी का आकस्मिक निधन होने से पारीवारिक शोक व्याप्त रहा।

गुरुजी की प्रथम शिष्या श्रीमती चैनवती कुशवाहजी पिपरोखर सतना निवासी का निधन अगस्त-2020 को हो गया। आप गुरुजी की प्रिय शिष्या थीं। धर्मकर्म में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती थीं।

ज्योतिष मठ संस्थान परिवार की तरफ से सभी दिवांगत धर्मात्माओं को श्रद्धांजलि

जय गुरुदेव।

प्रभात साहित्य परिषद के उपाध्यक्ष डॉ. श्री अनिल शर्माजी का सम्मान करते गुरुजी ।

गणतंत्र दिवस- पन्ना विधायक तत्कालीन मंत्री श्री बृजेंद्र सिंह जी द्वारा गुरुजी का सम्मान।

ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल में डॉ. त्रिपाठीजी पन्ना का सम्मान करते गुरुजी।

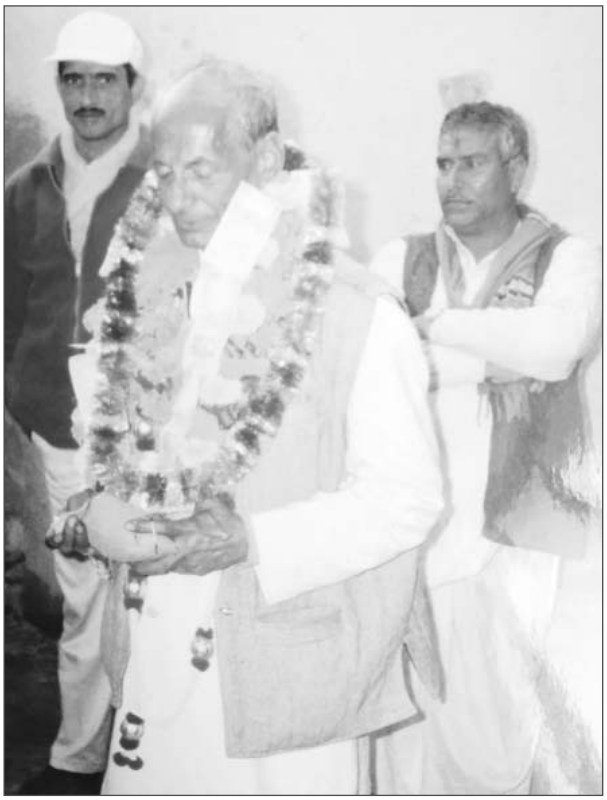

चारों धाम तीर्थ यात्रा पर निकले गुरुजी।

रंगकृति

प्रदर्शनकारी विधाओं पर केंद्रित नाट्य संस्था

अध्यक्ष
रवि चौधरी

46, नूर महल रोड, इमामी गेट, भोपाल–462001

मोबा. 8827403864, 7354700833, e-mail : rangkriti@gmail.com

जयगुरुदेव।

गुरुजी तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष श्री ईश्वरदास रोहाणी से पूजन-विधान कराते हुए।

ज्योतिष मठ संस्थान में महामंडलेश्वर 1008 श्री अवधूत बाबाजी एवं देवी शिवांगीनन्दन नंदगिरीजी ऋषिकेश।

श्री चंद्रप्रकाश जोशीजी का सम्मान करते गुरुजी एवं महंत रविंद्रदासजी महाराज।

सद्विचार व्यक्त करते गुरुजी।

ज्योतिष मठ संस्थान के शतचंडी पाठ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गुरुजी।

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम, संस्थापक-ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल

गुरुजी की डायरी के पन्नों से...

बंधुओं-भाइयों यह बहुत ही महत्वपूर्ण लाभ की जानकारी है। ध्यान से सुनिए। असफल लोग सेहत का बहाना बनाकर अपनी कमजोरी को छुपाने वाले आपने देखे हैं। ये 'सेहत के बहाना' साइंटिस्ट हैं। अधिकतर ये लोग कहते हैं क्या करें मेरी तबियत ठीक नहीं रहती। बीमारी के कारण मैं पढ़ाई या फलां काम नहीं कर पा रहा। इसी कारण उसकी अवश्य कमजोरी है। यह 'सेहत बहाना' साइंटिस्ट मानसिक बीमारी के मरीज हो चुके हैं। जबकि आप सभी जानते हैं इस दुनिया में कोई एक भी पूरी तरह से स्वस्थ नहीं है। हर कोई के साथ एक न एक कोई समस्या है। कई लोग स्वास्थ्य के सामने घुटने टेक देते हैं, जबकि सफलता चाहने वाले घुटने नहीं टेकते। इस विषय में मैं आपको एक सच्ची लिखता हूं। जिसे पढ़कर आप भी समझ जाएंगे कि साहस और संकल्प की कितनी बड़ी ताकत होती है।

जबलपुर में एक आयोजन में साहस और सफलता की शक्ति पर लोगों को बताने के पश्चात वहां उपस्थित एक भक्त सेठ मेरे पास आए और कहने लगे आपने भाषण तो अच्छे दिए हैं, जबकि मेरे लिए कोई उपयोग के नहीं हैं। जबकि मुझे हृदय रोग है। जिससे मुझे स्वयं का ख्याल रखना पड़ता है। मैंने कई अस्पतालों के डॉक्टरों को दिखाया, जांच करवाई परन्तु कोई भी डॉक्टर मेरी इस हृदय की बीमारी को नहीं ढूढ सके। हर डॉक्टर ने जांच कर एक जैसी बात बताई कि जांच में कोई रोग नहीं आ रहा। अब आप बताएं कि मुझे क्या करना चाहिए? मैंने उससे कहा कि मैं बीमारी के विषय में कुछ नहीं जानता फिर भी इस विषय पर मेरी सलाह मानें - सलाह यह है कि आप किसी और अच्छे डॉक्टर को दिखाएं वह जो कहे उसे अंतिम जांच मानकर काम करें। क्योंकि हो सकता है आपको हृदय की या अन्य कोई बीमारी न हो, सिर्फ आपके मन का वहम हो। इस वहम की चिंता करेंगे तो एक न एक दिन अवश्य बीमार हो जाएंगे। और आगे आपको हृदय रोग हो जाएगा।

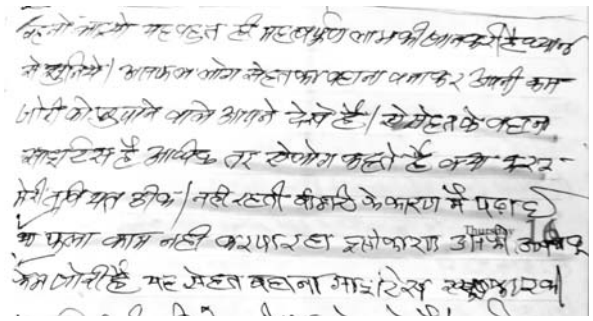

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम, संस्थापक-ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल

गुरुजी के करकमलों से.....

सकारात्मक सोच...

मेरे प्यारे भाईयो-बहनों। सदैव सकारात्मक सोच रखो यह दुर्लभ एवं मनुष्य के लिए किसी वरदान से कम नहीं। जिस माहौल में रहो सोच वैसी ही बन जाएगी। जैसा भोजन करो दुरुस्ती वैसी आएगी।

नहीं बजार की वस्तु बुद्धि, यह निश्चय जानो।
संगति से साकार होत हैं इस प्रकृति नियम को जानो।

'आगंतुकं येन न सम्मान भावं'

अतिथि सत्कार स्नेह संग में निश्चित दुर्ग्रह व्याधि मनुष्य में नहीं रहती।

'लोकावादं परियंति नरकं'

लोक में सबसे शक्तिमान ताक सत्य है। सत्य का कभी क्षय नहीं होता। यह दीर्घायु, त्रिलोक विजयी है। यह सत्य जिस व्यक्ति के हृदय में होगा उसी व्यक्ति को बोलना, सोचना एवं कर्म सत्य होगा। जो असत्यवान होगा उसकी वाणी का चिंतन व्यवहार सब असत्य होगा।

व्यक्ति के कार्य व्यवहार से ही शुभ-अशुभ ग्रही जान लें। जिस व्यक्ति के भाग्य अंधकार में होता है या कोई दुर्ग्रह चल रहे होते हैं। अतिथि एवं आगंतुकों जनों को महत्व नहीं देता। दुर्ग्रहों के योग से वह इस लोक में अपकीर्ति, अपयश प्राप्त करता है। और परलोक में नरक का वासी होता है। इसके विपरीत जिसके ग्रह अच्छे शुभ चल रहे होते हैं वह अतिथि आगंतुक को महान समझकर व्यवहार करता है और यह मानकर चलता है कि उसमें भी कोई न कोई विशेषता अवश्य होगी...।

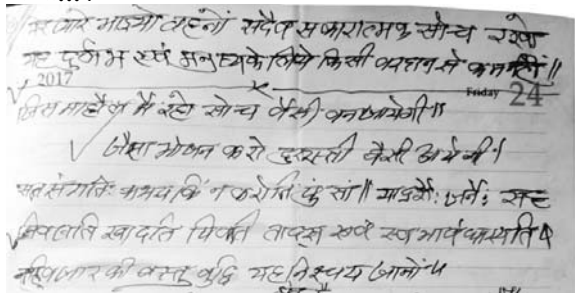

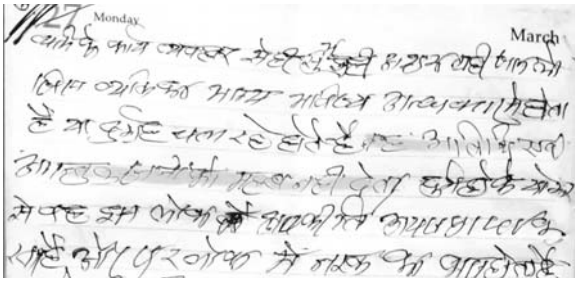

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम, संस्थापक-ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल

इंडिया फर्स्ट न्यूज का सवाल - कब बनेगा राम मंदिर?

गुरुजी के श्री मुख से इंडिया फर्स्ट न्यूज को जवाब

राम मंदिर के विषय पर संदेह नहीं है कि उसका निर्माण विलंबकारी रहेगा। हां यह जरूर है कि निर्माण तो होना शुरू हो जाएगा इसके बाद उसमें एक नया विवाद खड़ा हो जाएगा जो 2019-20 तक चलेगा। घटनाक्रम तो राम मंदिर के बहुत पहले से ऐसे थे 1947 में ये भारत स्वतंत्र हुआ। और आप वहां के ग्रहों को देखिए 49 में मंदिर निर्माण की बात आई लेकिन 1951 में राम के प्रकट होने के बाद भी कुछ नहीं हो पाया। तो जो गोचरीय स्थिति है वही काम करती है। अभी वर्तमान समय में वही ग्रहों का फल है जिसके आधार पर अभी साधु-संतों भारत के प्रबुद्धजनों में एक मतता आ करके मंदिर निर्माण की जो स्थिति है उसको निर्मित कर देगी। अब पार्टियां मिलेगीं और सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन करने के लिए सभी वर्गों में एकजुटता बनेगी और इसमें उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी का ज्यादा हाथ होगा योगीजी इसमें ज्यादा समर्पित रहेंगे और लोह पुरुष के रूप में अपने वचनों और कर्तव्यों को वो प्रकट करेंगे। इसमें बहुत कुछ लोग ऐसा है कि क्षेत्र को विवादित करने के लिए तैयार होंगे ये सब नहीं कर पाएंगे। 2020 के जो संकेत हैं वे अभी पूर्णता की स्थिति में अभी कमजोर हैं। एक बात ओर ध्यान दीजिए। जब 2022 आएगा तो इस मंदिर में विशेषरूता विशेषता आएगी। लेकिन इसके पहले का जो पीरियड अभी दो साल का है ये किसी भी रूप से पूर्णता की ओर नहीं है। इसमें विवाद दर विवाद और न्यायालयों का आक्षेप और धर्मों का आक्षेप यही सब होता चला जाएगा। ये ग्रह चक्रव्यूह की वेला है। ये मंदिर जिस समय पर कारसेवा हुई थी उस समय से यह चक्रव्यूह चल रहा था। जैसे महाभारत की वेला थी ऐसी यह भी है।

गुरुजी के उपरोक्त सभी वीडियो देखने के लिए लागिंन करें
WWW.INDIAFIRST.ONLINE

पं. अयोध्या प्रसाद गौतम, संस्थापक-ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल

इंडिया फर्स्ट न्यूज चैनल को दिया इंटरव्यू

होनी-अनहोनी के विषय में

कुछ चीजें तो रुक जाती हैं और कुछ जो होती है वो होनी हैं। लिखत्तं ललाटे ..... जो होना वो होना है, लेकिन एक आप शंका करेंगे और आपकी शंका वाजिब रहेगी। कि जब होना है तो फिर उसके उपाय क्यों करें, उपाय में कोई फायदा नहीं जो होना है वो होना है। ऐसा नहीं है कुछ कार्य है जिनमें उपाय से लाभ हो सकता है। लेकिन कुछ उन्हें भावी कहेंगे जिन उपायों में कुछ हो नहीं सकता उनको होनी कहेंगे, जिसको कोई नहीं टाल सकता भगवान भी नहीं टाल सकता। एक नियम बना दिया, उस नियम के अधिनस्थ जैसे भारत का जो नियम है प्रधानमंत्री भी रहेगा। वो उससे ऊपर थोड़े होगा कानून से यही स्थिति हमारे वेदों में है। ईश्वर की संरचना में जो नियम बने हुए हैं उसके बाहर नहीं जा सकते। उसको एक होनी को मान लीजिए सुप्रीम कोर्ट का फैसला और भावी को जिला जज का फैसला तो भावी है तो टल जाएगी पूजा पाठ यंत्र मंत्र, लेकिन ये तो होनी के रूप में है यह घटनाएं नहीं टलतीं।

भारत-पाकिस्तान-चीन में युद्ध होगा या नहीं ज्योतषीय भविष्यवाणी

नमस्कार- सच में और सत्य में अंतर है। ऐसा नहीं है युद्ध की संभावनाएं तो कई बार बनी हैं, लेकिन युद्ध नहीं होगा। अब सन 82 से कई बार ऐसी ज्योतिषीय भविष्यवाणियों में कहीं नेस्ताद्रुमस की भविष्यवाणियों में ऐसा लगता है। तो ये सच तो होगा, परन्तु सत्य नहीं होगा। सच में और सत्य में अंतर है। सच वह है जिसे सत्य जैसा प्रतीत हो, सत्य वह है जो प्रमाणित हो। तो युद्ध की संभावनाएं सच है। ऐसी स्थिति निर्मित होगी लेकिन युद्ध होगा नहीं। और भारत के संबंधों पर यदि विचारा जाए तो चीन की स्थिति और भारत की स्थिति पाकिस्तान की स्थिति और भारत की स्थिति ये ग्रहों के आधार पर मेल खाती ही नहीं। कभी भी ऐसा नहीं होगा कि इनमें शांति आए। सदैव चीन और पाकिस्तान भारत के लिए कुछ न कुछ षडयंत्र करते रहेंगे। चाहे कितने समझौते बनें और चाहे कितने ग्रहों का परिवर्तन आए एक जैसे एक जन्मजात योग होता है। जैसे कमल के पत्ते में पानी रहते हुए भी वो उससे लिपटेगा नहीं तो पाकिस्तान के और भारत के बीच में चीन और भारत के बीच में संधियां बनने के बावजूद भी या विशेषकर राष्ट्रसंघ जैसे दवाब और फैसलों के बावजूद भी इनमें संबंध मधुर नहीं बन पाएंगे। युद्ध की स्थिति निर्मित होती रहेगी इससे भारत का नुकसान होगा। उससे कहीं ज्यादा पाकिस्तान और चीन का नुकसान होगा।

गुरुजी के उपरोक्त सभी वीडियो देखने के लिए लागिंन करें WWW.INDIAFIRST.ONLINE

गुरुजी द्वारा पंचांग भेंट मानव अधिकार आयोग के पूर्व अध्यक्ष श्री आरडी शुक्लाजी को।

गुरुजी सम्मान करते हुए महर्षि विद्या समूह के प्रभारी आचार्य वसुदेव जी।

गुरुजी गांव भ्रमण के दौरान।

गुरुजी द्वारा लोकप्रिय पार्षद श्रीमती संतोष जितेंद्र कसाना का सम्मान।

गुरु पूर्णिमा के दौरान गुरुजी के शिष्यगण।

ज्योतिष मठ संस्थान नेहरू नगर में गुरुजी जादूगर श्री ओपी शर्माजी को आशीर्वाद प्रदान करते हुए।

आंख का ऑपरेशन...भोपाल में डॉ. केके अग्रवालजी एवं डॉ. प्रजापति के साथ गुरुजी।

गुरुजी के साथ शिष्य सुरेंद्र सिंह चौहान कटनी आशीर्वाद के आकांक्षी।

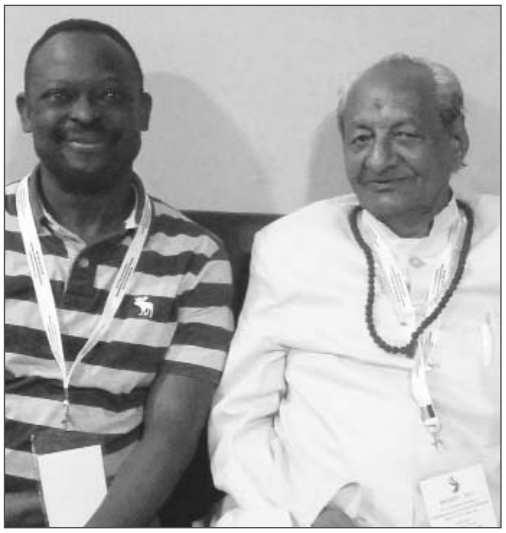

इजराइल के प्रिय शिष्य गुरुजी के साथ

गुरुजी के साथ राष्ट्र संत मन्नत बाबाजी, उद्योगपति श्री देवकुमार सतवानीजी भोपाल।

विश्व पर्यावरण को स्वच्छ बनाने के लिए बिहार विश्वविद्यालय द्वारा पटना में अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण वैज्ञानिकों एवं शोधकर्ताओं का सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में 28 देशों के विषय विशेषज्ञों ने शिरकत की। बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए ज्योतिष मठ संस्थान के संस्थापक ज्योतिषाचार्य पं. अयोध्या प्रसाद गौतम द्वारा अनेक सुझाव प्रस्तुत कर भारतीय संस्कृत में एवं यज्ञ के द्वारा पर्यावरण स्वच्छ करने के प्रयोग प्रस्तुत किए।

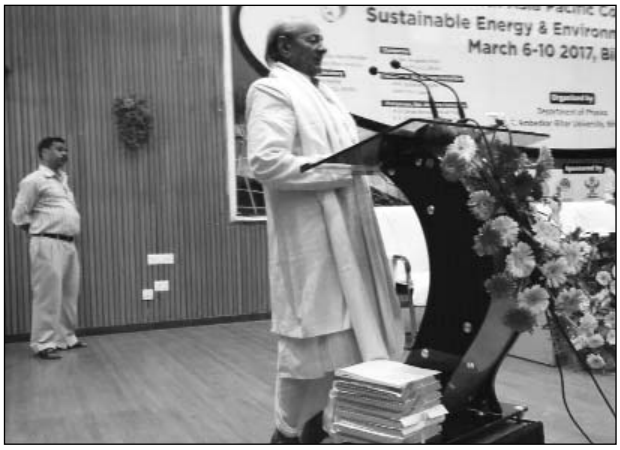

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए गुरुजी।

सम्मेलन के दौरान विदेशी अतिथियों के साथ गुरुजी।

गुरुजी के साथ सम्मेलन के आयोजनकर्ता डॉ. संगीता सिंहा अपने पति प्रो. संजय कुमार डॉ. प्रकाश गौतम।

विदेशी भक्त का हस्त परीक्षण करते हुए।

सम्मेलन के दौरान अपने पुराने भक्त जापान के वैज्ञानिक के साथ प्रसन्न मुद्रा में गुरुजी।

ज्योतिष मठ संस्थान में भक्तों के बीच विराजमान गुरुजी।

सांई धाम मंदिर के संस्थापक संत मंगलम् जी से गुफ्तगू करते गुरुजी।

ज्योतिष मठ संस्थान द्वारा आयोजित ज्योतिष सम्मेलन में मंचासीन गुरुजी

सम्मेलन को संबोधित करते हुए गुरुजी।

गुरुजी का सम्मान करते हुए महर्षि संस्थान के प्रमुख ब्रह्मचारी आचार्य श्री गिरीशजी महाराज।

वर्तमान निर्वाचित कार्यालयाध्यक्ष का सम्मान करते हुए गुरुजी।

ज्योतिष मठ संस्थान के कार्यालयाध्यक्ष श्री कैलाशचंद्र दुबेजी का सम्मान करते हुए गुरुजी।

गृह ग्राम श्यामर डांडा से भोपाल आगमन के समय का चित्र।

गुरुजी के साथ ज्योतिषाचार्य श्री नारायण शंकर व्यासजी एवं पं. विनोद गौतम।

सम्मान... गणतंत्र दिवस पर तत्कालीन प्रभारी मंत्री पन्ना द्वारा गुरुजी का सम्मान।

गुरुजी के साथ विदेश जापानी शिष्य।

आशीर्वाद.. गुरुजी के साथ संस्थान के व्यवस्थापक आचार्य पं. श्री जितेंद्र शर्मा।

ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल द्वारा आयोजित ज्योतिष सम्मेलन में विशेष अतिथियों के साथ गुरुजी।

गुरुजी के साथ प्रिय शिष्य खरेजी छतरपुर।

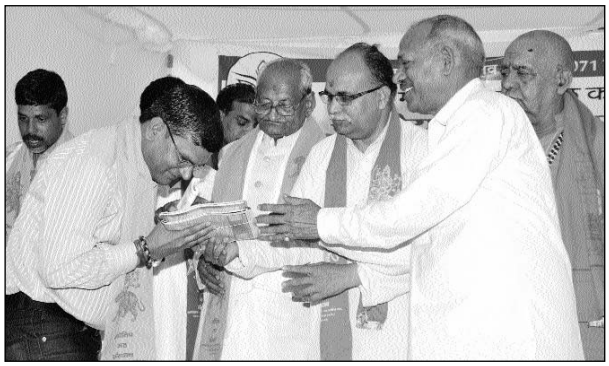

गुरुजी द्वारा ज्योतिष मठ संस्थान में पं. श्री शुभकरण शास्त्रीजी का सम्मान।

पैतृक निवास में विदेशी शिष्यों एवं स्थानीय पत्रकारगणों के बीच गुरुजी।

ज्योतिष मठ संस्थान भोपल में उपस्थित भक्तगणों के साथ गुरुजी।

मंत्री श्री नरोत्तम मिश्राजी की धर्मपत्नी का ज्योतिष मठ में सम्मान करते गुरुजी।

26 जनवरी 2018 एवीएम स्कूल नेहरू में झंडा वंदन पर मुख्य आतिथ्य में गुरुजी।

शंकराचार्य स्वामी श्री स्वरूपानंद सरस्वतीजी को अपनी रचनाएं भेंट करते हुए गुरुजी।

फिल्म अभिनेता आशिम अली खान द्वारा अभिवादन स्वीकार करते गुरुजी।

निज निवास में अपने अनुयायियों पत्रकार सज्जू शर्मा एवं सादिक खान के साथ गुरुजी।

नागपुर यात्रा के दौरान अपने शिष्यों के साथ गुरुजी।

महर्षि वैदिक विवि के पूर्व कुलपति पं. श्री गौरीशंकर शास्त्रीजी का सम्मान करते गुरुजी।

पूर्व आईजी श्री बृजमोहन तिवारीजी (सपत्नीक) के साथ गुरुजी।

विचार-ध्यान मुद्राएं

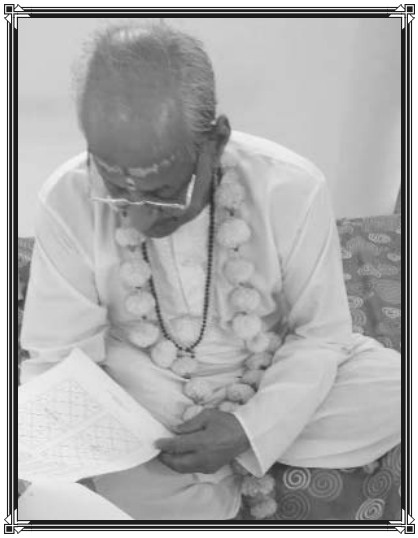
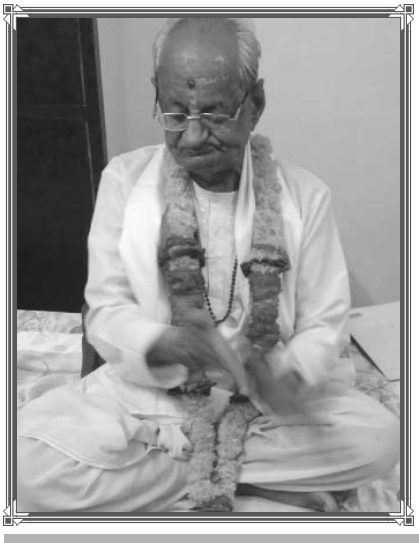
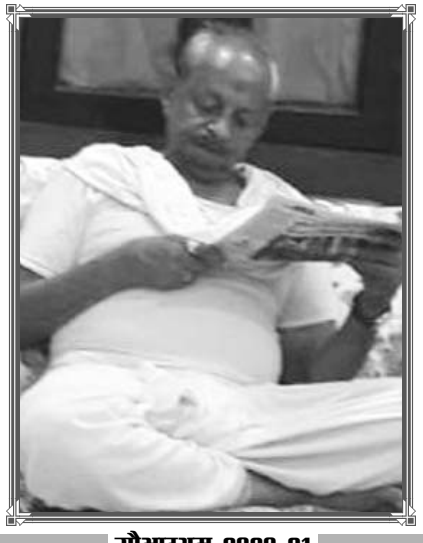

विचार-ध्यान मुद्राएं

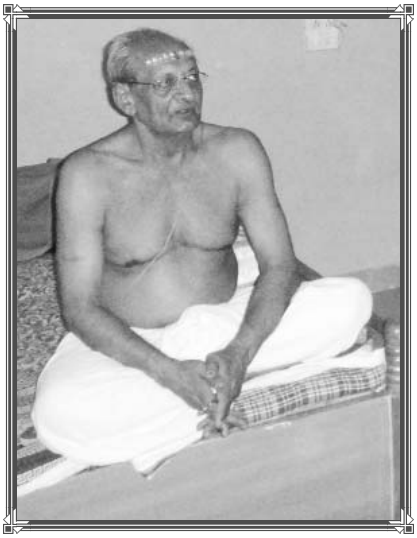
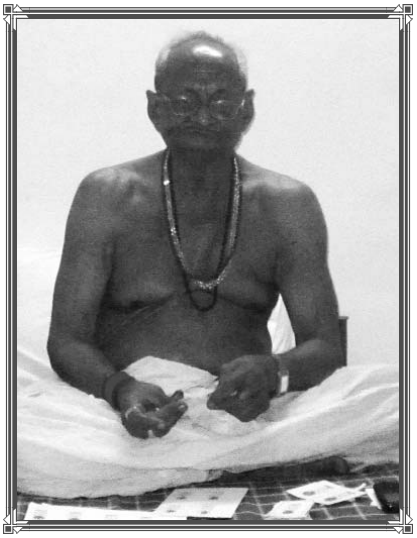

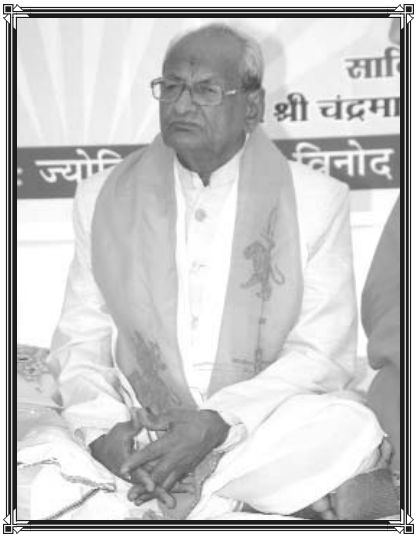

विचार-ध्यान मुद्राएं

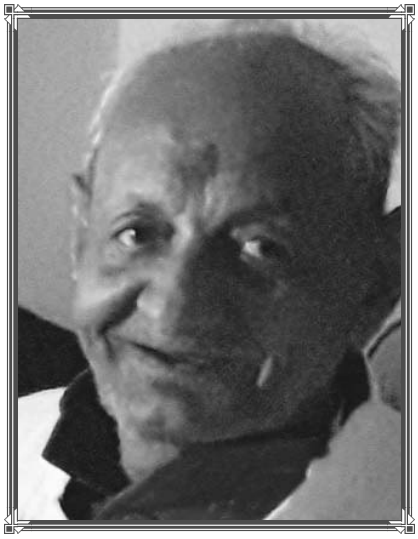
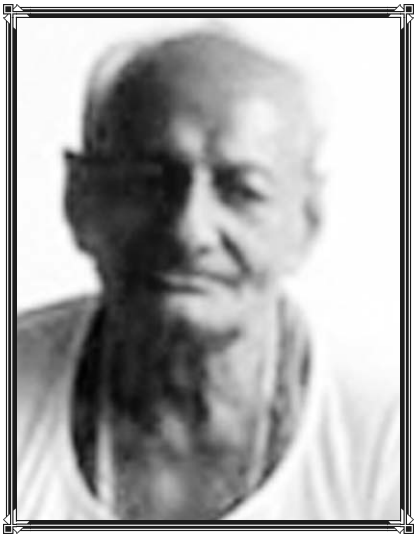
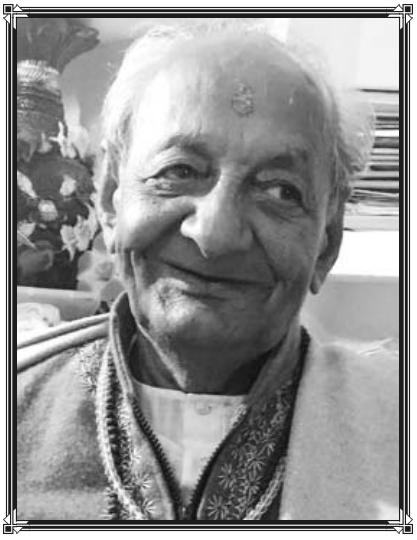

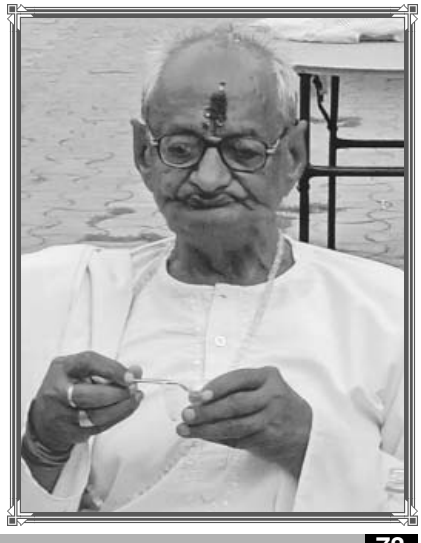

विचार-ध्यान मुद्राएं

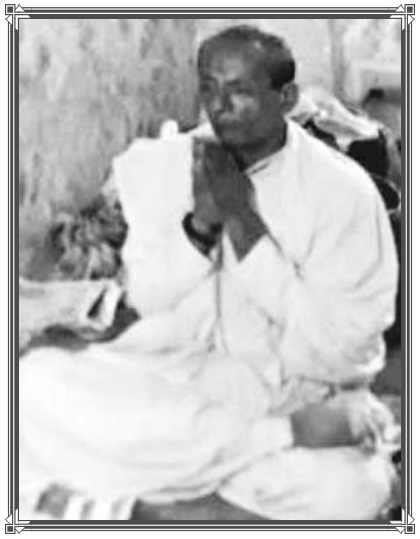

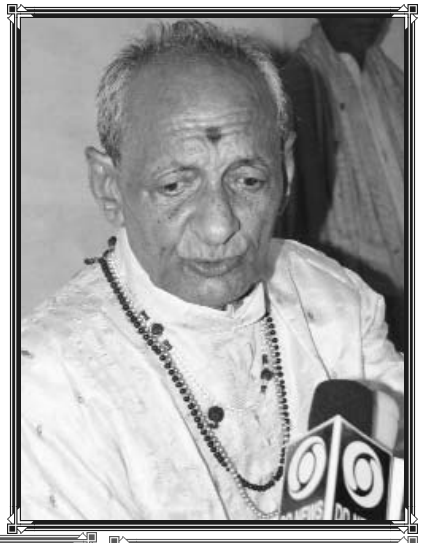

विश्राम मुद्रा में ज्योतिषाचार्य पं. श्री अयोध्या प्रसाद गौतमजी।

पंडित जी अपनी भार्या श्रीमती रामकुंवरजी के साथ।

यात्रा के दौरान गुरुमाता के साथ गुरुजी।

गुरुजी अपनी भार्या श्रीमती रामकुंवरजी के साथ।

नाती प्रतिमान गौतम के साथ गुरुजी।

कुंभ स्नान...2016 उज्जैन महाकुंभ में स्नान करते हुए गुरुजी के साथ धर्मपत्नी एवं दामाद एडवोकेट उमाकांत शुक्ला, पुत्री अर्चना शुक्ला।

उज्जैन महाकाल मंदिर में अभिषेक पूजा हेतु संपर्क करें-

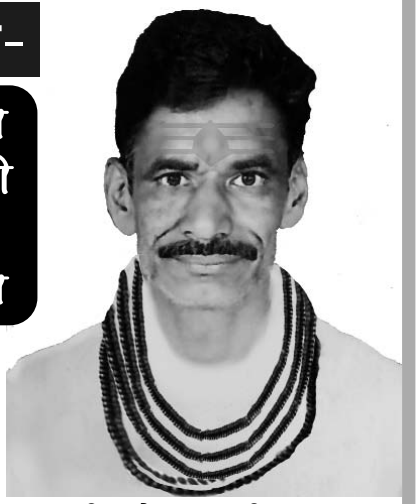

पं. श्री राजेश गुरुजी (व्यास)
मो.9301069887, 9111222109

कालसर्प पितृदोष आदि शांति के लिए संपर्क करें
पं. चेतन शास्त्री (गुलाटी गुरु)
सिद्धबट घाट, उज्जैन
मोबाइल - 9926053161

कालसर्प शांति के लिए संपर्क करें
पं. प्रसाद भाले राव
त्र्यंबकेश्वर धाम, नासिक
मोबाइल -9096955492

ज्योतिष मठ संस्थान में गुरुमाता के साथ गुरुजी।

नाती - अरिहान प्रसाद के साथ गुरुजी छतरपुर में।

परिवारजनों के साथ गुरुजी।

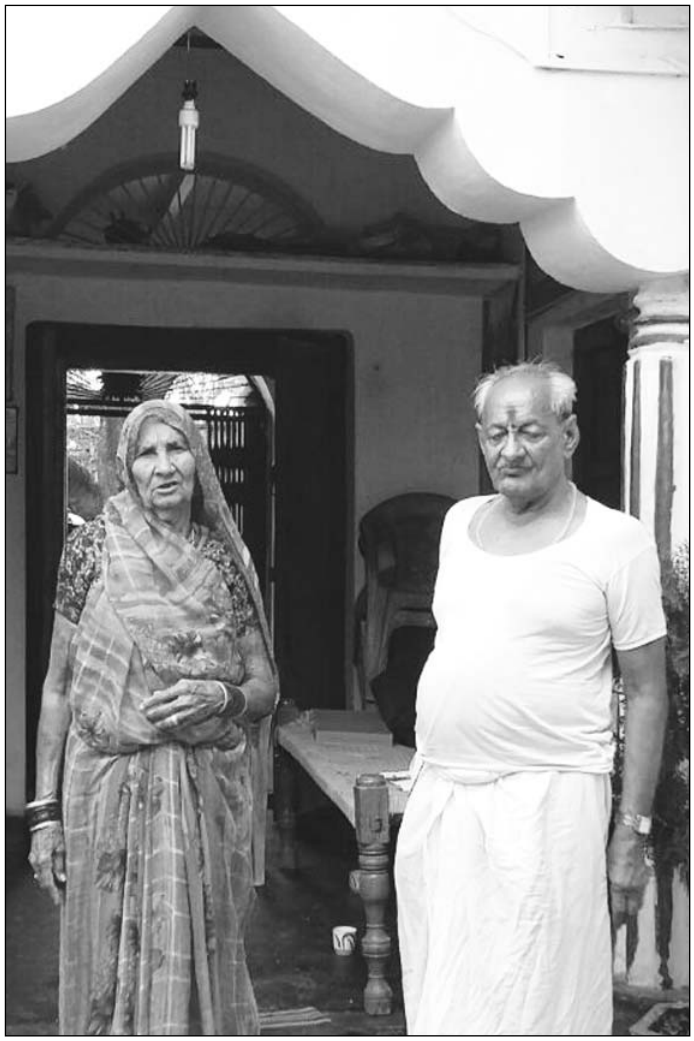

गुरुमाता के साथ गुरुजी।

नातिन कर्णिका गौतम के साथ भोपाल में गुरुजी।

बड़े भाई-बड़ी बहन एवं पुत्री गौरादेवी के साथ गुरुजी।

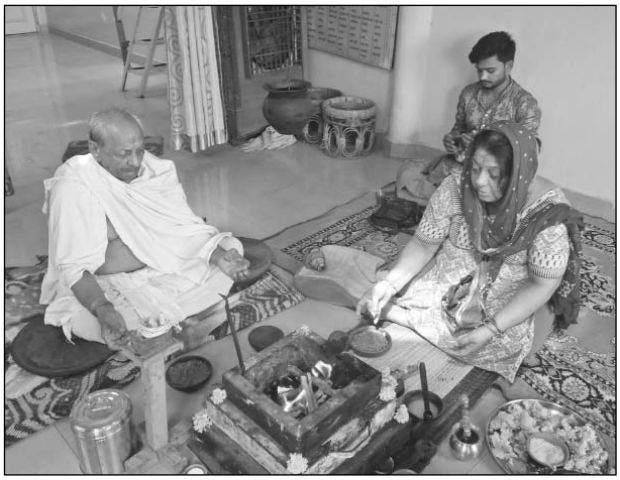

पवित्र चित्र...यज्ञ विधान 16 जून 2019 को गुरुजी द्वारा अंतिम यज्ञ।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव किसान नेता श्री लक्ष्मण पाठकजी अमानगंज।

दसगात्र कार्यक्रम गरुण पुराण की कथा पं. लल्लूप्रसाद गौतमजी।

श्यामर डाडा में स्मारक का भूमि पूजन कराते हुए डॉ. प्रकाश गौतमजी।

अवश्य खरीदें पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग

ज्योतिष मठ संस्थान नेहरू नगर भोपाल द्वारा प्रकाशित पंडित अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग। नए जमाने का नया कैलेंडर इसमें है सभी प्रकार के मुहूर्त, राशि फल- राजनैतिक फल, तिथि नक्षत्र की जानकारी, ज्योतिष ज्ञान, विषय विशेषज्ञों की सलाह एवं अन्य उपयोगी जानकारियां।

संपर्क करें-ज्योतिषाचार्य पं. विनोद गौतम
ईएम-129, ज्योतिष मठ नेहरू नगर, भोपाल
मो. नं. 9827322068

पंचांग जिन क्षेत्रों में प्राप्त नहीं हो रहा है उन क्षेत्रों में डिस्ट्रीब्यूटरशिप हेतु इच्छुक कर्मठ व्यक्ति तत्काल संपर्क करें।

यह पंचांग अपने संबंधियों, परिचितों एवं मित्रों को भेंट करें

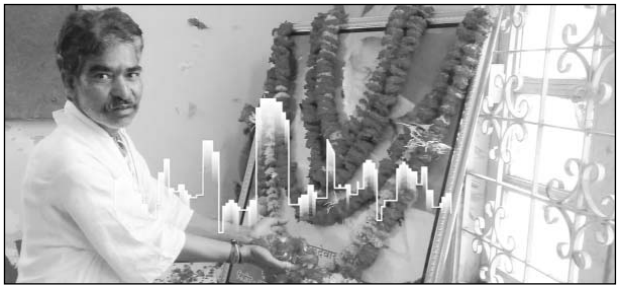

श्रद्धांजलि...हिन्दी भवन भोपाल में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन।

श्रद्धांजलि... श्यामर डांडा में प्राणनाथ ट्रस्ट पन्ना के पदाधिकारियों द्वारा गुरुजी को श्रद्धांजलि।

श्रद्धांजलि...हिन्दी भवन भोपाल में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन।

श्रद्धांजलि...हिन्दी भवन भोपाल में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन।

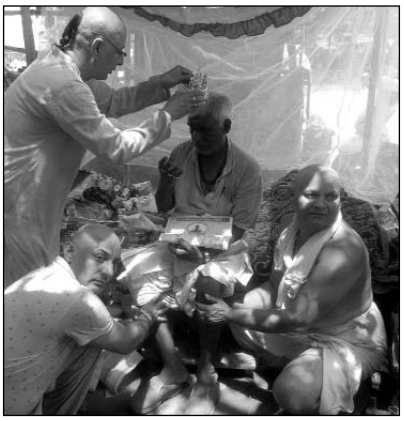

प्रयागराज में पिंडदान, गंगा विसर्जन क्रिया कर्म करके दी अंतिम श्रद्धांजलि।

श्रद्धांजलि...हिन्दी भवन भोपाल में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन।

शिवराजपुर में प्रसिद्ध समाजसेवी रुद्रप्रताप उरमलियाजी द्वारा यज्ञ कार्य के दौरान पंचांग का विमोचन करते गुरुजी।

श्रद्धांजलि...ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल में विश्व प्रसिद्ध जादूगर आनंद द्वारा श्रद्धांजलि।

आशीर्वाद... जापानी शिष्यों को आशीर्वाद देते हुए गुरुजी।

आदर्श फोटो कापी सेंटर

सुभाष चौक, रीवा (म.प्र.)

हमारे यहां ए-0 साइज तक कलर फोटोकापी
एवं स्कैनिंग कलर प्रिंट आउट निकाले जाते हैं।

प्रो. पी.के. धमीजा मो. 9424982991

सभी सरकारी कार्य कलेक्टर दर पर किए जाते हैं।

दुर्लभ चित्र...पचास वर्ष पूर्व वर्तमान ज्योतिष मठ संस्थान की अध्यक्ष श्रीमती भूपिन्दर कौरजी गुरुजी से पूजन-अर्चन कराते हुए।

गुरुजी की लेखनी से ..... नीति वचन - 1 सज्जन व्यक्ति अति उग्र कर्म करने वाले क्रोधी व्यक्ति से भूलकर कभी भी विवाद नहीं करते। इसी प्रकार दीन-हीन दरिद्र व्यक्ति से भी विवाद कर अपनी सज्जनता एवं अपनी महानता को कभी भी छोटा नहीं होने देते। अत: किसी से भी विवाद नहीं करते।

2 . किसी व्यक्ति की उसकी अनुपस्थिति में बुराई तथा सामने पर मौन वही लोग होते हैं जो विक्षिप्त दुर्बुद्धि वाले होते हैं। बुद्धिमान व्यक्ति ऐसा नहीं करते। वो मीठे शब्दों में सामने ही कहते हैं। अनुपस्थिति में बुराई करना गलत कार्य मानते हैं।

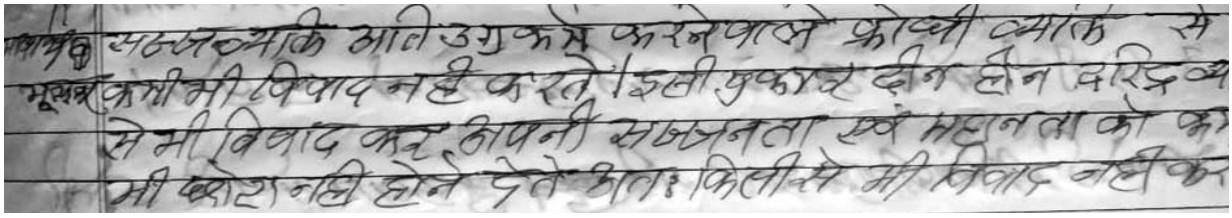

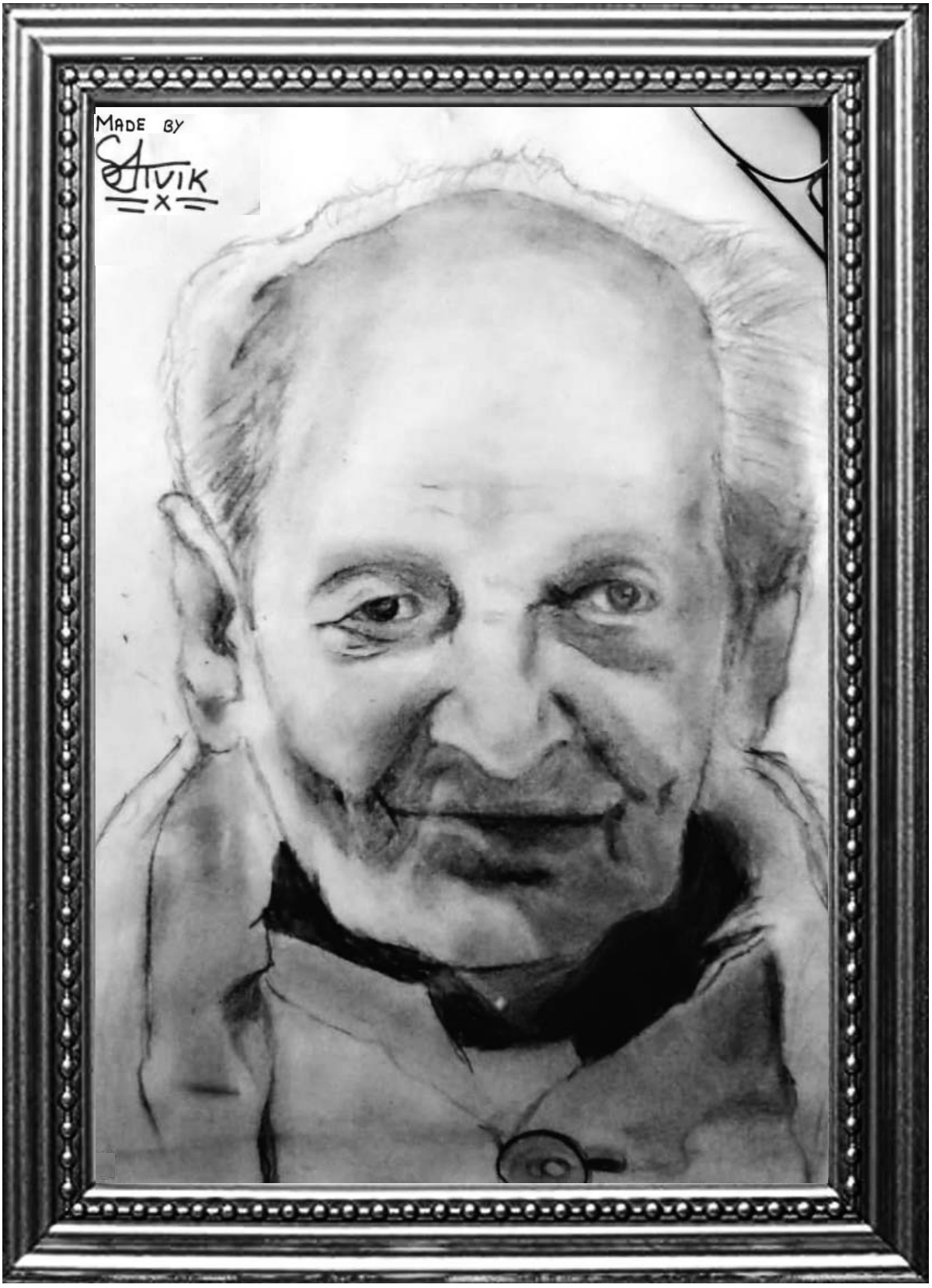

जीवन्त पेंटिंग... इस पेंटिंग को बनानें वाले सात्विक गौतम को 1100 रुपए का पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है। जय गुरुदेव।

तंत्र साधना रहस्य

श्री बाला प्रसाद विश्वकर्मा, तांत्रिक मार्तण्ड
नागौद सतना, (मप्र),
मो. 9407063626

जिस प्रकार नशा करने वाले के लिए वैद्य अपनी औषधि का इस्तेमाल कर नशा छुड़ाता है उसी प्रकार हमारी पूजा-पाठ, कवच आराधना की विधियां भी व्यक्ति के मन मस्तिष्क, कपाल को बदलने में सहायक होती हैं।

-पं. अयोध्या प्रसाद गौतम।

कपाल भैरवी, गुरु प्रदत्तीय सिद्ध अनुष्ठान हेतु चार देवियों के आवाहन पूजन अनुष्ठान का महत्व है।

1 बगलांनुमुखी- इन देवी की पूजा-अनुष्ठान शत्रुओं से विजय प्राप्ति हेतु करनी चाहिए।

2.अकालानुमुखी-अकाल घटना अथवा अकाल मृत्यु की संभावना को समाप्त करने के लिए इन देवी की पूजा अनुष्ठान किया जाता है।

3. मोक्षानुमुखी - जब अकाल मृत्यु के पश्चात मोक्ष की प्राप्ति प्राप्ति को नहीं होती है और वह पृथ्वी पर मोक्ष की कामना से भटकता रहता है। मोक्ष प्राप्त कराने हेतु मोक्षानुमुखी देवी की आराधना करें।

4. प्रेतानुमुखी- जब किसी महल अथवा सुनसान भवन स्थान आदि में प्रेत का वास हो जाता है, ऐसी स्थिति में भवन स्वामी को परेशानी का सामना करना पड़ता है। नकारात्मक ऊर्जा को खदेड़ने के लिए प्रेतानुमुखी देवी का आवाहन किया जाता है।

तंत्र साधना हेतु दीक्षा परम आवश्यक है। बिना ज्ञानी गुरु की दीक्षा के तंत्र साधना में बाधाएं आती हैं। 1 स्पर्श दीक्षा, 2 दृग दीक्षा , 3 वेध दीक्षा, 4 क्रिया दीक्षा, 5 वर्ण दीक्षा, 6 कला दीक्षा, 7 शाम्भवी दीक्षा और, 8 वाग् दीक्षा।

देवी तंत्र की शक्तिशाली माता काली हैं। काली सर्व प्रथम है इसलिए इन्हें आध्या (आद्या) भी कहा जाता है। काली के वैसे तो अनन्त भेद है , पर मुख्य भेद आठ ही है- 1 चिन्तामणि काली, 2 स्पर्शमणि काली, 3 सन्ततिप्रदा काली, 4 सिद्धि काली, 5 दक्षिणा काली, 6 कामकला काली, 7 हंस काली, 8 गुह्य काली।

काली तंत्र के मतानुसार- साधक कालिका के चरण कमलों की पूजा करके आयु, आरोग्य, ऐश्वर्य, बल, पुष्टि, महद् यश (कीर्ति), कवित्व शक्ति, भोग और मोक्ष प्राप्त करनें में समर्थ होते है।

***निर्वाण तंत्र के मतानुसार**-दक्षिण दिशा में रहने वाले सूर्यपुत्र यमराज, काली का नाम सुनकर भयभीत होकर भाग जाते हैं । यमराज काली के उपासकों को नरक में भी नही ले जा सकता है इसलिए भगवती का नाम दक्षिणा काली है। उसी तरह मंत्र शास्त्र में भी काली के आठ प्रकार बतायें गये है जो इस तरह से है -1 संहार काली,2 दक्षिण काली, 3 भद्र काली, 4 गुह्य काली, 5 महा काली, 6 वीर काली, 7 उग्र काली, 8 चन्ड काली। महिषासुर को जिस उग्र काली रुप लेकर मारा था उस वक्त माँ की अष्टादश याने के अठारह भुजा (हाथ) थे , द्वितीय सृष्टि में यही उग्र काली को महामाया नाम से जाना गया जिनकी षोडश याने के सोलह भुजाएं थी ॥ भद्रकाली की दश भुजा है , वीर काली की आठ भुजाएं है, संहार काली की चार भुजाएं है और इन्हें धूम्रलोचननिर्नाशी नाम से भी जाना जाता है, चंडकाली की बत्तीस भुजाएं है और इन्हें शुंभ विनाशिनी नाम से भी जाना जाता है।

कुब्जिका तंत्र के मतानुसार - मोक्ष प्रदान करने वाली भगवती काली की उपासना कलियुग में शीघ्र फल प्रदान करतीं हैं। संहार काली के भी नौ प्रकार के भेद समयाचार रहस्य में बतायें है जो निम्नलिखित हैं- 1 प्रत्यंगिरा, 2 भवानी 3 वाग्वादिनी, 4 शिवा, 5 भेदों सहित भैरवी, 6 योगिनी, 7 शाकिनी , 8 चन्डिका , 9 रक्त चामुंडा। यह संहार काली के भेद है।

भद्रकाली के भी ग्यारह भेद है जो निम्नलिखित हैं,- 1 वारुणी, 2 वामनी , 3 राक्षसी , 4 रावणी , 5 आग्नेयी , 6 महामारी 7 धुर्धरी , 8 सिंहवकत्रा , 9 भुजंगी, 10 गारुडी , 11 आसुरी। कराली, विकराली, उमा, मंजूघोषा, चंद्ररेखा, चित्ररेखा, त्रिजटा, द्विजा, एकजटा, नीलपताका, बत्तीस प्रकार की यक्षिणी, तारा और छिन्ना यह सब दक्षिणा काली के भेद है।

श्मशान काली के भी दस भेद है जो निम्नलिखित हैं- 1 भेद सहित मातंगी, 2 सिद्धकाली, 3धूमावती, 4 आर्द्रपटी, 5नीला, 6 नील सरस्वती, 7 धर्मटी , 8 मर्कटी, 9 उन्मुखी एवं 10 हंसी।

वीरकाली के भी दस भेद है जो निम्नलिखित हैं,- 1श्री विधा, 2 भुवनेश्वरी , 3 पद्मावती , 4 अन्नपूर्णा , 5रक्तदन्तिका , 6 बाला त्रिपुरा सुन्दरी , 7 षोडश नित्यायें, 8 कालरात्रि , 9 वशिनी , 10 पितांबरा अघोर कालिका एवं दक्षिण कालिका यह दोनों चन्ड काली के भेद है।

उग्र काली के भी पंद्रह प्रकार के भेद है जो निम्नलिखित हैं- 1 शूलिनी , 2 जयदुर्गा , 3 महिषमर्दिनी दुर्गा , 4 शैलपुत्री , 5 ब्रह्मचारिणी , 6 चंद्रघंटा , 7 कात्यायनी , 8 कूष्माण्डा , 9स्कन्दमाता, 10 कालरात्रि , 11 महागौरी , 12 सिद्धिदात्री , 13 भ्रामरी , 14 शाकम्भरी , 15 बन्धमोक्षणिका।

उपरोक्त देवियों की आराधना साधक को तंत्र शक्ति सिद्धि प्राप्त करने में सहायक होती है।

नवरात्रि में देवी उपासना

श्रीमती इंदिरा पाठक, तांत्रिकज्ञ
अमानगंज,पन्ना (मप्र)
मो. 9424671257

हिंदू धर्म के अनुसार, एक वर्ष में 4 नवरात्रि होती हैं। वर्ष के प्रथम मास अर्थात चैत्र में प्रथम नवरात्रि होती है। चौथे माह आषाढ़ में दूसरी नवरात्रि होती है। इसके बाद अश्विन मास में प्रमुख नवरात्रि होती है। इसी प्रकार वर्ष के ग्यारहवें महीने अर्थात माघ में भी गुप्त नवरात्रि मनाने का उल्लेख एवं विधान देवी भागवत तथा अन्य धार्मिक ग्रंथों में मिलता है। अश्विन मास की नवरात्रि सबसे प्रमुख मानी जाती है। इस दौरान गरबों के माध्यम से माता की आराधना की जाती है। दूसरी प्रमुख नवरात्रि चैत्र मास की होती है। इन दोनों नवरात्रियों को क्रमश: शारदीय व वासंती नवरात्रि के नाम से भी जाना जाता है। इसके अतिरिक्त आषाढ़ तथा माघ मास की नवरात्रि गुप्त रहती है। इसके बारे में अधिक लोगों को जानकारी नहीं होती, इसलिए इन्हें गुप्त नवरात्र कहते हैं। नवरात्रि में माँ की उपासना के लिये दुर्गा सप्तशती अनुष्ठान विधि-

दुर्गा सप्तशती के अध्याय पाठन से कामनापूर्ति

1. प्रथम अध्याय- हर प्रकार की चिंता मिटाने के लिए।
2. द्वितीय अध्याय-मुकदमा झगड़ा आदि में विजय हेतु।
3. तृतीय अध्याय- शत्रु से छुटकारा पाने के लिये।
4. चतुर्थ अध्याय- भक्ति शक्ति तथा दर्शन के लिये।
5. पंचम अध्याय- भक्ति शक्ति तथा ध्यान-दर्शन के लिए।
6. षष्ठम अध्याय- डर, शक, बाधा ह टाने के लिये।
7. सप्तम अध्याय- हर कामना पूर्ण करने के लिये।
8. अष्टम अध्याय- मिलाप व वशीकरण के लिये।
9. नवम अध्याय- गुमशुदा की तलाश, हर प्रकार की कामना एवं पुत्र आदि के लिये।
10. दशम अध्याय- गुमशुदा की तलाश, हर प्रकार की कामना एवं पुत्र आदि के लिये।
11. एकादश अध्याय-व्यापार व सुख की प्राप्ति के लिये।
12. द्वादश अध्याय-मान-सम्मान तथा लाभ प्राप्ति हेतु।
13. त्रयोदश अध्याय- भक्ति प्राप्ति के लिये।

दुर्गा सप्तशती का पाठ करने और सिद्ध करने की सामान्य विधि

नवार्ण मंत्र जप और सप्तशती न्यास के बाद तेरह अध्यायों का क्रमश: पाठ, प्राचीन काल में कीलक, कवच और अर्गला का पाठ भी सप्तशती के मूल मंत्रों के साथ ही किया जाता रहा है। आज इसमें अथर्वशीर्ष, कुंजिका मंत्र, वेदोक्त रात्रि देवी सूक्त आदि का पाठ भी समाहित है जिससे साधक एक घंटे में देवी पाठ करते हैं।

नवरात्र पर्व कन्या पूजन विधान विशेष

नवरात्र में कन्या पूजन का बड़ा महत्व है। नौ कन्याओं को नौ देवियों के प्रतिविंब के रूप में पूजने के बाद ही भक्त का नवरात्र व्रत पूरा होता है। अपने सामर्थ्य के अनुसार उन्हें भोग लगाकर दक्षिणा देने मात्र से ही मां दुर्गा प्रसन्न हो जाती हैं और भक्तों को उनका मनचाहा वरदान देती हैं।

नवरात्र पर्व कितनी हो कन्याओं की उम्र

ऐसा माना जाता है कि दो से दस वर्ष तक की कन्या देवी के शक्ति स्वरूप की प्रतीक होती हैं. कन्याओं की आयु कम से कम 02 वर्ष से ऊपर तथा 10 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। दो वर्ष की कन्या को कुमारी , तीन वर्ष की कन्या को त्रिमूर्ति , चार वर्ष की कन्या को कल्याणी, पांच वर्ष की कन्या को रोहिणी, छह वर्ष की कन्या को कालिका , सात वर्ष की कन्या को चंडिका, आठ वर्ष की कन्या को शांभवी , नौ वर्ष की कन्या को दुर्गा तथा दस वर्ष की कन्या को सुभद्रा मानी जाती है ।इनको नमस्कार करने के मंत्र निम्नलिखित हैं।

नौ देवियों का रूप और महत्व

1. हिंदू धर्म में दो वर्ष की कन्या को कुमारी कहा जाता है. ऐसी मान्यता है कि इसके पूजन से दुख और दरिद्रता समाप्त हो जाती है।
2. 3 वर्ष की कन्या त्रिमूर्ति मानी जाती है. त्रिमूर्ति के पूजन से धन-धान्य का आगमन और संपूर्ण परिवार का कल्याण होता है।
3. 4 वर्ष की कन्या कल्याणी के नाम से संबोधित की जाती है. कल्याणी की पूजा से सुख-समृद्धि की प्राप्ति होती है।
4. 5 वर्ष की कन्या रोहिणी कही जाती है, रोहिणी के पूजन से व्यक्ति रोग-मुक्त होता है।
5. 6 वर्ष की कन्या कालिका की अर्चना से विद्या, विजय, राजयोग की प्राप्ति होती है।
6. 7 वर्ष की कन्या चण्डिका के पूजन से ऐश्वर्य मिलता है।
7. 8 वर्ष की कन्या शांभवी की पूजा से वाद-विवाद में विजय होती है।
8. 9 वर्ष की कन्या को दुर्गा कहा जाता है। कठिन कार्य सिद्धि तथा दुष्ट का दमन करने के उद्देश्य से दुर्गा की पूजा की जाती है।
9. 10 वर्ष की कन्या को सुभद्रा कहते हैं। इनकी पूजा से लोक-परलोक दोनों में सुख प्राप्त होता है।

नवरात्र पर्व पर कन्या पूजन के लिए कन्याओं की 9 की संख्या मन्नत के मुताबिक पूरी करने में ही पसीना आ जाता है। सीधी सी बात है जब तक समाज कन्या को इस संसार में आने ही नहीं देगा तो फिर पूजन करने के लिये वे कहां से मिलेंगी। जिस भारतवर्ष में कन्या को देवी के रूप में पूजा जाता है, वहां आज सर्वाधिक अपराध कन्याओं के प्रति ही हो रहे हैं। यूं तो जिस समाज में कन्याओं को संरक्षण, समुचित सम्मान और पुत्रों के बराबर स्थान नहीं हो उसे कन्या पूजन का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। लेकिन यह हमारी पुरानी परंपरा है जिसे हम निभा रहे हैं और कुछ लोग शायद ढो रहे हैं। जब तक हम कन्याओं को यथार्थ में महाशक्ति, यानि देवी का प्रसाद नहीं मानेंगे, तब तक कन्या-पूजन नितान्त ढोंग ही रहेगा। सच तो यह है कि शास्त्रों में कन्या-पूजन का विधान समाज में उसकी महत्ता को स्थापित करने के लिये ही बनाया गया है।

अपनी समस्या स्वत: जानें और निराकरण करें

पं. विनोद गौतम
ज्योतिष मठ, भोपाल
मो. 9827322068

कहीं हम श्रापित तो नहीं हैं। जीवन में चल रही उथल-पुथल से आप स्वत: जान सकते हैं कि हमें उक्त समस्या है। अत: समस्या की जड़ में जाएं ज्योतिष ग्रंथों के अनुसार मंगल, राहु, केतु, शनि प्रतिकूल होने पर समस्याएं उत्पन्न करते हैं।

अगर आपको वाद-विवाद गृह कलह, परेशानी, मांगलिक कृत्य में रुकावटें, तथा स्वास्थ्य भी अनुकूल नहीं है जीविका सर्विस आदि के क्षेत्रों में कमी हो रही है। ऐसी स्थिति में मान लें कि हमें उपरोक्त ग्रहों का प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। इन ग्रहों की अशुभता से व्यक्ति श्रापित हो जाता है।

श्राप विमोचन से सुख-समृद्धि सम्मान, सौभाग्य संतति, स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं दूर हो जाती है।

शनिकृत श्राप

जन्म पत्रिका में यह अढैया शनि साढ़ेसाती शनि तथा शनि की प्रतिकूल दशा प्रभावी होने से अन्याय करने से झूठ बोलने से प्रभावी हो जाता है।

राहु-केतुकृत श्राप

जन्म कुंडली में राहु-केतुकृत श्राप कालसर्पदोष होने, चंद्रदोष, ग्रहण दोष एवं गुरु के साथ चंडाली दोष, पितृदोष होने तथा चुगली करने, अपमान करने से प्रभावी हो जाता है।

मंगलकृत दोष

यह दोष जन्म पत्रिका में 1, 4, 7, 8 एवं 12वें स्थान पर मंगल के स्थित से बनता है। मंगल-राहु की युति, मंगल की प्रतिकूल दशा के समय एवं बड़ों की अवहेलना करने तथा राष्ट्र विरोधी कार्य करने से प्रभावी हो जाता है।

उपरोक्त ग्रहों के श्रापों के प्रभाव से जब व्यक्ति प्रभावित हो जाता है जिससे स्वास्थ्य, संतान, पत्नी, परिवार आदि सभी पर समान अशुभ प्रभाव बनना शुरु हो जाते हैं। परन्तु यही ग्रह जन्म कुंडली दशा आदि में अनुकूल हैं तो रंक से राजा बना देते हैं। प्रतिकूल ग्रह होने पर गृह स्वामी द्वारा श्राप विमोचन तथा ग्रह दोष निवारक पूजा-पाठ अनुष्ठान करने से शांति प्राप्त होती है।

कुंडली मिलान स्वत: करें

कुंडली मिलान में ग्रह मिलान एवं गुण मिलान करना आवश्यक होता है। वर-कन्या दोनों की जन्म पत्रिका में अगर 1, 4, 7, 8 एवं 12वें स्थान पर मंगल के साथ गुरु अथवा चंद्र है तथा मंगल स्वराशि मेष एवं वृश्चिक में है तथा गुरु केंद्र त्रिकोण में एवं चंद्रमा जन्म पत्रिका में केंद्र में हो तथा मंगल शुभ ग्रहों से दृष्ट होने पर मंगलदोष का प्रभाव जीवन में कभी प्रभावित नहीं करता है।

अगर मंगल 1, 4, 7, 8 एवं 12वें स्थान पर होकर राहु-शनि, केतु आदि अवरोधी विच्छेदी ग्रह के साथ है ऐसी स्थिति में ये सभी ग्रह परिणाम के उत्तरदायी माने जाते हैं। इनका विधिवत वैदिक उपचार वर-कन्या द्वारा करने से संपूर्ण परिहार हो जाता है। एवं विवाह हेतु कोई ज्योतिषीय बाधा नहीं मानी जाती है।

गुणदोष परिहार

साधारणतया 18 गुणों का मिलान होने पर शुभ विवाह में कोई ज्योतिषीय बाधा नहीं होती है। 25 गुणों से ऊपर का मिलान बाहुल्यप्रद होता है। यह बाहुलता सभी प्रकार के दोष समाप्त करने में सक्षम है। तथा नक्षत्र में चरणभेद होने से नाड़ीदोष समाप्त हो जाता है। इसके अतिरिक्त ग्रहमैत्री के उत्तम अंक राशि स्वामी में मित्रता, अन्य दोष दूर कर देती है। यथा -

गणदोषो योनिदोषो वर्णदोष: षड़ाष्टकम्
चत्वारि नैव दुष्यति राशि मंत्री यदा भवेत।

भवन निर्माण में तकनीकी वास्तु

पं. अमित गर्ग
आर्किटेक्टर, सतना
मो.-8770828676

आज के वातावरण के अनुसार सभी लोग वातानुकूलित वास्तु के अनुसार घर का नक्शा बनवाकर मकान निर्माण कराते हैं। जिससे भविष्य में मकान में इंजीनियरिंग का फायदा तो मिलता ही है, वास्तुपूर्ण होने से भवन भी सुखदायी हो जाता है। अत: भवन निर्माण के पहले सोच-समझकर किसी अच्छे तकनीकी इंजीनियर आर्किटेक्ट वास्तुविद से सलाह मशविरा अवश्य कर लें।

मकान में कहां-क्या ?

पूर्व दिशा में मुख्य द्वार एवं स्नानगृह, आग्नेय दिशा में रसोई, भंडारगृह, दक्षिण दिशा में शयनकक्ष एवं शौचालय, नैऋत्य में मास्टर बेडरूम, फालतू सामान, पश्चिम दिशा में भोजन कक्ष, वायव्य दिशा मे कुआंरी लड़कियों के लिए शयनकक्ष, उत्तर दिशा में धन, तिजोरी, बालकनी या मुख्य द्वार। ईशान में पूजाघर, बच्चों का अध्ययनकक्ष, जल संग्रह होना चाहिए।

कारखाने में कहां-क्या ?

पूर्व में मुख्य द्वार, खुली जगह। अग्निकोण में ट्रांसफार्मर, वायलर। दक्षिण में मशीनरी, मार्केटिंग मैनेजर, नैऋत्य में भारी मशीनरी। पश्चिम में कच्चा माल एवं कर्मचारियों के लिए कैंटीन, वायव्य में पक्का माल, उत्तर में मुख्य दरवाजा, कैशियर के कागजात, कम्प्यूटर, मालिक के बैठने का कमरा, ईशान में जल स्टोर, कम्प्यूटर, मालिक के बैठने का कमरा होना चाहिए। कर्मचारी आवास पश्चिम में बनाएं।

गृह निर्माण हेतु वास्तु चक्र

देवगृह पूजास्थल	प्रसूति गृह	सर्व वस्तुस्थान	स्नान गृह	गोरस कक्ष	रसोई घर
चिकित्सा रोगी कक्ष	पूर्व				घृत स्थान
कोषागार	उत्तर	ब्रह्म स्थान		दक्षिण	शयन कक्ष
पेयजल					
मनोरंजन स्थल	पश्चिम				शौचा-लय
पशुशाला, वाहन,भंडार	कोप भवन	भोजन कक्ष		अध्ययन कक्ष	स्नान घर

प्रमुख वास्तुदोष

- नैऋत्य दिशा में गड्ढा- यदि नैऋत्य दिशा में गड्ढा हो तो परिवार के मुखिया की आसमयिक मृत्यु, नींद न आना, व्यवसाय में हानि एवं कई मुसीबतें आती हैं।
- ईशान दिशा में टायलेट - ऐसी स्थिति में बुद्धि ठीक से काम नहीं करती व ज्यादातर गलत निर्णय लेने से परेशानियां आती रहती हैं। गृहस्थी में नाना प्रकार की दिक्कतें आती हैं।
- उत्तर दिशा में मिट्टी का टीला होना - इसके कारण सब सुखों का नाश हो जाता है। कुटुम्ब में परस्पर झगड़े होते हैं। बच्चों की पढ़ाई में अनेक विघ्न आते हैं। पूरे परिवार में मानसिक क्लेश का वातावरण रहता है।

वास्तुदोष शांति के उपाय

- मुख्य द्वार पर मांगलिक चिन्ह स्वास्तिक या गणेश जी की तस्वीर का उपयोग करना चाहिए।
- प्रतिदिन अग्निहोत्र करना चाहिए।
- प्रतिदिन गाय, कौआ, कुत्ते को यथा शक्ति खाने को देना।
- वर्ष में एक वार अमावस्या के दिन दही-चावल एवं नारियल पूरे घर में उतार कर बाहर फेंक देना चाहिए। यह वली का स्वरूप है।
- वर्ष में एक बार हवन-पूजन करवाना चाहिए।
- घर को सदा स्वच्छ रखना चाहिए।
- घर के प्रत्येक सदस्य को परस्पर आदर करना चाहिए।
- घर के सभी जनों को अपना (स्वयं का) वास्तु ठीक रखना चाहिए।

अधिक जानकारी हेतु आर्किटेक्टर श्री अमित गर्ग से फोन पर संपर्क कर सकते हैं।

समसामायिक साहित्य का मासिक दस्तावेज
अवश्य पढ़ें
शिवम्
प्रधान संपादक
निरुपम तिवारी
मो.-9425649435
e-mail : shivam.vinodtiwari@gmail.com,

राजांचल टाइम्स
राजधानी भोपाल से प्रकाशित प्रतिष्ठित मासिक पत्रिका
राजनैतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों पर आधारित
अवश्य पढ़ें।
देश के सभी बुक स्टॉलों पर उपलब्ध।
e-mail -rajanchaltimes.yahoo.com
प्रधान संपादक :
राजीव त्रिपाठी, मो.-9303108665
पता :- जी.एल.-373, अयोध्या नगर, भोपाल-462 041 (मध्यप्रदेश)

साढ़े साती शनि विचार सन् 2021 ई.

पं. जितेंद्र शर्मा
ज्योतिष मठ भोपाल
मोबा. नं. 9770511553

शनि भ्रमण सन 2021 ई.

इस बार वर्ष 2021 में शनि का विचरण वर्ष प्रारंभ से वर्ष अंत तक मकर राशि में रहेगा। अतः धनु, मकर एवं कुंभ राशि वालों को शनि की साढ़ेसाती का प्रभाव पूरे वर्षभर प्रभावी रहेगा। मिथुन व तुला राशि वालों के लिए शनि की ढैया का प्रभाव पूरे वर्ष रहेगा। धनु राशि वालों को उतरती हुई साढ़ेसाती पैर पर, मकर राशि वालों के लिए बीच में हृदय पर एवं कुंभ राशि वालों के लिए चढ़ती हुई साढ़ेसाती का प्रभाव सिर पर रहेगा।

शनि जिस राशि में भ्रमणरत होते हैं उस राशि के आगे पीछे की राशि पर अपना शुभाशुभ प्रभाव देते हैं। शनि के अशुभ स्थिति में होने पर व्यापार, व्यवसाय, नौकरी, पदोन्नति में रुकावटें, हानि तथा निकट पारिवारिक संबंधियों से वाद-विवाद, न्यायालयीन परेशानी एवं स्वास्थ्यगत परेशानी, चिंता, तनाव एवं मुसिबतों की बारिश करा देता है। परन्तु शनि अनुकूल होने से सर्वसुख आर्थिक लाभ, मान-सम्मान में वृद्धि होती है।

आर्द्रा प्रवेश : वर्षा विचार 2021

भारतीय ज्योतिष के अनुसार आठ नक्षत्रों में वर्षा होती है। इन नक्षत्रों में इनके स्वभाव के अनुसार जब सूर्य चंद्र नक्षत्र का एवं स्त्री-पुरुष नक्षत्र का मिलन होता है उन तारीखों में बारिश अवश्य ही होती है। इसके अतिरिक्त गुरु, शनि ग्रह के उदय अस्त एवं वक्री-मार्गी होने पर वर्षा होती है। जिस समय बुध शुक्र मंगल एवं गुरु एक ही नाड़ी के नक्षत्रों में हों तो भी बारिश होती है। सूर्य के नक्षत्र प्रवेशकाल में सूर्य एवं चंद्रमा यदि दोनों सूर्य के नक्षत्र में हों तो हवा अधिक चलती है। चंद्र नक्षत्र में हो तो बारिश कम होती है। एवं एक सूर्य तथा दूसरा चंद्र के नक्षत्र में हों तो अतिवृष्टि होती है।

आर्द्रा प्रवेश के समय लग्न में बुध स्वक्षेत्री होकर विराजमान हैं एवं मंगल ग्रह दशमे भाव में केंद्रगत बली है। लेकिन लग्न में राहु और सूर्य स्थित होने से पापग्रही ग्रहण दोष का प्रभाव बन रहा है। अत: इस वर्ष वर्षा मिश्रित योगकारी रहेगी। ग्रहण दोष के प्रभाव से वर्षा कहीं-कहीं अवरुद्ध होगी।

सावधान! कहीं आपके रत्न, ज्वेलरी नकली तो नहीं! एक बार इनकी जांच अवश्य करवा कराएं

कुछ चुनिन्दा ब्रॉंडेड रत्न, ज्वेलरों द्वारा नकली रत्न, ज्वेलरी देकर लोगों को ठगा जा रहा है। भोपाल में ऐसे कुछ ज्वेलरों के ऊपर एफआईआर तक हो चुकी है। जानकारी के अनुसार महंगे रत्न की ज्वेलरी विवाह-शादी इत्यादि हेतु गिफ्टेट ज्वेलरी में नकली कांच का टुकड़ा लगाकर एवं उसे स्वयं सर्टिफाइड कर उसे महंगे दामों में बेचा जा रहा है। विवाह हेतु रिंग सेरेमनी की अंगूठी में नकली हीरा होने का प्रमाण मिला है। ये रत्न वाले दूल्हे-दुल्हन प्रथम विवाह रस्म की अंगूठी में सबसे ज्यादा नकली हीरा लगाते हैं। दूल्हा-दुल्हन उस प्रथम रस्मी अंगूठी को शुभ मानकर संभालकर लाकर आदि सिंदूर की डिब्बी में हमेशा के लिए रख देते हैं। वे कभी उसकी जांच तक नहीं कराते। इस विश्वास के साथ कि इसमें महंगा हीरा अथवा रत्न जड़ा है, परन्तु यह उनका भ्रम साबित होता है, जब वे अपनी इस अंगूठी की जांच कराते हैं। इन ज्वेलरों-रत्न वालों द्वारा कुछ प्रलोभी एवं दलाल किस्म के ज्योतिषियों का सहारा लेकर उन्हें कमीशन देकर महंगे-महंगे रत्न आपके द्वारा खरीदवाते हैं। अगर आपको कोई ज्योतिषी महंगा रत्न लिखता है एवं किसी विशेष दुकान से लेने से लिए कहता है तब आप निश्चित समझें कि यह ज्योतिषी नहीं, बल्कि रत्न वाले का दलाल है। अत: आप सभी से निवेदन है कि आप अपने यहां रखे रत्न-ज्वेलरी की जांच समय रहते अवश्य करा लें।

-अशोक प्रियदर्शी, वरिष्ठ पत्रकार भोपाल, मो. 9340833602

दीपावली पूजन मुहूर्त

कार्तिक कृष्ण 30 गुरुवार दिनांक 4.11.2021 को दीपावली का शुभ पर्व होगा। दीपावली पूजन का मुख्य काल प्रदोषकाल होता है। जिसमें स्थिर लग्न की प्रधानता होती है। स्वाती नक्षत्र का योग भी शुभ माना जाता है। अत: वृष सिंह अथवा कुंभ लग्न में लक्ष्मी पूजन करना हितकर होता है। इस वर्ष दीपावली सायंकाल के समय प्रदोषकाल में वृष लग्न, सायं 6 बजकर 15 मिनट से रात्रि 8 बजकर 11 मिनट तक रहेगी। इसमें स्वाती नक्षत्र का संयोग भी शुभतापूर्ण है। इसके पश्चात अर्द्धरात्रि में सिंह लग्न में रात्रि 12 बजकर 42 मिनट से रात्रि के 2 बजकर 54 मिनट तक महानिशाकल में पूजन करना शुभ रहेगा। इसके अतिरिक्त प्रतिष्ठानों में दिन में कुंभ लग्न 1 बजकर 38 मिनट से 3 बजकर 9 मिनट तक गणेश कुबेर आदि देवताओं का पूजन किया जा सकता है। चौघड़िया मुहूर्तों में गुरुवार को प्रात: 6 से 7.30 तक शुभ, 10.30 से 12 तक चर, 12 से 1.30 दोपहर तक लाभ, 1.30 से 3 बजे तक अमृत, 4.30 सायं से 6 बजे तक शुभ, 6 से 7.30 तक अमृत फिर रात्रि 12 से 1.30 तक लाभ का चौघड़िया मुहूर्त लक्ष्मी पूजन के लिए शुभ रहेगा।

आयुर्वेद ज्ञान : देसी नुस्खे

सर्दी होने पर - त्रिकुटी चूर्ण शहद के साथ सुबह-शाम लेने से सर्दी से राहत मिलेगी। यह दवा आप घर में भी बना सकते हैं। सोंठ, पीपरामूल व कालीमिर्च तीनों को बराबर मात्रा में कूट-पीसकर महीन कपड़े से छान लें। आपकी त्रिकुटी तैयार है।

खांसी आने पर - अदरक एवं लोंग को भूंजकर गुड़ के साथ खाएं रात्रि में सोते वक्त काली मिर्च 3 दाने, लोंग 3 दाने अलग-अलग दाड़ों में दबाकर रखें। सुबह खांसी छूमंतर।

बुखार आने पर - पानी, तेल को बराबर मात्रा में थाली में रखकर फेंटें। उस फेंट को मरीज के सम्पूर्ण शरीर पर लेपन करें। तत्पश्चात गीली तौलिए से सिर की ओर से लेकर नीचे पैर तक उतारा करें, बुखार में आराम मिलेगा।

दर्द-पीड़ा होने पर - हल्दी, प्याज का लेप बनाकर दर्द वाले स्थान पर लगाएं, राहत प्राप्त होगी।

पेट दर्द होने पर - काला नमक भुंजी हुई अजवाइन के साथ नींबू के साथ एक गिलास पानी में एक चम्मच डालकर पीने से पेट दर्द से राहत मिलेगी।

सिर दर्द होने पर - गीले कपड़े की पट्टी बनाकर उसमें पिपरमेंट लगाकर सिर के चारों तरफ लपेटने से सिर दर्द में तत्काल आराम मिलेगा।

दस्त लगने पर - एक कप गरम चाय में एक कप ठंडा पानी मिलाकर पीने से तत्काल दस्त बन्द हो जाएंगे। दही और केले का सेवन करने से भी आराम मिलता है।

मल रुकाव होने पर - आंवला, हर्रा, बहेड़ा को कूटकर चूर्ण बना लें और उसमें हींग, अजवाइन मिलाकर रात्रि में पानी से भिगोएं। सुबह उसी जल को ग्रहण करें। ऐसा नियमित करने से पेट के सभी रोग समाप्त हो जाएंगे।

बच्चों के दांत निकलने पर - पीपरामूल को घिसकर शहद में मिलाकर बच्चों के मसूढ़ों में लगाएं। काले धागे में चांदी के पांच दांत बनवाकर गले में पहना दें इससे बच्चे के दांत बगैर दुख-तकलीफ के आराम से निकल आएंगे।

बिच्छू के काटने पर - बैरी की पत्तियां तोड़कर अपने गदेली से मसलें और उसका रस जिस व्यक्ति को बिच्छू ने काटा हो उसके दोनों कानों में निचोड़ दें तथा बचा हुआ रस पत्तों सहित जीभ के नीचे दबा दें। तत्पश्चात प्याज को पीसकर हल्दी मिलाकर बिच्छू के काटे गए स्थान पर लेप कर दें। इस प्रक्रिया से तत्काल आश्चर्यजनक परिणाम प्राप्त होंगे।

मासिक धर्म - महिलाओं को मासिक धर्म की रुकावट यदि उम्र से पूर्व हो गई हो तो अजवाइन 10 ग्राम पुराना गुड़ 50 ग्राम, 200 ग्राम जल में अच्छी तरह पकाकर सुबह-शाम सेवन करने से मासिक धर्म प्रारंभ हो जाता है तथा गर्भाशय की शुद्धि हो जाती है।

मस्से-यदि आप मस्सों से परेशान हैं तो दोपहर खाने के बाद एक ग्लास छाछ में 2 ग्राम पिसी हुई अजवाइन सेंधा नमक मिलाकर पीने से मस्सों से छुटकारा मिलता है।

अदरक का प्रयोग - अदरक उल्टी रोकने में काफी मददगार है यह भूख भी बढ़ाता है। पीरियड्स में आराम देता है। सिर दर्द व गठिया में लाभकारी। डायबिटीज में आराम के साथ भोजन के स्वाद को दुगुना बना देता है।

सौन्दर्य निखार

चेहरे की सुन्दरता के लिए - प्रतिदिन ठंडे पानी से चेहरे को दो बार धोएं। बाजार में मिलने वाली मुलतानी मिट्टी के बराबर बेसन मिलाकर रख लें। नींबू निचोड़कर उसका लेप बना लें, प्रतिदिन स्नान करने के पहले इस लेप को लगाकर चेहरा धोएं।

आंखों की सुन्दरता के लिए - गुलाब जल को आंखों में डालें, साथ ही लौंकी अथवा ककड़ी को गोल काटकर दोनों आंखों की पलकों पर 15 मिनट तक रखें इसके पश्चात आंखें धो लें। कुछ दिनों बाद आपकी आंखें सुन्दर हो जाएंगी।

बालों की सुन्दरता के लिए - रीठा शिकाकाई को सहेजकर रखें, स्नान करने के पहले बालों पर मलें इससे निकलने वाले फैन को थोड़ी देर तक बालों में लगाएं रखें। तत्पश्चात आंवला अथवा सरसों का तेल बालों पर लगाएं, इसके बाद स्नान करें या बाल अच्छी तरह धो लें। इससे आपके बाल चमकीले, घने तथा मुलायम हो जाएंगे।

सिर के लिए - सिर में रूसी होने पर नींबू का रस लाभकारी है। साथ ही गुनगुने तेल में नींबू का रस मिलाकर लगाने से बाल स्वस्थ होते हैं।

नाखूनों के लिए - नींबू के छिल्के को कोहनी और नाखून पर रगड़ने से उसमें चमक आ जाती है और हमेशा नेल पॉलिश के कारण जो नाखूनों में पीलापन आ जाता है वह भी दूर हो जाता है।

आंखों में ताजगी के लिए - खीरे के टुकड़ों को आंखों के नीचे रगड़ने से काले धब्बे दूर हो जाते हैं। खीरे के रस को रुई में भिगोकर आंखों के ऊपर रखने से आंखों में ताजगी आती है। दूध क्लीनिंग्स मिल्क का काम करता है। इससे रोजाना चेहरे और हाथों की सफाई करने से रंग साफ होता है, सांवली त्वचा में भी निखार आता है। दूध में बेसन और चंदन का चूर्ण मिलाकर लगाने से चेहरे में चमक आती है।

ऐड़ी-पैरों की सुन्दरता के लिए - गुनगुने पानी की बाल्टी में वेसलीन मिलाकर 15 मिनट तक पैरों को बाल्टी में डुबाकर रखें तत्तपश्चात मुलायम तौलिए से पोंछ लें। ऐसा प्रतिदिन करने से आपकी ऐड़ियां और पैरों की सुन्दरता बढ़ेगी।

स्वस्थ रहने के सहज एवं सरल तरीके

-डॉ. अनिल शर्मा 'मयंक'
प्रसिद्ध आयुर्वेद चिकित्सक भोपाल
मो. 9826739015

- सूर्योदय के कुछ पूर्व ही अमृतबेला में शुभ दर्शनकर उठना।
- उठने के बाद मल मूत्र त्यागने में देर या आलस्य नहीं करना।
- रोज दांत और जीभ साफ करना।
- शीतल जल से मुंह और आँखों को धोकर कुल्ला करना।
- पैदल चलकर प्रात: वायु सेवन या शक्ति के अनुसार व्यायाम करना।
- व्यायाम या वायु सेवन के बाद शरीर में तेल मालिश करना। सिर में रोज तेल लगाना। बीच-बीच में कान में भी तेल डालना।
- एक दिन बाद देकर दाढ़ी बनवाना। हाथ पैर के नाखून बढ़ने नहीं देना। सिर या शरीर पर अधिक बाल रखना हानिकारक है।
- उबटन या साबुन लगाकर अथवा शरीर को कपड़े से रगड़कर नीरोगावस्था में शीतल जल से नित्य स्नान करना लाभदायक है।
- स्नान के पश्चात् चन्दनादिका अनुलेपन हितकर है।
- कंघी से सिर के बालों को साफ रखना नेत्रों के लिए हितकारी है।
- शीशे में मुख देखना मंगलस्वरूप, कांति व आयुवर्द्धक है।
- स्वच्छ वस्त्र, सुगन्धित फूलादि धारणकर नित्यकर्म करना।
- आंखों में अंजन लगाना।
- भोजन घर और बर्तन गन्दा नहीं रखना। भोजन बनाने वाले को गन्दे और मैले वस्त्र नहीं पहनना चाहिए।
- भूख लगने पर रुचि अनुसार हल्का भोजन खूब चबा चबा कर खाएं। भोजन पूर्व और पश्चात् खड़ाऊ पहनना तथा पैरों को धोना शक्तिवर्द्धक है। इससे पावों के रोग नहीं होते। गरिष्ट भोजन हानि करता है। भोजन के आधे घंटे बाद पानी पीना बहुत लाभदायक है। ठण्डा भोजन हानिकारक है।
- भोजन करके कुछ देर लेटना। परिश्रम करना या सो जाना हानिकारक है। भोजन के बाद टहलना लाभकारी है।
- भोजन के उपरान्त ताम्बूल या चूर्ण आदि सेवन करना।
- वर्षा, धूप, हवा, धूल से बचने के लिये छाता लगाना।
- दोपहर को मौसम के अनुसार पके फल का सेवन लाभदायक है।
- सन्धया समय वायु सेवन करना लाभकारी है।
- सन्ध्या भोजन, दिया जलने के बाद, आठ बजे के पूर्व कर लेना चाहिए। रात को दिन के भोजन की अपेक्षा कम खाना।
- ज्यादा रात तक नहीं जागना। दस बजे तक सो जाना।
- सोने के पूर्व यथाशक्ति दूध का सेवन करना।
- हाथ पैर धोकर और अपने इष्ट देवता का स्मरण करके ही सोना चाहिए।

ऐसे होती है तन्दुरुस्ती में कमी

- **पेशाब रोकने से**- रुक-रुक कर आने लगता है। सरदर्द, पेटदर्द, कमर और पेशाब की बीमारियां पैदा होती हैं।
- **पाखाना रोकने से**- भगन्दर, पेटदर्द, पिंडलियों में दर्द, डकार, कब्ज, बुखार और मुंह से बदबू आने के रोग पैदा होते हैं।
- **वायु रोकने से**- पेशाब और पाखाने में खराबी, शरीर में सुस्ती और पेट की बीमारियां पैदा होती हैं।
- **डकार रोकने से**- हिचकी, खांसी, दिल व दिमाग की बीमारियां पैदा होती हैं।
- **भूख रोकने से**- क्षीणता, कमजोरी, अग्नि की कमी, भूख की कमी आदि रोग पैदा होते हैं।
- **छींक रोकने से**- गले की नसें अकड़ जाती हैं, सर में दर्द होता है। पक्षाघात होता है और शरीर कमजोर हो जाता है।
- **प्यास रोकने से**- गले, मुंह और ओठों में, खुश्की, सरमें चक्कर, सांस और दिल की कमजोरी पैदा करती है।
- **नींद रोकने से**- शरीर में दर्द, सर में दर्द, आंखों में भारीपन व दर्द पैदा होता है।
- **आंसू रोकने से**- जुकाम, निगाह में खराबी, दिल व दिमाग की कमजोरी और बेचैनी आदि रोग पैदा होते हैं।
- **जंमाई रोकने से**- सर, मुंह, आंख, नाक और कान आदि में वायु का विकार पैदा होते हैं।

दाम्पत्य जीवन के संकल्प : सात-पांच वचन

वर-वधू को विवाह की रस्में पूर्ण हो जाने के पश्चात् अपने कर्तव्य धर्म का महत्व भली-भॉति समझाने और उनका निष्ठापूर्वक पालन करने हेतु संकल्प के रूप में अलग-अलग प्रतिज्ञाएँ कराई जाती है, जिनके पूरी होने पर स्वीकृति स्वरूप दोनों से स्वीकार है, कहलवाने की प्रथा ब्रह्म वैदिक विवाह में है। विवाह संस्कार पद्धति के अनुसार ये सब प्रतिज्ञाएॅ दाम्पत्य जीवन को खुशहाल एवं दीर्घजीवी बनाए रखने के लिए कराई जाती है।

वर के पांच वचन

1 मैं अपनी धर्मपत्नी को अर्धांगनी यानी अपने शरीर का आधा अंग समझूंगा और आज से उसका उतना ही ध्यान रखूंगा, जितना अपने शरीर के अंगों का रखता हूँ। पत्नी में किसी प्रकार के दोष, विकारों के कारण असंतोष व्यक्त नहीं करूंगा।

2 गृहलक्ष्मी का अधिकार पत्नी को सौंपकर उससे परामर्श करके ही जीवन की गतिविधियों और कार्यक्रमों की व्यवस्था करूंगा। अपनी आमदनी पत्नी को सोपूंगा और गृह-व्यवस्था हेतु खर्च में उसकी सहमति लूंगा।

3 पत्नी व्रत का पालन पूरी निष्ठा के साथ करूंगा और पर नारी पर बुरी नजर नहीं डालूंगा। न ही उससे संबंध जोड़ूंगा। पत्नी को मित्रवत् रखूंगा और पूरा-पूरा स्नेह दूंगा।

4 किसी के सामने पत्नी को लांछित, तिरस्कृत नहीं करूंगा। मतभेदों और भूलों का सुधार एकांत में बैठकर करूंगा। पत्नी के प्रति मधुरता का व्यवहार करूंगा। समझौता नीति का पालन करूंगा।

5 पत्नी के बीमार होने, असमर्थता की स्थिति, संतान न होने या जाने-अनजाने किसी गलत व्यवहार पर भी मैं अपने सहयोग और कर्तव्य पालन में कोई कमी नहीं लाऊंगा। पत्नी के व्यक्तित्व विकास में पूरी शक्ति लगाऊँगा और उसके साथ मधुर प्रेमयुक्त चर्चा तथा सद्व्यवहार का पालन करूंगा।

कुहू-प्रीयूश

वधु के सात वचन

1 मैं अपने पति के साथ अपना व्यक्तित्व मिलाकर, सच्चे अर्थो में अर्धांगिनी बनकर, नए जीवन की सृष्टि करूंगी। पति के परिजनों से मधुरता, शिष्टता, उदारतापूर्वक व्यवहार कर उन्हें प्रसन्न और संतुष्ट रखने में कोई कमी नहीं होने दूंगी।

2 परिश्रमपूर्वक गृह संचालन कर पति की प्रगति में सहायक बनूंगी और आलस्य को छोड़ दूंगी। पति के प्रति श्रद्धा भाव रखते हुए, उनके अनुकूल रहूंगी और पतिव्रत धर्म का पालन करूंगी।

3 सेवा भावना, मधुर वचन बोलने, प्रसन्न रहने का स्वभाव बनाऊंगी। रूठने, कुढ़ने और ईर्ष्या के दुर्गुण नहीं अपनाऊंगी।

4 मितव्ययता से अपना घर चलाऊंगी और फिजूलखर्चा से बचूंगी।

5 पति से विमुख न होऊंगी। उन्हे परमेश्वर मानूंगी। उनका साथ न छोड़ूंगी। उनका कभी अपमान नहीं करूंगी।

6 पति से हुए मतभेदों को एकांत में निराकरण करूंगी। उन्हें निंदात्मक रूप से प्रस्तुत नहीं करूंगी।

7 पति को सेवा और विनय द्वारा सदैव संतुष्ट रखूंगी। पति के मुझसे विमुख होने पर भी प्रतिफल की आशा किए बिना अपने कर्तव्य का निष्ठापूर्वक पालन करूंगी।

मूलकदोष

नवजात शिशु के जन्म के समय अगर अश्विनी, अश्लेषा, मघा, ज्येष्ठा, मूल एवं रेवती नक्षत्र पड़ रहा हो तब वह शिशु मूलक में जन्म लेता है। इनमें से अश्लेषा, मूल एवं ज्येष्ठा नक्षत्र के मूल पूर्ण मूलक होते हैं। मूलधारी नक्षत्रों में जन्म लेने वाले शिशु को मूल शांति तक निहारना पिता के लिए वर्जित है। पूर्ण मूलक नक्षत्रों की शांति 27वें दिन उसी नक्षत्र के आने पर की जाती है। साधारण मूल जैसे अश्विनी, रेवती, मघा की शांति 12वें, 8वें दिन भी कर सकते हैं।

मूल नक्षत्रों के चरणानुसार फलकथन सारणी

नक्षत्र	प्रथम चरण	द्वितीय चरण	तृतीय चरण	चतुर्थ चरण
अश्विनी	पितृ कष्ट	सुखी ऐश्वर्य	पद प्रतिष्ठा	मान-सम्मान
अश्लेषा	पितृ कष्ट	मातृ कष्ट	धन हानि	सुखकारी
मघा	मातृ कष्ट	पितृ कष्ट	शुभतापूर्ण	धन ज्ञानदायक
ज्येष्ठा	भाई को कष्ट	भाई को कष्ट	मातृ कष्ट	शिशु को कष्ट
मूल	शुभतापूर्ण	धन हानि	मातृ कष्ट	पितृ कष्ट
रेवती	राज सम्मान	पद प्रतिष्ठा	धन सुख प्राप्ति	अति कष्ट

अनुसंधान : रुद्रवीसी का आठवां वर्ष संवत 2078 (सन-2021-22)

रुद्र बीसी का यह आठवां वर्ष है। रुद्र बीसी से तात्पर्य शिव तांडव के आगामी बीस वर्ष से हैं, जिसमें प्रलयांकारी शिव अपनी तरह से इस प्रकृति को चलाएंगे जिसमें प्राकृतिक प्रकोप के साथ-साथ सामाजिक क्षेत्र में समरसता खंड-खंड होगी, भृगु संहिता के आधार पर प्रकृति के बड़े परिवर्तन युग आधारित होते हैं, अनुसंधान के अनुसार महाभारत कालीन युद्ध भी पांच हजार वर्ष ईशापूर्व रुद्रबीसी के समय ही हुआ था। युग आधारित परिवर्तन सदियों के परिवर्तन संवत्सरों के परिवर्तन आदि में छोटी अवधि के हिसाब से ब्रह्मा वीसी, विष्णु बीसी और रुद्र बीसी को 20-20 वर्ष के कालखंड में बांटा गया है। भृगु संहिता जैसे ज्योतिषीय ग्रंथ में 60 तरह के संवत्सरों का उल्लेख है जिसमें ब्रह्मा, विष्णु और रुद्र बीसी का तात्पर्य बीस-बीस वर्ष के अवधिकाल से बताया गया है। इस तरह देखा जाए तो रुद्र बीसी वर्ष 2013 में प्रारंभ हुई है जो कि आगामी सन् 2034 तक चलेगी, चूंकि रुद्र अर्थात शिव संहार के देवता है। लिहाजा 20 वर्ष संहारक माने जाएंगे। जिसमें प्राकृतिक प्रकोप व मानवीय उपद्रव, हिंसा व युद्ध जैसी परिस्थितियां निर्मित होना स्वाभाविक है। रुद्र बीसी के पहले वर्ष का प्रभाव केदारनाथ धाम में हुए प्रलय से समझा जा सकता है। दूसरे वर्ष पशुपतिनाथ, नेपाल-भारत में भूकंप से हजारों लोगों की मौत इसी रुद्र बीसी का प्रभाव है। तीसरे वर्ष महाकाल उज्जैन में प्राकृतिक प्रकोप से कुंभ मेले का तहस-नहस होना आदि अनहोनी घटनाएं घटीं। ज्योतिष मठ संस्थान के संस्थापक व प्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य पं. अयोध्या प्रसाद गौतम ने अपने अनुसंधान के आधार पर बताया था कि रुद्र बीसी के चलते आने वाला समय भयावहतापूर्ण है और इस भविष्यवाणी का उद्घोष किसी तरह का भय उत्पन्न करना नहीं था, बल्कि सचेत करने की दृष्टि से प्रत्येक वर्ष के पंचांग कैलेंडरों एवं पत्रिका सौभाग्यम में उल्लेख किया गया था। वर्तमान समय पर संक्रमक बीमारी कोविड-19 रुद्र बीसी के आठवें वर्ष का प्रभाव है। रुद्रबीसी के प्रभाव से आगामी 12 वर्ष तक कुछ इसी प्रकार के प्रभाव देखने को मिलेंगे। नई संक्रमित बीमारी, प्राकृतिक प्रकोप युद्धादि जैसे हालात बनेंगे। ज्योतिष मठ संस्थान रुद्रबीसी पर आगे भी अनुसंधान जारी रखेगा। रुद्रबीसी का आठवां वर्ष नवसंवत 2078 चैत्र शुक्ल प्रतिपदा की शुरुआत से प्रारंभ हो जाएगा।

-अनुसंधान-द्वारा

(पं. अयोध्या प्रसाद गौतम ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल)

पालीवाल हॉस्पिटल मल्टी सुपर स्पेशलिटी यूनिट

कार्डियक, न्यूरो, नैफ्रो, यूरो, बर्न एवं ट्रामा

विशेषताएं

- कैथ लैब
- कम्प्यूटाईज्ड पैथालाजी लैब एवं सिस्टोपैथालाजी
- 500 एम.ए. एक्स-रे मशीन
- 9 इंच सी. आर्म (ऐलेंजर)
- होरस वेन्टिलेटर 6 मोनालडी वेन्टिलेटर
- हीमो लायलीसिस
- टेम्पोरेरी एण्ड परमानेन्ट पेसमेकिंग
- ई.एन.टी. सर्जरी
- टी.यू.आर.यू. रेटेरास्कोपी, यू.आर.एस.
- बर्न यूनि
- लेप्रोस्कोपिक कोलीसिस्टेक्टॉमी अन्य लेप्रोस्कोपिक सर्जरी
- पोलीट्रामी मल्टीस्पेशलिटी मैनेजमेंट
- टी.एम.टी.
- सीटी स्केन
- ई.ई.जी.
- 10 बेडेड आई.सी.यू.
- इण्डोस्कॉपी एण्ड स्कलीरोथिरेपी
- ऑपरेटिंग माईक्रोस्कोप फॉर न्यूरो सर्जरी
- ई.एन.टी. सर्जरी एवं ऑपरेटिंग माइक्रोस्कोप
- मास्टर हैल्थ चेकअप
- पाली ट्रॉमा मैनेजमेंट

कुशाभाउ ठाकरे बस टर्मिनल (आईएसबीटी) पेट्रोल पंप के पास, होशंगाबाद रोड, भोपाल

मोबाइल नम्बर : 9425009922, 9425009933

सूर्य-चंद्र ग्रहण ज्ञान-2021

इस वर्ष भारत में दिखाई देने वाले अल्पकालीन ग्रहण

1. अल्पकालीन चंद्रग्रहण - वैशाख शुक्ल 15 (पूर्णिमा) बुधवार दिनांक 26 मई 2021 को चंद्रग्रहण चंद्रोदय के समय आंशिक रूप से भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र एवं पश्चिम बंगाल के कुछ इलाकों में दृश्य होगा। यह चंद्रग्रहण अन्य क्षेत्रों में खग्रास ग्रहण होगा। भारत के अतिरिक्त यह ग्रहण उत्तर-दक्षिण अमेरिका, प्रशांत महासागर, हिंद महासागर, आस्ट्रेलिया, अंटार्टिका द्वीप, एशिया महाद्वीप में दिखाई देगा। इस ग्रहण का प्रारंभ चंद्रास्त के समय ब्राजील के पश्चिमी क्षेत्र से शुरु होगा तथा अमेरिका और कनाडा के पूर्वी भाग में दिखाई देगा। ग्रहण का मोक्ष भारत के अतिरिक्त हिंदमहासागर, श्रीलंगा, चीन, मंगोलिया और रूस में दिखाई देगा। भारतीय मानक समयानुसार ग्रहण का प्रारंभ दिन में 3 बजकर 15 मिनट पर एवं मध्य 4.9 पर तथा मोक्ष सायं 6.23 पर होगा। इस ग्रहण का ग्रासमान 1.016 है। भारत में जहां-जहां चंद्रोदय होगा वहां पर ग्रहण का मोक्ष ही दृश्य होगा। यह ग्रहण अनुराधा नक्षत्र एवं वृश्चिक राशि में होगा।

2. अति अल्पकालीन चंद्रग्रहण - कार्तिक शुक्ल 15 (पूर्णिमा) शुक्रवार दिनांक 19 नवंबर 2021 ई. को लगने वाला खंडग्रास चंद्रग्रहण भारत के पूर्वोत्तर भागों में यह ग्रहण भी अति अल्प समय के लिए ही दृश्य होगा। चंद्रोदय के समय भारत के पूर्वोत्तर भाग, असम अरुणाचल आदि क्षेत्रों में चंद्रोदय के बाद कुछ स्थानों पर इस ग्रहण का मोक्ष अल्प समय के लिए ही दिखाई देगा। भारत के अतिरिक्त यह ग्रहण पश्चिमी अफ्रीका, पश्चिमी यूरोप, उत्तर तथा दक्षिण अमेरिका, एशिया, आस्ट्रेलिया, प्रशांत महासागर एवं अटलांटिका महासागर के कुछ क्षेत्रों में दिखाई देगा। इस ग्रहण का प्रारंभ चंद्रास्त के समय दक्षिण अमेरिका एंव ब्रिटेन से होगा। ग्रहण का मोक्ष चंद्रोदय के समय आस्ट्रेलिया, इंडोनेशिया, थाईलैंड, चीन, रूस तथा भारत के पूर्वोत्तर क्षेत्र में दिखाई देगा। भारतीय समयानुसार ग्रहण का प्रारंभ दिन में 12.48 पर मध्य दिन में 2.33 पर तथा मोक्ष दिन 4.17 पर होगा। इस ग्रहण का ग्रासमान 0.979 है। यह ग्रहण कृतिका नक्षत्र वृष राशि में होगा।

'सूर्यग्रहे तु नाश्नीयात् पूर्वं याचतुष्टयम्।। चंद्रग्रहे तु यामास्नीन् बालवृद्धातुरैर्विना।।'

सूतककाल एवं ग्रहणदोष निवारक स्नानदान नियम

सूर्य ग्रहण के स्पर्श (प्रारंभ होने) से चार प्रहर अर्थात 12 घंटे का और चंद्रग्रहण के स्पर्श से तीन प्रहर पूर्व अर्थात 9 घंटे का होता है। जिसे सूतक कहते हैं। सूतककाल में मूर्ति स्पर्श, पूजा-पाठ, अनुष्ठान, ध्यान निषेध हैं। इस समय संकीर्तन पाठ, रामनाम जाप एवं सूर्य मंत्र का जाप करना चाहिए। ग्रहण समाप्ति के पश्चात स्नान, दान, पूजा-पाठ इत्यादि अवश्य करनी चाहिए। ग्रहणकाल में गर्भवती स्त्रियों को सावधानी रखनी चाहिए। रोगी, वृद्धजनों एवं बालकों को धार्मिक नियमों के भंग होने का दोष नहीं लगता। सूर्यग्रहण को नंगी आंखों से देखना हानिप्रद होता है, जिस राशि में ग्रहण होता है उस राशि वालों को अनिष्ठ फल देता है। जहां पर ग्रहण की छाया पड़ती है वहां पर ही ग्रहण का सूतक मान्य होता है। ग्रहण के अनिष्ठ फल से बचने के लिए स्वर्ण निर्मित कांसे के बर्तन में तिल, वस्त्र एवं दक्षिणा के साथ श्रोत्रिय ब्राह्मण को दान करना चाहिए अथवा सोने या चांदी का ग्रह बिम्ब बनाकर ग्रहण जनित दुष्ट फल निवारण हेतु दान करना चाहिए।

ज्योतिष मठ संस्थान के सहयोगी प्रकाशन

पाक्षिक
धर्म नगरी
भोपाल, प्रयागराग, ऋषिकेश से प्रकाशित
सटीक खबर, धर्म पर पैनी नजर
हरिद्वार महाकुंभ 2021 पर विशेष खोजी अनुसंधान
धर्म नगरी का कुंभ विशेषांक अवश्य पढ़ें।
संपादक-राजेश पाठक मो.-6261868110
पंजी. कार्या.: 472, एएनएन पोस्ट गोविंदपुरा भोपाल-23
भारत में सभी जगह संवाददाताओं की आवश्यकता है।

जरूर पढ़िए, आगे बढ़िए
पब्लिक प्रिंट
हिन्दी भाषा, हिन्दुस्तान की शान

विश्लेषणात्मक समाचार और ताजा तरीन मामलों की मासिक पत्रिका
संपादक
पं. वैभव भटेले
मो. नं. : 9303139229
e-mail : publicprintmagazine@gmail.com,
Website : www.publicprint.in

हम पर उपकार करते हैं देवरूपी वृक्ष

इस ब्रह्मांड की प्रत्येक वस्तु ग्रह-नक्षत्रों से प्रभावित होती है। जिस तरह हमारा शरीर पृथ्वी, जल, आकाश, वायु और अग्नि आदि पंच तत्वों से मिलकर बना है इसी प्रकार इस ब्रह्मांड की प्रत्येक वस्तु नवग्रह नक्षत्रों से प्रभावित है। और हमारे जीवन में इसी कारण लाभ-हानि, जय-पराजय, दरिद्रता-संपन्नता, सुख दुख आदि का अनुभव होता है।

मानव जीवन में नवग्रह-नक्षत्रों का प्रभाव

प्रत्येक व्यक्ति का जन्म किसी न किसी नक्षत्र में हुआ है ऐसे 27 एवं (एक अन्य नक्षत्र) सहित कुल 28 नक्षत्र होते हैं। अत: इससे यह सिद्ध होता है कि ग्रह-नक्षत्र हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। इनके बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। अत: ग्रह-नक्षत्र, रत्न, राशि, दिशा एवं सभी देवी-देवताओं का वास अनेक पुराणों में एवं हमारे प्राचीन सिद्ध ऋषि-मुनियों ने वृक्षों में बताकर कहा है कि इन देवताओं को अपने से उत्पन्न वृक्ष से प्रेम होता है, अर्थात जब इन वृक्षों की जल से सेवा की जाती है तो उस वृक्ष के देवता प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं। स्कंध पुराण के अनुसार एक बार माता पार्वतीजी ने क्रोधित होकर सभी देवी-देवताओं को श्राप दिया कि आप सब अपने एक अंश से वृक्ष होंगे। देवी के यह वचन सुनते ही देव अपने एक अंश से वृक्ष बन गए। यदि कोई व्यक्ति ग्रह दोष से पीड़ित है, जिसके कारण जीवन में अनेक प्रकार

नवग्रह	पेड़	गुरु	पीपल
सूर्य	अकौआ	शुक्र	गूलर
चंद्र	पलास	शनि	शमी
मंगल	खैर	राहू	दूबा
बुध	अपामार्ग	केतु	कुशा

की कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है तो उस ग्रह को प्रसन्न करने के लिए ग्रह से संबंधित महंगे रत्न नहीं पहन सकते तो भी उस रत्न से संबंधित पौधा लगाकर सेवा करने से जीवन में आने वाली परेशानियों से मुक्ति पाई जा सकती है। अत: इसलिए ईश्वर सभी प्राणियों पर कृपा करने के लिए वृक्षों में निवास करते हैं। एक वृक्ष 10 पुत्रों के समान हैं। वृक्ष-सत्य हैं, तो फूल-सुंदर, और फल-शिव, अत: इस प्रकार वृक्षों में सत्यम, शिवम, सुंदरम का भी समन्वय होता है। प्रकृति ने हमें सब कुछ दे दिया है, एक स्वर्ग ऊपर है तो दूसरा स्वर्ग पृथ्वी लोक में नीचे भी है, इस पृथ्वी लोक के भव्य एवं सुंदरम स्वर्ग को पहचानने और समझने की जरूरत है। यह जो पवित्र देवतुल्य पेड़-पौधे, वृक्ष बनकर हमारे सामने खड़े हुए हैं, यह कोई साधारण से वृक्ष नहीं है। साक्षात ईश्वरीय शक्ति के रूप में लोगों के सामने विद्यमान है। वृक्षों की सेवा से सम्पूर्ण सृष्टि की सेवा का पुण्य कार्य संपन्न होता है।

ज्योतिष मठ अनुसंधान
द्वारा (गुरुदेव पं. अयोध्या प्रसाद गौतम)

गुरु ज्ञान

पापी कूप तड़ागानि यदि वृक्षाणि रोप यते।
चतुर्चरेण लाभन्ते नैकानेक फलप्रदा।।

अर्थात मानव यदि वापी, कूप, तड़ाग, वृक्ष रोपण, वाटिका निर्माण आदि करता है जिससे जलचर, थलचर, नभचर, वायुचर इन सभी को जीवन लाभ मिलता है। इसलिए यह कार्य सृष्टि के लोकहितकारी कार्यों में श्रेष्ठ फल देने वाला माना गया है।

स्वासो तरेण शययति वृक्षं सुचिवै, निःरोग वर्धन्ति शतं शतानि।।
नख्तं गृह्णाम द्विग्नं कृमेण तान्लोक वृद्धै वृक्षन्ति पूज्यः

अर्थात मानव की सांसों से निकली वायु को वृक्ष ग्रहण कर शुद्ध वायु में परिवर्तित कर देते हैं। यह प्रक्रिया जनमानस के लिए निरोगकारी है। इसी प्रकार नक्षत्र वृक्ष आम वृक्षों की अपेक्षा दुगनी वायु शुद्ध करने में सक्षम हैं। इसलिए शास्त्रों ने वृक्षों का रोपण, पूजन लोक कल्याणकारी माना है।

श्री मारुती संगीत संस्थान
संगीत कला सीखने के लिए संपर्क करें - नवीन बैच प्रारंभ
पं. श्री अशोक भट्ट, प्रोफेसर कॉलोनी, भोपाल मो. 9893439624
संगीतमयी श्रीमद्भागवत गीता, संगीतमयी श्रीमद्भगत कथा, संगीतमयी शिवार्चन, संगीतमयी सुन्दरकांड, अखंड मानस पाठ, देवी जागरण हेतु संपर्क करें।

गुरुजी के जीवनकाल में की गई भविष्यवाणियां जो सत्य साबित हुई

आपने अपने जीवनकाल में 10 हजार से ज्यादा सत्य भविष्यवाणियां पंचांग, कैलेंडरों, दैनिक समाचार पत्र-पत्रिकाओं एवं टीवी के माध्यम से की हैं। जो काल की कसौटी पर सत्य साबित हुईं।

आपने अपने ज्योतिषीय सफर में पंडित जवाहरलाल नेहरू, राष्ट्रपति ज्ञानी जेल सिंह, श्रीमती इंदिरा गांधी, एवं राजीव गांधी के अतिरिक्त भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस पार्टी आदि सहित अपने शिष्य रहे उपराष्ट्रपति श्री भैरोसिंह शेखावतजी के राष्ट्रपति बनने की भविष्यवाणी या राजीव गांधी पुनः प्रधानमंत्री बनेंगे की भविष्यवाणी की आपकी चर्चित भविष्यवाणी उमा भारती का खंडित राजयोग चर्चा में रही। साथ ही मध्यप्रदेश में फिर बनेगी भाजपा की सरकार एवं खेलों में वर्ल्डकप से लेकर भूकंप आदि की भविष्यवाणी जैसे पंचग्रही योग दिलाएगा भारत को वर्ल्डकप, 26 जनवरी 2001 में आए भूकंप में गुजरात एवं कच्छ के विशेष रूप से प्रभावित होने की भविष्यवाणी आश्चर्यचकित करती है। बारिश से संबंधित किसानों एवं फसलों, शेयर-सट्टा बाजार आदि अनेक भविष्यवाणियां काल की कसौटी पर सत्य साबित हुई हैं। रामजन्म भूमि विवाद के विषय में उन्होंने लिखा था मंदिर निर्माण की बेला महाभारत के चक्रव्यूह की बेला है। 2019-20 में विवाद समाप्त होने एवं 2024 तक मंदिर निर्माण पूर्ण होने की भविष्यवाणी मूर्त रूप लेने को बेताव है। इसके अतिरिक्त भारत भूमि में युद्ध की संभावना नहीं। भारत के पड़ोसी देशों चीन आदि के संबंध में इंडिया फस्ट न्यूज को दिया गया इंटरव्य अक्षरशः सत्य है। इस प्रकार से आपके द्वारा अपने शिष्यों के लिए हजारों सत्य भविष्यवाणियां कीं। अपने अनुयायी बालीवुड एक्टर आसिमअली खान तथा कला जगत के विश्व प्रसिद्ध जादूगर आनंदजी के जीवन से संबंधित भविष्यवाणियां समय-समय पर इन्हें किसी न किसी रूप में प्रभावित करती रही हैं। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के गिने-चुने दिन बाकी, मुख्यमंत्री जयललिता को स्वास्थ्य से हानि, सुषमा स्वराज को ग्रहों का संकट, कर्नाटक चुनाव में भाजपा को सफलता एवं जाते-जाते मध्यप्रदेश में कांग्रेस का खंडित राजयोग पुनः भाजपा की वापसी की भविष्यवाणी सत्य साबित हुई। चाहे केरल में त्रासदी हुई अथवा केदारनाथ में भूस्खलन या पशुपतिनाथ नेपाल में प्राकृतिक प्रकोप का आना अथवा महाकाल की नगरी उज्जैन में कुंभ का तहन-नहस होना महामारी संक्रमित बीमारी के विषय में तो उन्होंने अपने पंचांग कैलेंडर एवं पत्रिका सौभाग्यम में विगत पांच वर्षों से रुद्रबीसी के शीषक नाम से भविष्यवाणियां कीं। इस शीर्षक के अनुसार वर्तमान

नहस होना महामारी संक्रमित बीमारी के विषय में तो उन्होंने अपने पंचांग कैलेंडर एवं पत्रिका सौभाग्यम में विगत पांच वर्षों से रुद्रबीसी के शीषक नाम से भविष्यवाणियां कीं। इस शीर्षक के अनुसार वर्तमान में रुद्रबीसी चल रही है। रुद्रबीसी 8 साल अपना तांडव कर चुकी है, बीस वर्ष में 12 वर्ष और तांडव के रहेंगे। जिसमें प्राकृतिक प्रकोप, संक्रमित महामारी, युद्धादि के योग रुद्रबीसी के प्रभाव से परिलक्षित होंगे।

ज्योतिष के महर्षि

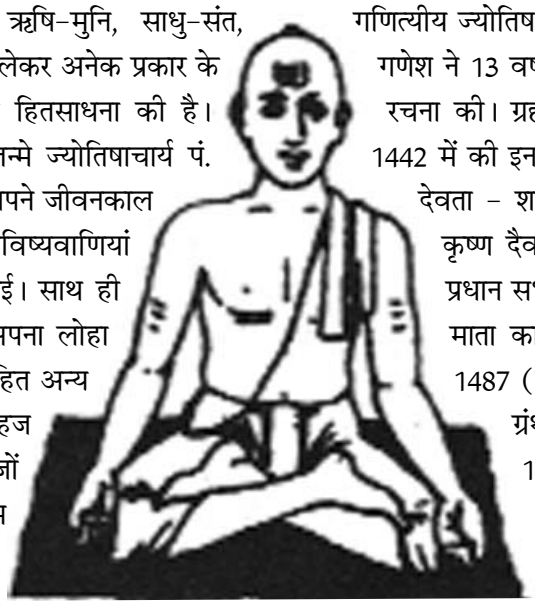

वेदभूमि भारत में अनेक ऋषि-मुनि, साधु-संत, तपस्वी एवं ज्योतिषियों ने जन्म लेकर अनेक प्रकार के अनुसंधान करके जनमानस की हितसाधना की है। छोटे से गांव श्यामरडांडा में जन्मे ज्योतिषाचार्य पं. अयोध्या प्रसाद गौतम जिन्होंने अपने जीवनकाल में हजारों आश्चर्यचकित भविष्यवाणियां करके ज्योतिष की अलख जगाई। साथ ही तंत्र एवं कर्मकांड के क्षेत्र में अपना लोहा मनवाया। परिवार के सदस्यों सहित अन्य शिष्यों को यह अनमोल ज्ञान सहज ही प्राप्त करा दिया। आपके अनुजों में प्रकांड विद्वान श्री घनश्याम प्रसाद गौतम, एवं लल्लुप्रसादजी गौतम, पं. भागीरथ प्रसाद गौतमजी क्षेत्र के प्रकांड विद्वानों में जाने जाते थे। भारतीय सनातन धर्मावलंबियों के लिए आप सभी धर्माचार्य थे। ज्योतिष विद्या से संबंधित पूर्व के मनीषियों में महर्षि वेदव्यास, गौतम ऋषि, प्रकांड पंडित रावण-ललाट विद्या के माध्यम से, ऋषि नारद-हस्तरेखा के माध्यम से, ऋषि पारासर, भृगु ऋषि, भास्कराचार्य - सूर्य सिद्धांत, लीलावती आचार्य भास्कर की भार्या, आर्यभट्ट - ज्योतिष गणितज्ञ, लल्लाचार्य (499 ई.), वारहमिहिर (505 ई), ब्रह्मगुप्त (598 ई.). श्रीपति भट्ट (999 ई.), ज्योतिषी महादेव - शाके 1238 (ई. सन 1316) ग्रह लाघव प्रकार से ग्रह साधन सारिणी निर्मित की।, गंगाधर ज्योतिषी - 1279 कामधेनु नामक ग्रंथ, शाके 1356 (ई. सन 1434) वर्तमान प्रचलित सूर्य सिद्धांत चंद्रमानाभिधान नामक ग्रंथ, श्रीमकरन्द शाके 1400 ई (सन 1478), सूर्य सिद्धांत - पंचाग साधनोपयोग ग्रन्थ की रचना की मकरन्द सावित्री उत्तर भारत में सर्वत्र प्रसिद्धि प्राप्त हुई। श्री केशव - शाके 1378 (ई. सक 1456) अनेक ग्रंथ रचनाओं में ग्रह कौतुक ग्रहसिद्धि, तिथि सिद्धि, जातक पद्धति, विकृति, तांत्रिक पद्धति, सिद्धतानपाठ मुहूर्त तत्व, कुंडाष्टक लक्षण, गणिमठ दिपिका कामस्थादि। ज्योतिषि लक्ष्मीदास - श्री केशव के पौत्र 1442 (ई. सन 1520) भास्कराचार्य सिद्धांत शिरोमणी ग्रंथ संहिता। श्री ज्ञानराज - 1425 (ई. सन 1503) सिद्धांत सुन्दर ग्रह गणित्यीय ज्योतिष ग्रन्थ की रचना की। श्री गणेश - श्री गणेश ने 13 वर्ष की आयु में ग्रह माधव करण ग्रंथ की रचना की। ग्रह लाघव करण ग्रंथ के आरंभ में शक 1442 में की इनका जन्म शके 1429 का है। श्री विष्णु देवता - शक 1478 श्री सूर्य - 1463, ज्योतिषी कृष्ण दैवज्ञ - कृष्ण दैवज्ञ बादशाह जहांगीर के प्रधान सभा पंडित थे इनके पिता श्री वल्लभ तथा माता का नाम गोनि था। रघुनाथ शर्मा - शके 1487 (ई. सन 1565) मणि प्रदीप नामक करण ग्रंथ श्री मल्लारि - शके 1493 (ई. सन 1571) श्री रंगनाथ - शके 1495 (ई. सन 1573) श्री विश्वनाथ - शके 1500 (ई. सन 1578) श्री नृसिंह दैवज्ञ - शके 1508 (ई. सन 1586) श्री शिव देवज्ञ - शके 1513 (ई. सन 1591) अपनी पूर्ण आयु ज्योतिषाध्ययन में की। श्री सोमदैवज्ञ-शके 1524 (ई. सन 1602) पंचाग पयोगी 500 श्लोकों की कल्पलता नामक ग्रंथ की रचना की। श्री मुनीश्वर - शके 1525 (ई. सन 1603) ने शक 1568 में सिद्धांत सर्वभौम नामक ज्योतिष ग्रंथ की रचना की। (पेज 20) सूर्यनारायण व्यास (आधुनिक विज्ञान), श्रीमाली राधाकृष्णन (आधुनिक) श्री ब्रह्मलीन ज्योतिषी पं. भोजराज द्विवेदी ब्रह्मलीन श्रीनाथूराम व्यास, वर्तमान में सुपुत्र श्री नारायण शंकर व्यास, जबलपुर। ब्रह्मलीन ज्योतिषी पं. बाबूलाल चतुर्वेदी, वर्तमान में पं. सूर्यकांत चतुर्वेदी, **ब्रह्मलीन श्री रघुनाथ प्रसाद गौतम पुत्र स्व. श्री श्रीरामाधीन गौतम, स्व. श्री रामरूप गौतम, स्व. श्री सुंदरलाल गौतम, वर्तमान में श्रीराम रूप गौतम के पुत्र ज्योतिषाचार्य पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पुत्र. ज्योतिषी पं. प्रकाश गौतम, पं. विनोद गौतम, पं. कृष्णकुमार गौतम, पांचवीं पीढ़ी - नयन गौतम, सात्विक गौतम, कान्हा गौतम, अरिहान प्रसाद गौतम आदि।**

वृंदावनी संगीतमय श्रीमद्भागवत कथा हेतु संपर्क करें

पं. धनेश प्रपन्नाचार्य महाराज

काली मठ, साकेत नगर, भोपाल

मोबाइल नं. 9826973147

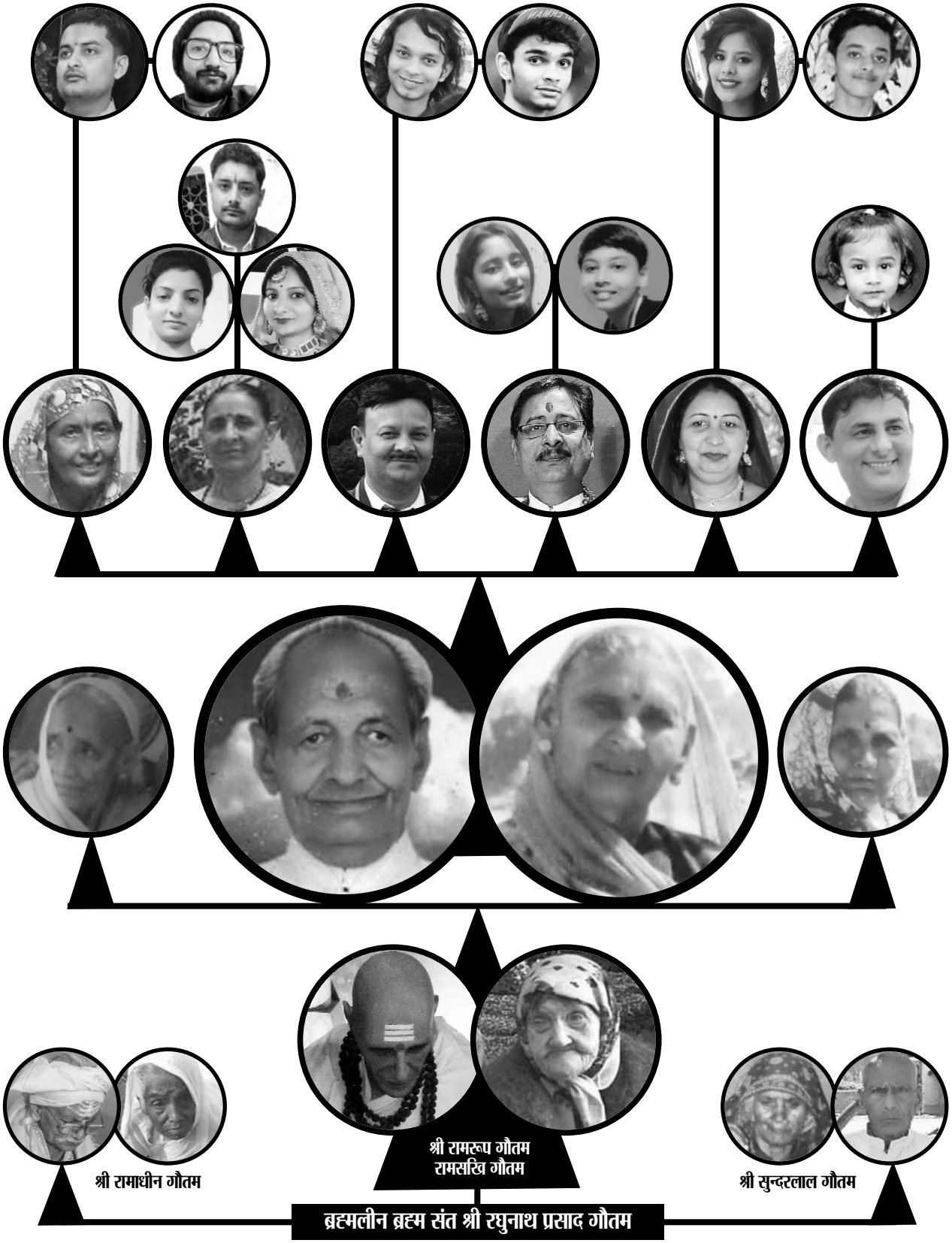
श्री रामाधीन गौतम
श्री रामरूप गौतम
रामसखि गौतम
श्री सुन्दरलाल गौतम
ब्रह्मलीन ब्रह्म संत श्री रघुनाथ प्रसाद गौतम

नेक सलाह

- मारना चाहते हो तो बुरी इच्छाओं को मारो।
- जीतना चाहते हो तो तृष्णाओं को जीतो।
- खाना चाहते हो तो गुस्से को खाओ।
- पीना चाहते हो तो ईश्वर चिंतना का शर्बत पिओ।
- पहनना चाहते हो तो नेकी का जामा पहनो।
- देना चाहते हो तो नीची निगाह करके दो और भूल जाओ।
- लेना चाहते हो तो आशीर्वाद लो।
- जाना चाहते हो तो तीर्थ स्थानों को जाओ।
- आना चाहते हो तो दुखियों की सहायता को आओ।
- छोड़ना चाहते हो तो पाप और अत्याचार को छोड़ो।
- बोलना चाहते हो तो मीठे वचन बोलो।
- तौलना चाहते हो तो बात को तौलो और ठीक बोलो।
- देखना चाहते हो तो अपने आपको देखो।
- सुनना चाहते तो ईश्वर की प्रशंसा व दुखियों की पुकार सुनो।
- अपने कर्तव्य का पालन करो दुनियाभर की खुशी तुम्हारी ही है।

हानिकारक या अहितकारी संयोग - खान पान का मिश्रण अहितकारी

- दूध के साथ – दही, नमक, इमली, खरबूजा, बेलपत्र, नारियल, मूली, तुरई, गुड़, तेल, सत्तू, खट्टे फल खटाई का सेवन अहितकारी।
- दही के साथ – खीर, दूध, पनीर, गर्म खाना या वस्तु, खरबूजा आदि।
- खीर के साथ – खिचड़ी,कटहल, खटाई, सत्तू, शराब आदि।
- शहद के साथ – मूली, अंगूर, वर्षा का जल, गर्म वस्तुएं।
- गर्म जल के साथ – शहद।
- शीतल जल के साथ – मूंगफली, घी, तेल, तरबूजा, जामुन, खीरा, गर्म दूध।
- घी के साथ – शहद (बराबर मात्रा में)
- खरबूजा के साथ – लहसुन, मूल के पत्ते, दूध, दही।
- तरबूज के साथ – पुदीना, शीतल जल।
- चाय के साथ – ककड़ी, खीरा।
- चावल के साथ – सिरका।

स्वराज EXPRESS
मध्यप्रदेश – छत्तीसगढ़

24X7 NEWS CHANNEL

निर्भीक, निष्पक्ष, सत्य, सटीक खबरों के लिए धर्म-संस्कृति, कला, खेल, राजनीति की पल-पल की खबर

विशेष कार्यक्रम : जनता मांगे जवाब, मैं जनता की जुबान हूं

सोमवार से शुक्रवार रात 8.00 बजे

चैनल हेड-श्री एस.पी. त्रिपाठी

Plot No.16, Sandhya Prakash Bhawan,
Malviya Nagar, Bhopal,
Madhya Pradesh 462003
Phone No. : 0755 402 9000

हरिद्वार कुंभ-2021

हरिद्वार में कुंभ के संबंध में

पद्मिनी नायकं मेघे कुंभ राशि गते गुरौ।
गंगा द्वारे भवेद्योगः कुंभनामा तदोत्तना।।

जिस समय बृहस्पति कुंभ राशि में स्थित हों और सूर्य मेष राशि में रहे ऐसे संयोग के समय हरिद्वार में कुंभ योग बनता है।

इस वर्ष सन 2021 ई. में सूर्यदेव 13 अप्रैल 2021 ई. मंगलवार को अर्द्धरात्रि में मेष राशि में प्रवेश करेंगे। अतः शास्त्रानुसार प्रमुख कुंभ अमृत योग 14 अप्रैल 2021 बुधवार को होगा।

प्रमुख पर्व एवं शाही स्नान

1. मकर संक्रांति गुरुवार 14 जनवरी 2021
2. मौनी अमावस्या गुरुवार 11 फरवरी 2021
3. वसंत पंचमी मंगलवार 16 फरवरी 2021
4. माघी पूर्णिमा शनिवार 27 फरवरी 2021
5. महाशिवरात्रि गुरुवार 11 मार्च 2021
6. सोमवती अमावस्या सोमवार 12 अप्रैल 2021
7. नवसंवतसर स्नान मंगलवार 13 अप्रैल 2021
8. मेष की संक्रांति बुधवार 14 अप्रैल 2021 (कुंभ योग)
9. राम नवमी बुधवार 21 अप्रैल 2021
10. चैत्र पूर्णिमा मंगलवार 27 अप्रैल 2021

*साभार - **श्री तन्मय वशिष्टजी***
महामंत्री श्री गंगा सभा रजिस्ट्र्ड हरिद्वार।

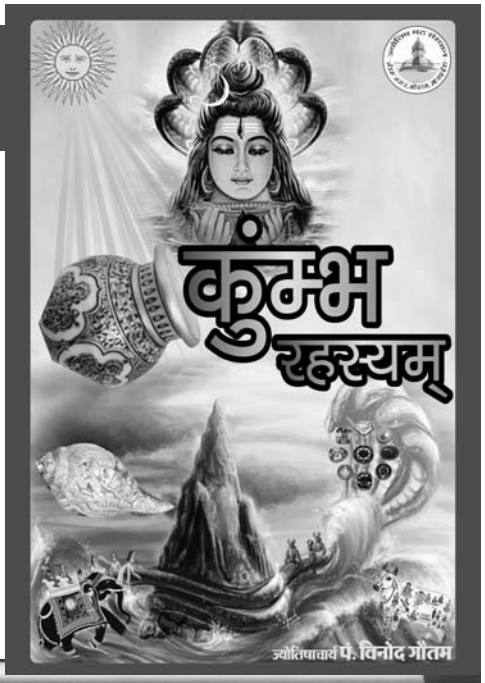

ज्योतिष मठ संस्थान द्वारा प्रकाशित कुंभ रहस्यम्

चारों कुंभों के विषय में अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए अपने नजदीकी बुक स्टॉलों से अथवा हमारे संस्थान से सीधे संपर्क कर 'कुंभ रहस्यम्' प्राप्त करें। इस पुस्तक में सभी कुंभों के संबंध में पौराणिक एवं धार्मिक तथा ज्योतिषीय महत्व विस्तार पूर्वक बताया गया है।

-संपर्क-लेखक, प्रकाशक पं. विनोद गौतम 9827322068

वर्ष 2021 आकाशीय ग्रह स्थिति फल

वर्ष 2021 सम्वत् 2078 में आकाशीय गोचरीय ग्रह व्यवस्था के अनुसार देश विदेश के प्रभाव परिलक्षित होंगे। वर्ष आरंभ 2021 से वर्षान्त तक शनि अपनी स्वराशि मकर में विचरण करेंगे। वर्ष आरंभ से एवं वर्षान्त तक राहु उच्च राशि वृष में भ्रमणरत रहेंगे। गुरु शनि के साथ युति करने के पश्चात् 21 जून 2021 ई. को वक्री होकर अक्टूबर के अन्त तक कुंभ राशि में ही रहेंगे। गुरु फरवरी में अस्त एवं मार्च को उदय भी होंगे। शनि मई में मकर राशि में वक्री 12 अक्टूबर को मार्गी होंगे। वर्ष में कई बार पंचग्रहीय षष्टग्रहीय योग बनेंगे। आकाश मंडल में लगभग आधे वर्ष राहु -केतु के अधीन सभी ग्रह होकर कालसर्प योग का प्रभाव निर्मित करेंगे। 2021 ई. में विश्व में चार ग्रहणों की छाया पड़ेगी। परन्तु भारत भूमि पर दो चन्द्र ग्रहण की ही छाया परिलक्षित होगी। ये ग्रहण धर्म की राशि धनु एवं कला मनोरंजन तथा फिल्म जगत की राशि वृष पर पड़ेंगे। अन्य छोटे त्रिग्रहीय योग कम अवधि में राशि परिवर्तन करने वाले ग्रहों से बनेंगे। इनसे निर्मित पंचग्रही, चतुर्थ ग्रही, त्रिग्रही अंगारक विष संधारक उत्पाती योग भी समय समय पर वर्ष में कई बार प्रभवशील होंगे। उपरोक्त आकाशीय, गोचरीय व्यवस्था के अनुसार यह वर्ष संघर्षकारक रहेगा। न्याय व्यव्था एवं धर्म व्यवस्था का प्रभाव बढ़ेगा। भारत सहित विश्व के अनेक देशों में परस्पर संघर्ष की स्थिति बनी रहेगी। शनि की संक्रमित राशि मकर अपने मकड़ जाल में कई देशों में अशांति, तनाव, भय की स्थिति निर्मित करेगी। अंगारक आदि योग का प्रभाव आगजनी, भूकंप, प्राकृतिक आपदा सहित अनेक प्रकार से जन जीवन को संघर्षमय बनाएगा। पूरा वर्ष शनि एवं राहु के स्व एवं उच्च प्रभाव में रहेगा। जिससे विश्व में अनेक नये नियम कानूनों का निर्माण एवं बार बार इन कानूनों का उल्लंघन होगा। भारत सहित विश्व के पश्चिमी देशों में विषमृत करने वाली घटनाएँ घटित होंगी। जनवरी माह में ही मकर राशि पर बनने वाला पंचग्रहीय योग कई देशों को अपने मकड़ जाल में फंसाकर युद्धादि जैसे हालात निर्मित करेगा। फरवरी माह में चतुरग्रहीय योग एवं मार्च में मंगल -राहु का उत्पाती अगांरक योग गोला बारुद अग्नि कांड यान दुर्घटना के साथ अनेक देशों में उपद्रव कारी प्रभाव दे रहा है। दोंनो सेनापतियों की युति के प्रभाव से युद्धादि की स्थिति के साथ देश की आर्थिक राजनीतिक एवं धार्मिक समरसता भंग होने के योग निर्मित होंगे। पार्टियों में टकराव एवं आपसी मतभेद एवं षड्यंत्रकारी योग कई क्षेत्रों में अशुभ प्रभाव निर्मित कर रहा है। जिससे अनेक राष्ट्रों में मंहगाई, ठगी, उपद्रव, उत्पात के नये नये प्रयोग होनेसे जनमानस में भय व्याप्त होगा। मनोरंजन की राशि पर राहु का प्रभाव फिल्मी कलाकारों के लिए अशुभ है। वहीं मंगल राहु की युति देश के शीर्षशत् राजनीतिक व्यक्तियों के लिए क्षति कारक है। अखिल ब्राह्माड के सर्वोच्च न्यायाधीश शनि वर्ष भर स्वराशि में रहकर प्रभावशाली रहेंगे। जिससे न्याय व्यवस्था में कसावट आएगी। इस वर्ष कई नामी गिरामी कलाकार, राजनैतिक हस्तियाँ एवं बड़े-बड़े धन कुबेर न्यायालय के दरवाजे पर खड़े नजर आएंगे। न्याय का हथौड़ा मजबूत होने के कारण विश्व के अधिकांश भागों में न्याय व्यवस्था का पालन शक्ति से कराया जाएगा। न्याय की राशि कुंभ में गुरु का संचरण धार्मिक एवं सामाजिक क्षेत्रों में सहयोग करेगा। जिससे धर्म-कर्म नियम संयम तथा स्वछता, पार्यावरण आदि धर्म संस्कारों का पालन भारत की प्रगति को बढ़ाएगा। भारत अनुकरण करके अन्य देश भी लाभांवित एवं गौरान्वित होंगे।

शुभ कार्य और यात्रा के लिए कोई मुहूर्त न बनने पर उत्तम चौघड़िया देखकर कार्य करें।
उत्तम चौघड़िया - अमृत, शुभ, लाभ तथा चर है। **खराब चौखड़िया** - उद्वेग, रोग व काल हैं।

दिन की चौघड़िया							समय बजे तक	रात की चौघड़िया						
रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि	दिन-रात	रवि	सोम	मंगल	बुध	गुरू	शुक्र	शनि
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	6 से 7.30 तक	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ
चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	7.30 से 9 तक	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग
लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	9 से 10.30 तक	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ
अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	10.30 से 12 तक	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत
काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	12 से 1.30 तक	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर
शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	1.30 से 3 तक	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग
रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	3 से 4.30 तक	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल
उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ	शुभ	चर	काल	4.30 से 6 तक	शुभ	चर	काल	उद्वेग	अमृत	रोग	लाभ

शुभ कार्यों में वर्जित समय विचार

देवशयन - आषाढ़ शुक्ल 11 से कार्तिक शुक्ल 11 तक देवता शयन करते हैं। इन्हें देवशयन या चातुर्मास कहते हैं, इन दिनों में विवाह, उपनयन, गृहाराम्भ, शांति, पौष्टिक कर्मदेव-स्थापना आदि का निषेध है।

होलाष्टक - होली से 8 दिन पूर्व तक होलाष्टक माना गया है। इसमें कुछ क्षेत्रों में (सतलज, रावी, व्यास नदियों के तथा पुष्कर सरोवर के तटवर्ती भाग में) विवाहादि मांगलिक कार्य वर्जित हैं। अन्य क्षेत्रों में वर्जित नहीं है।

गुरु एवं शुक्र के अस्त में वर्जित कार्य - विवाह, मुंडन (चौल), उपनयन, कर्णछेदन, दीक्षा, गृह प्रवेश, द्विरागमन, वधु प्रवेश, देव प्रतिष्ठा, कुआं, जलाशय खोदना, चातुर्मास, उत्सर्ग इत्यादि कृत्य वर्जित हैं।

भद्रा दोष - भद्रा में विवाह, गृहारंभ, गृहप्रवेश तथा मांगलिक कार्य वर्जित हैं, पूर्वार्ध दिन की भद्रा रात में तथा उत्तरार्ध की भद्रा दिन में शुभ कार्य के लिए मान्य है।

विभिन्न वारों को जिन वस्तुओं का भक्षण करके जाने से दिशा शूल दोष का परिहार है वह निम्न हैं -
रवि- घृत, सोम- दूध, मंगल-गुड़, बुध-तिल, गुरु-दही, शुक्र-जौ की वस्तु शनि-उड़द की दाल

राहुकाल में वर्जित समय

सोम	**प्रातः 7.30 से 9.00 बजे तक**
मंगल	**अपराह्न 3.30 बजे से 4.30 बजे शाम तक**
बुध	**दोपहर 12.00 बजे से 1.30 बजे तक**
गुरु	**दोपहर 1.30 बजे से 3.00 बजे तक**
शुक्र	**प्रातः 10.30 बजे से 12.00 बजे तक**
शनि	**प्रातः 9.00 बजे से 10.30 बजे तक**
रवि	**शाम 4.30 बजे से 6.00 बजे तक**

दिशा शूल विचार

पूर्व की ओर सोम, शनि तथा ज्येष्ठा नक्षत्र में। पश्चिम में रवि, शुक्र और रोहिणी नक्षत्र में। दक्षिण में गुरुवार और पू.भा. नक्षत्र में। उत्तर में मंगल एवं बुध को यात्रा करना मना है। उसी दिन पहुंच जाने और आपत्तिकाल में दिशा शूल नहीं माना जाता है। प्रस्थान सामग्री रखने से दिशा शूल नहीं माना जाता है। प्रस्थान सामग्री रखने से दिशा शूल का परिहार हो जाता है। दिशा शूल रहित दिन कोई वस्त्र, पुस्तक या फल-फूल अपने स्थान से दूसरे स्थान में रखें तथा 3 और 5 रात्रि के भीतर प्रस्थान सामग्री लेकर गन्तव्य स्थान को जाना चाहिए। अपने घर से बाहर यात्रा पर जाने के लिए बुधवार आर्थिक दृष्टि से ठीक नहीं, किन्तु व्यक्ति पर आपत्ति आने की संभावना नहीं रहती है तो पूर्व की ओर गोधूलि बेला में, पश्चिम की ओर प्रातःकाल में, उत्तर की ओर दोपहर में दक्षिण की ओर रात्रि में यात्रा करना चाहिए। अति आवश्यक कार्य व विवाह में दिशा शूल नहीं माना जाता। नित्य यात्रा करने वालों पर भी दिशा शूल लागू नहीं होता।

यह वर्ष मंगलमय हो

इस कामना के साथ यह पंचांग रवरीद कर अपने मित्रों व परिचितों को अवश्य भेंट करें।

-पं. अयोध्या प्रसाद गौतम

यह पंचांग डाक से मंगवाएं

नए वर्ष का पंडित अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग मंगवाने हेतु आप अपने निकटतम पंचांग विक्रेता को इस पंचांग को बेचने के लिए अवश्य कहें। अगर आपको विक्रेता पंचांग उपलब्ध न कराए तो आप हमसे रजिस्टर्ड डाक से यह पंचांग मंगवा सकते हैं जिसके लिए एक प्रति 80 रुपए, दो प्रति 120 रुपए और तीन प्रति 160 रुपए संस्थान के बैंक खाता क्रमांक 61211920616 IFSC-SBIN0010468 में एडवांस जमा कराएं तथा अपना नाम, पूरा पता पिनकोड सहित पंचांग की संख्या लिखकर हमें 9827322068 पर वाट्सएप या एसएमएस करें। यह पंचांग यदि आप किसी मित्र परिचित संबंधीजनों को उपहार स्वरूप प्रदान करना चाहते हैं तो उनका नाम पता सहित एडवांस राशि हमें भेंजे हम आपकी तरफ से आपके संबंधीजन को उनके पते पर पंचांग भेज देंगे।

ज्योतिष मठ संस्थान के शुभ चिंतक और सहयोगी सदस्यगण

श्री महामंडलेश्वर अवधूत बाबाश्री अरुण गिरिजी महाराज, श्री हनुमत श्री मन्नत बाबा, पं. प्रेमपाल कौशिक दिल्ली, श्री नारायण शंकर व्यास-श्री प्रहलाद अग्रवाल, श्री सूर्यकांत चतुर्वेदी-जबलपुर, श्री वीएम तिवारी भोपाल, श्री आरडी शुक्ला भोपाल, जादूगर आनंद, श्री शलभ भदौरिया भोपाल, सुश्री कुसुम महदेले पन्ना, श्री राजेश मिश्रा पुष्पांजलि पंचांग, श्री अभिनवदास जी कोटा, श्री अभिनवदास कोटा, मिश्राजी सागर संचालक-बीएड कॉलेज, पं. श्री विष्णु राजौरिया, पं. श्री प्रहलाद पंडया, पं. श्री गौरीशंकर शास्त्री, पं. श्री रामजीवन दुबे, पं. श्री भंवरलाल शर्मा, पं. श्री बृज मोहन तिवारी, पं. श्री शिवनारायण द्विवेदी, पं. जगदीश शर्मा, पं. अशोकानंदजी महाराज, श्रीमती नीखरा मेडम, श्रीमती माला गुप्ता, श्रीमती ऋचा गौरी श्रीवास्तव-मुंबई, श्री पीके घमीजा-रीवा, श्री गुप्ताजी-बेगमगंज, श्री पवन अरोरा, श्रीमती रश्मि मिश्रा, श्री एनके रजक, श्री अरुण कुमार सिंह-पटना, श्री पवित्र नस्कर, श्रीमती ढल, महेंद्र सिंह सोनगरे, श्री हरभजन सिंह कुशवाहा, श्री एसके शर्मा, श्रीमती सरोज माहेश्वरी-मुंबई, श्री तरसजीत सिंह-दिल्ली, श्रीमती शैलजा अरोरा-मुंबई, श्री प्रशांत अग्रवाल-मुंबई, श्रीमती हर्षिता त्रिपाठी, श्री रंजीत कुमार सिंह-पूना, श्रीमती रेणुजी-मुंबई, सुश्री कृष्णा सिंह-मुंबई, आसिम अली खान अभिनेता-मुंबई, देवकुमार-अशोक कुमार सतवानी, भोपाल, डॉ. प्रमोद शंकरजी सोनी, डॉ. वैभव दुबेजी, डॉ. अनिल शर्माजी, डॉ. प्रजापतिजी, डॉ. टीपी मिश्राजी, जेपी अस्पताल-भोपाल, डॉ. टीएन दुबेजी, डॉ. जय प्रकाश पालीवाल, डॉ. पी.एन.एस. चौहान, डॉ. संतोष घनवारे, डॉ. सत्येन्द्र राय, डॉ. रोहिणी भार्गव, पं. मणिरामदासजी महाराज रायसेन, पं. धनेश शास्त्री, बाबा शिवदास त्यागी, पं. दीपक दुबे, पं. मयंक गौतम-वाराणसी, पं. मुन्ना पंडा-प्रयाग, पं. आनन्द वरनदानी, पं. बालकृष्ण गोस्वामी-वृंदावन, पं. श्याम सुंदर दुबे, पं. राजेश व्यास - महाकाल उज्जैन, पं. जसराम द्विवेदी, पं. मिथिलेश शास्त्री, पं. बृजेश शास्त्री, पं. मेवाराम बोहरे, पं. श्यामलाल पाराशर-कोटरा, पं. पवन नितिन महाराज-मैहर, पं. मनोज पाठक, पं. प्रमोद पांडे, पं. कृष्ण गोपाल गौतम, पं. अनन्त जी, पं. हर किशोर पांडे, पं. यश शर्मा, पं. राजेंद्र शर्मा, पं. जितेंद्र शर्मा, पं. संतोष शर्मा, पं. सोनू शर्मा, पं. लेखराज शर्मा-गुफा मंदिर-भोपाल, पं. गजेंद्र शास्त्री-शनि मंदिर भोपाल, पं. चेतन शास्त्री सिद्धवट मंदिर उज्जैन, पं. तिलकराज त्रिपाठी हरदुआ, पं. डीके श्रोति-कोटरा, श्री पीके वर्माजी, श्री राजकुमार पाठक, श्रीमती कल्पना शुक्ला, श्री ज्योतिरादित्य, श्री मांगीलाल पाटीदार-मिसरोद, श्री राजेंद्र सिंह-सागर, श्री तिवारीजी - रायसेन, श्री संजीव गोहाजी, श्री नमायच जी, श्री निरुपम तिवारी, श्री श्रीकांत सोनी-भोपाल, श्री महेंद्र सिंह सोनगरे, श्री सिद्धार्थ गुप्ता-गौरखपुर, श्री सुरेश सेवारमाजी बैरागढ़-भोपाल, श्री प्रमोद शर्माजी-आकाश नगर-कोटरा, श्री बलवीर सिंह कुशवाहजी-आकाश नगर-कोटरा, श्री अनुराग श्रीवास्तव-अरेरा कालोनी, श्री प्रमोद शंकर सोनी-वैशाली नगर, श्री राम स्नेही मिश्रा-तुलसी नगर, श्रीमती संध्या चौधरी-सोनागिरी, श्री ढाल सिंह बिसेन-लिंकरोड, सुश्री कुसुम सिंह मेहदेले-मालवीय नगर, श्री नारायण त्रिपाठी-तुलसी नगर, श्री राजेश पांडे -भोपाल, श्री 108 महंत पवन गिरी-भोजपुर, श्री शैलेन्द्र निगम-नेहरू नगर, श्री एसएन द्विवेदी-चार इमली, श्री धर्मेंद्र शास्त्री-शिवाजीनगर, श्री वीरेन्द्र राजपूत-भोपाल, श्री घनश्याम पंजवानी-हबीबगंज, श्री संदीप बम्बरकर-एमपी नगर, श्री राजेश चंचल-एमपीनगर, श्री देवेन्द्र सक्सेना-सिविल लाइन, श्री मुनावर खान-भोपाल, श्री संजय मिश्रा-भोपाल, श्री मनमोहन श्रीवास्तव-शिवाजी नगर, श्री धीमनदास-बैरागढ़, श्री जयसिंह बुन्देला-कोटरा, श्री सुबोध शुक्ला-शिवाजी नगर, श्री सुनील शर्मा-नेहरू नगर, श्री प्रदीप सर्राफजी-भोपाल, श्री अखिलेश भारद्वाज-भोपाल, श्री नीरज गौर-पत्रकार एमपी नगर, श्री प्रवीण सावरकरजी पत्रकार-भोपाल, श्री सलमान अली-बरखेड़ा, श्री एके सिंह चौहान-एमपी नगर, श्री अमित गोस्वामी-गीतांजलि काम्प्लेक्स, श्रीमती संतोष-जितेंद्र कंसाना-नेहरू नगर-भोपाल, श्री रमेश जोशी-कोटरा, श्री देवीशरण दीक्षित-सागर, श्री संजय शर्मा-माहेश्वर, श्री प्रभात सिंह-पन्ना, श्री सजंय शर्मा-भोपाल।

कानूनी सलाहकार मंडल - ज्योतिष मठ संस्थान

श्री अमित शुक्लाजी, (सीनि. एड.) हाईकोर्ट जबलपुर-मो. 9425325708 , **श्री उमाकांत शुक्लाजी (सीनि. एड.)**, सतना मो.-9303321029
श्री ओ.पी. त्रिपाठीजी (एड. हाईकोर्ट), जबलपुर मो.-9826768278, **श्री सीएस शर्मा (सीनियर एड.)** भोपाल मो.-9425016814,
श्री योगेश द्विवेदीजी (एड.) भोपाल मो.-9425159954, **श्री अनुराग तिवारीजी (एड.)** इंदौर मो. 9806018811

इस वर्ष के विषय विशेषज्ञों की सलाह

वर्तमान समय पर जीवन में संघर्ष तनाव, अशांति की स्थितियां हमारे अज्ञान के कारण हमें विचलित कर देती हैं। ऐसे में संबंधित विषयों के जानकारों से अगर हमें सटीक मार्गदर्शन मिल जाए तो हमारी समस्याएं स्वतः समाप्त हो जाती हैं। प्रस्तुत है इस वर्ष के विषय विशेषज्ञों की राय जो आपके जीवन में बदलाव लाने में सक्षम हैं।

संकल्प: पर्यावरण जरूरी है

पर्यावरण जीवन को गति प्रदान करता है। मनुष्य से लेकर पशु-पक्षियों का जीवनकाल पर्यावरण पर आधारित होता है। वर्तमान समय पर मनुष्यों द्वारा पर्यावरण को धीरे-धीरे नष्ट किया जा रहा है। यह सोचनीय है। पर्यावरण में सुधार के लिए हम सभी को आगे आना होगा। पेड़ों की रक्षा-सुरक्षा का संकल्प हमें पेड़ रौपने के पहले ही लेना पड़ेगा। तभी सार्थक परिणाम प्राप्त होंगे। आप अपने आसपास की खाली जगह अथवा जंगल में खाली जगह पर पेड़ अवश्य लगाएं। मौसमी फलों के बीजों को संचित करके रखें, बरसात के दिनों में आम, जामुन आदि की गुठलियों को जंगल में खाली जमीन पर बिखराव कर दें जिससे वे अंकुरित होकर भविष्य में पेड़-पौधे का रूप धारण कर लेंगे। इस कार्य से आपको पुण्यलाभ तो प्राप्त होगा ही पर्यावरण सुधार में सहभागिता भी निभा सकते हैं। अगर आप किसान हैं तो आप एक बगिया का निर्माण करें जिसमें आम, आंवला, नींबू, अनार, अमरूद आदि के पौधे प्रत्येक साल रौपित करें। आमदनी बढ़ाने के लिए अंडी भी लगा सकते हैं। इस कार्य के लिए वैज्ञानिकों से सलाह लेना जरूरी है। जापान आदि देशों में अंडी-अरंडी के तेल की मांग अधिक है। इस प्रकार आप अपना भला तो करेंगे ही साथ ही आपके कार्य से जनमानस का भी भला होगा, पर्यावरण में सुधार होगा, प्राणियों के जीवनकाल में वृद्धि होगी।

-**डॉ. प्रकाश गौतम,** पर्यावरण वैज्ञानिक दमोह
मो. 9589271127

आयुर्वेद अपनाना जरूरी है

भाग-दौड़ और तनाव, गृहस्थ जीवन में समय की कमी होने की वजह से लोगों का ध्यान परंपरागत आयुर्वेदिक नुस्खों से दूर हो गया है। और धीरे-धीरे रसायनयुक्त घातक उत्पादो ने घर-घर तक अपने पैर पसार लिए हैं। जिस कारण शरीर में बीमारियों को आमंत्रण निमंत्रण देने जैसे स्थिति बनती है। किन्तु आज दुनियाभर के लोग अपनी परंपरागत आयुर्वेदिक नुस्खों को अपनाकर शरीर स्वस्थ बनाकर चेहरों के सौन्दर्य को निखार रहे हैं। संतोष योगी जी जिनका अपना अनुभव फिल्मी जगत के कलाकारों के बीच रहकर हुआ। अपने अनुभव के अनुसार कलाकार खुद आयुर्वेदिक नुस्खे अपनाकर अपने शरीर को कांतिमय बना रहे हैं, लेकिन वही कलाकर रासायनिक क्रीमों का प्रचार धड़ल्ले से करते हैं, परन्तु उपयोग नहीं करते। भारतीय औषधियों को अपने जीवन में शामिल कर उसका उपयोग कैसे किया जाए यह जानना बड़ी उपलब्धि है। योगीजी के अनुसार चेहरे की सुन्दरता के लिए दो टमाटर का रस और आधा चम्मच शहद मिलाकर चेहरे पर लगाया जाए और 20 मिनट के बाद धो लिया जाए तो तुरंत फर्क नजर आएगा। चेहरे में तेज एवं निखार दिखाई देगा। और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए संपर्क करें

- **श्री संतोष योगी,** सौन्दर्य, मालिस विशेषज्ञ
मुंबई 883939328460, 9630731410

गोचर ग्रह स्थिति-2021 एवं कोरोनाकाल

वर्तमान समय पर ग्रह स्थिति के अनुसार शनि स्वराशि मकर में भ्रमणरत है, यह संक्रमण का कारक है। एक राशि में यह ढाई वर्ष रहता है, अर्थात वर्तमान समय की संक्रमित बीमारी आगामी ढाई वर्ष तक किसी न किसी रूप में हमें प्रभावित करेगी। इस वर्ष जनवरी में पंचग्रही योग एवं फरवरी में षष्ठग्रही योग बनेगा यह योग भी शुभ नहीं होता। इसके पश्चात यह अपनी दूसरी राशि कुंभ में ढाई साल भ्रमण करेगा इससे दूसरी नई संक्रमित बीमारी आ सकती है। अत: हम किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं करें जब तक कि कोई सटीक दवाई न आ जाए। इसके लिए हमें निम्न बातों का ध्यान रखना है। भीड़-भाड़ से बचें। छूने-गले मिलने, हाथ मिलाने से बचें। बाहर से आए रिश्तेदारों-संबंधियों से विशेष सावधानी रखें। घरेलु कर्मचारियों पर निगाह रखें कि वे मास्क, सेनेटाइजर का प्रयोग करते हैं या नहीं। परस्पर ज्यादा मिलना-जुलना बंद रखें। संक्रमण रोग के लक्षण होने पर तुरंत अपने डॉक्टर से सलाह लें। बीमारी से संक्रमित व्यक्ति से भेदभाव न रखें। सार्वजनिक वस्तु छूने से बचें। बार-बार आंख, नाक, मुंह चट न करें। साबुन से बार-बार हाथ साफ करें। बात करने में दो गज दूरी व चलने में चार कदम की दूरी बनाकर रखें। मास्क से मुंह एवं नाक को अच्छी तरह ढककर रखें। अगर कोई नियमों का पालन नहीं कर रहा है तो उसे जरूर टोकें। विपत्तिकाल में सभी की सहायता करें।

-**पं. शिवार्चन शुक्ल,** दैनिक पंचांग लेखक, ज्योतिष मठ संस्थान भोपाल, मोबाइल नं. 9425660774

संक्रमित बीमारी से खुद को कैसे बचाएं?

आयुर्वेद के अनुसार घरेलु नस्खे एवं योग साधना के द्वारा अनेक प्रकार की संक्रमित बीमारियों से मुक्ति प्राप्त होती है। संक्रमित वायरस के संबंध में बताया गया है कि यह वायरस श्वसन क्रिया द्वारा नाक, गले एवं फेफड़ों को संक्रमित करके जान का दुश्मन बन जाता है। आयुर्वेद एवं योग एक ही सिक्के के दो पहलु हैं। जैसे पूर्वकाल में एक अंगोछा हर व्यक्ति के पास होता था जो बहुपयोगी होता है। संक्रमण का अंदेशा होने पर मुंह पर बांधकर खुद को सुरक्षित कर लेता था। मास्क उसी का विकसित रूप है। हाथ सफाई, शरीर सफाई आदि पर प्राचीन संस्कृति, सभ्यता के अनुसार परिवेश बदलता गया और आज घरेलु नुस्खे तथा योग साधना को भूल बैठने का ही यह परिणाम जानलेवा बन रहा है। इसके लिए आयुर्वेद में ग्लोय, तुलसी, नीम, जावित्री, दालचीनी, लोंग, कालीमिर्च, हल्ती, मुलेठी, चिरायता इत्यादि का प्रयोग प्रशस्त किया है। औषधियों का अर्क बनाकर पीने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ेगी तथा संक्रमित होने का खतरा नहीं रहेगा। वर्तमान में कुछ आयर्वेदिक दवाइयां जो सभी जगह उपलब्ध हैं जैसे संजीवनी वटी को मुंह में रखकर चूसने से खांसी ठीक हो जाती है, लक्ष्मी विलास रस की दो-दो गोली दिन में तीन बार लें, किसी भी प्रकार से गर्म पानी चाय-कापी आदि पेय पदार्थ सभी ऋतुओं में लाभकारी होते हैं। ठंडी चीजें फ्रिज में रखी वस्तुएं खट्टे पदार्थ बहुत नुकसान दायक होते हैं। संक्रमण रोग में यह सभी वर्जित हैं। योग किसी भी प्रकार का श्रम करना शरीर के लिए अमृत के समान है। सूर्योदय के समय सूर्य का अभिवादन करना हमारी संस्कृति और दिनचर्या रही है। यहां से अगर आप शुरुआत करेंगे तो सभी प्रकार के घरेलु नुस्खों के साथ योग साधना की शुरुआत अपने आप हो जाएगी। निरोगी काया आयुर्वेद का लक्ष्य, शुभकामनाओं के साथ।

-डॉ. अनिल शर्मा 'मयंक' भोपाल,
प्रसिद्ध आयुर्वेद चिकित्सक भोपाल मो. 9826739015

मानसिक रोग जानना जरूरी है

विश्व में मानसिक रोग तेजी से पैर पसार रहा है। यह किसी भी उम्र के व्यक्ति को किसी भी समय हो सकता है। यह मन की बीमारी है, बीमारी की जानकारी, लक्षण प्रकट होते ही मनोचिकित्सक के पास तुरंत ले जाएं। मानसिक रोग से पीड़ित व्यक्ति आत्महत्या जैसे कदम उठा सकता है। मानसिक रोगी को झाड़-फूंक के चक्कर में न पड़ने दें। प्रमुख मानसिक रोगों में डिपरेशन, उदासी मष्तिस्क के कुछ रसायनों की कमी के कारण होती है। मेनिया रोग अति उत्साह मष्तिस्क में कुछ विशेष रसायनों की वृद्धि के कारण होता है। वैसे यह अधिकतर वंशानुक्रम के कारण होता है। जो मनोचिकित्सक से सलाह लेने पर धीरे-धीरे दूर हो जाता है। स्किजोफ्रेनिया एक मनोविज्ञानिक रोग है इसमें मरीज के सोच-विचार मन और वास्तविक परिस्थितियों को आभास करने में अंतर हो जाता है। उन्हें कानों में आवाजें आने का भ्रम नींद नहीं आने तथा भूलने जैसी स्थिति बन जाती है। एंक्ज्याइटी (खबराहट)- भी मानसिक रोगों में से एक प्रमुख रोग है। यह बीमारी विषम परिस्थितियों में उत्पन्न हो सकती है। पेनिक डिस्आर्डर - कुछ रसायनों के एकाएक शरीर में बढ़ जाने से रोगी एकाएक घबराहट महसूस करता है हाथ पैर ठंडे पड़ जाते हैं पसीना आने लगता है। फोबिया - अचानक भय यह भी मनोरोग की श्रेणी में आता है। वह व्यक्ति अनजाने भय से ग्रसित हो जाता है। इस रोग में व्यक्ति का दिमाग में बार-बार अनावश्यक विचार बनते-बिगड़ते रहते हैं। देवी-देवताओं के प्रति अपमानजनक सोच बढ़ने लगती है। जगह-जगह दर्द की शिकायत करते रहते हैं।

परिजन ये उपाय करें- अनुशासित जीवनशैली रखेकं। हैल्दी डाइट लें। कोरोना से बचाव के नियम का पालन जरूर करें। पीड़ितों की बातों को ध्यान स सुने। उनकी बराबर सहायता करते रहें। उन्हें घबराहट होने पर लंबी-लंबी सांस लेने के लिए कहें। निगेटिव चीजों से उन्हें दूर ही रखें। रोजाना व्यायाम और अच्छी आदतों के लिए प्रेरित जरूर करें, तुरंत चिकित्सक से सलाह लें।

डॉ. वैभव दुबे मो. 9424401688
dr.vaibhavdubey@gmail.com, www.mentalhealthmantra.com

व्यक्ति के व्यकित्व विकास में सहायक अंग्रेजी

आज के समय में अंग्रेजी भाषा हमारे लिए बहुत ही महत्वपूर्ण भाषा बन गई है। हर कोई धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलने का सपना देखता है। चाहे आप छात्र हों या फिर पेशवर ग्रहिणी हों या व्यवसायी आपके विकास के लिए अंग्रेजी का सही ज्ञान होना आवश्यक है। वर्तमान समय में अंग्रेजी भाषा का ज्ञान होना जीवन की आवश्यकता है। यह दुनियाभर में बोली जाने वाली भाषा है। अंग्रेजी का ज्ञान होने से न केवल भारत में बल्कि विदेशों में भी अच्छे रोजगार के अवसर प्राप्त करने की संभावना बढ़ जाती है। अंग्रेजी सीखने से आपके कैरियर और व्यक्तिगत जीवन में कई अवसर खुलते हैं। आज न केवल भारत में बल्कि संपूर्ण विश्व में कोरोना के चलते बच्चों की पढ़ाई बहुत बुरी तरह से प्रभावित हुई है। शिक्षा जारी रखने के लिए अधिकतर स्कूल-कालेजों में आनलाइन एजुकेशन का तरीका अपनाया जा रहा है। जो ऐसे समय पर ऐसे बच्चों के लिए जो आर्थिक रूप से कमजोर हैं तथा वो लाभ जो कोराना की वजह से कहीं कोचिंग ज्वाइन नहीं कर पा रहे हैं। उनके लिए एक फ्री कोर्स बनाया है। जो हमारे यू-ट्यूब चैनल ग्रो विथ विनय शर्मा पर उपलब्ध है। इस चैनल पर हमने आपके लिए व्याख्यान की श्रंखला बनाई है। जिसके माध्यम आप सभी धाराप्रवाह अंग्रेजी बोल सकते हैं। वो भी घर बैठे। बिल्कुल फ्री और आप सभी का अंग्रेजी बोलने का सपना साकार होगा।

-**विनय शर्मा** मैनेजिंग डायरेक्टर ब्रिटिश इंस्टीट्यूट भोपाल
u-tube chennal - grow with Ninay Sharma visit - www. thevinaysharm.com

भावातीत ध्यान योग साधना जरूरी है

भावातीत ध्यान अलगाव है, जो बाद में समावेशिता की ओर ले जाता है। जब आप इसे शुरु करते हैं, तो अपनी आंखें बंद करके बैठ जाते हैं। वे लोग जो आध्यात्मिक प्रक्रिया के शुरुआती दौर में हैं, डर जाते हैं। अगर मैं आध्यात्मिक रास्ते पर जाता हूं तो शायद मैं समाज के साथ मिलजुल नहीं पाऊंगा। क्योंकि आज के समाज में समावेशी प्रक्रियाएं संभव नहीं हैं। किसी कर्मकांड में भाग लेने के लिए एकत्व की गहरी भावना होनी चाहिए। कर्मकांड का एक और पहलू भी है वह यह पक्का करना कि कर्मकांड का कोई दुरुपयोग नहीं होगा। जब तक ऐसे लोग न हों जो यह सब अपने स्वयं के अस्तित्व के ऊपर उठ के करें, तब तक कर्मकांड का आसानी से दुरुपयोग हो सकता है। भावातीत ध्यान की प्रक्रिया का दुरुपयोग नहीं हो सकता, क्योंकि ये व्यक्तिगत और व्यक्तिपरक है। अत: भावातीत ध्यान को हृदयसात करें और लाभ उठाएं। जय महर्षि, जय गुरुदेव।

-द्वारा उद्बोधन- ब्रह्मचारी श्री गिरीशजी महाराज, कुलाधिपति
महर्षि वैदिक विश्वविद्यालय
www.vvprakashan.com e-mail.vvp@mahaemail.com

कोरोना वायरस से सावधानी ही बचाव

लोगों की लापरवाही और नासमझी के चलते कोरोना की चेन बढ़ रही है। भीड़ में पता नहीं कौन संक्रमित व्यक्ति घूम रहा हो। संक्रमित के संपर्क में आने से कोरोना घेर सकता है। जब तक वैक्सीन नहीं आ जाती सतर्कता और सावधानी ही कोरोना में सबसे बड़ा बचाव है। कोरोना से घबराने की नहीं बल्कि सावधानी बरतने की जरूरत है। लोग लापरवाही और आपाधापी के कारण लगातार संक्रमित हो रहे हैं। सतर्कता और सावधानी से ही इसे रोका जा सकता है। बिना काम के घर से बाहर न निकलें। जब घर से बाहर जाना हो तो मास्क पहनकर ही निकलें। सैनिटाइजर का प्रयोग जरूर करें। शारीरिक दूरी का पालन करें। साबुन से अच्छे से हाथ धोते रहें। बाहर से घर में आएं तब भी साबुन से 20 सेकेंड तक हाथ धोएं। रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए पौष्टिक भोजन लें। विटामिन सी के लिए भोजन में नींबू, टमाटर, शिमला मिर्च, संतरा, मौसमी आदि शामिल करें। बुखार, खांसी, जुकाम, सांस लेने में दिक्कत या गले में दिक्कत हो तो तुरंत चिकित्सक को दिखाएं। जब तक इसका एंटीडोज नहीं आ जाता तब तक तो सिर्फ सावधानी में ही बचाव है।

-डॉ. जे.पी. पालीवाल, पालीवाल हास्पिटल एंड ट्रामा सेंटर
आईएसबीटी भोपाल इमजरजेंसी सेवा 24×7
Moble No. 9425009922/33 www.Paliwalhospitali.org, E-Mail:
paliwalhospitalisbtbhopal@gmail.com

विश्व प्रसिद्ध जादूगर आनन्दजी द्वारा जादू के माध्यम से समाज को कोरोना वायरस से बचाव का वीडियो संदेश अवश्य देखें। यह आपकी सुरक्षा हेतु आवश्यक है। वीडियो का लिंक -

http:/www.youtubhe.com/watch?v=y=2nx96xNXU&feature=youtu.be, website - www.jadugaranand.com

ज्योतिष मठ संस्थान की साधारण आमसभा की आकस्मिक बैठक संपन्न

विगत दिनों नेहरू नगर स्थित ज्योतिष मठ संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष ज्योतिषाचार्य पंडित अयोध्या प्रसाद गौतमजी का आकस्मिक स्वर्गारोहण के कारण अध्यक्ष का पद रिक्त हो गया था। जिसको देखते हुए संस्थान की आकस्मिक साधारण आम सभा आयोजित की गई जिसमें सर्वसम्मति से श्रीमती भूपिन्दर कौर जी को अध्यक्ष का कार्यभार सौंपा गया। इसी तरह प्रसिद्ध चिकित्सक श्री जेपी पॉलीवालजी को उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। जबकि ज्योतिषाचार्य पं. श्री विनोद गौतम को संचालक का जिम्मा दिया गया है।

संस्थान के संरक्षक न्यायाधीश श्री एसएन द्विवेदीजी एवं न्यायाधीश श्री एसएस उपाध्यायजी पूर्व चीफ जस्टिस श्री डीपीएस चौहानजी, आईएएस श्रीमती भावना वालंबेजी, आचार्य श्री राममिलन मिश्राजी यथावत रहेंगे।

संस्थान के कोषाध्यक्ष की जिम्मेदारी ज्योतिषी श्रीमती सविता गौतम संभालेंगी। व्यवस्थापक में पं. जितेन्द्र शर्मा, अकुंर फर्नांडीज, श्री अशोक नामदेव और पं. सुबोध मिश्रा का नाम रखा गया जो सभी सदस्यों ने स्वीकार कर लिया है। कार्यालयाध्यक्ष श्री कैलाशचंद्र दुबेजी के स्वर्गवास पश्चात इस पद पर सभी सदस्यों के विचारोपरांत श्री शिवार्चन शुक्लाजी को नियुक्त किया गया। श्री शुक्लाजी पं. अयोध्या प्रसाद गौतम पंचांग को दैनिक प्रसारित करने वाले विद्वान हैं। आप निरंतर सोशल मीडिया एवं पत्र-पत्रिकाओं के माध्यम से गुरुजी का दैनिक पंचांग विगत दो वर्ष से प्रसारित कर रहे हैं। मठ की पूजा-पाठ से संबंधित व्यवस्था का प्रभार श्री संजीव शर्माजी को प्राप्त हुआ। संस्थान के प्रसार-प्रसार एवं विकास कार्य - श्री आशुतोष गुप्ताजी, श्री पवन अरोराजी एवं श्री नीरज पांडेजी, श्रीमती सिसौदिया शिवासिंह जूदेव के ऊपर रहेगा। धार्मिक आयोजन, सम्मेलन आदि का प्रभार - श्री संजय भदौरियाजी, पं. रामकिशोर वैदिकजी, पं. धनेश प्रपन्नाचार्यजी को दिया गया है। इसी तरह बैठक में कानूनी सलाहकार मंडल की नियुक्ति की गई जिसमें श्री उमाकांत शुक्लाजी सीनियर एडवोकेट-सतना, श्री ओ.पी. त्रिपाठीजी एडवोकेट हाईकोर्ट-जबलपुर, श्री सीएस शर्मा सीनियर एडवोकेट-भोपाल एवं श्री अनुराग तिवारीजी एडवोकेट-इंदौर को कानूनी सलाहकार नियुक्त किया गया है। तथा डॉ. अनिल शर्मा, पं. वैभव भटेलेजी एवं श्री देवकुमार सतवानीजी को संस्थान का सलाहकार बनाया गया है।

✯ ज्योतिष मठ संस्थान, भोपाल ✯

- जन्म-पत्रिका, पंचांग, कैलेंडर निर्माण कार्य
- अनुष्ठान, गृह प्रवेश, महामृत्युंजयी आराधना, जाप
- कपाल भैरवी, बगुलानुमुखी, अकालानुमुखी, आदि शत्रुविजयी अनुष्ठान
- जन्म पत्रिका में मंगल दोष, पितृ दोष, कालसर्प दोष, चांडाल दोष, विष कन्या दोष आदि समस्याओं के अनुसंधान व समाधान के लिए

संपर्क करें

(भारतीय प्राचीन ज्योतिष, हस्तरेखा, आयुर्वेद, खगोल, वास्तु एवं मौसम अनुसंधान संस्थान)

पता : ई.एम. 129 ज्योतिष मठ, नेहरू नगर, भोपाल (मप्र)-462003

ज्योतिषाचार्य पं. विनोद कुमार अयोध्या प्रसाद गौतम

मोबाइल नं. : 9827322068, 9179393080

e-mail-pt.vinodgoutam@gmail.com, website-www.jyotishmath.com

आग्रह : ज्योतिष मठ संस्थान के विकास व अनुसंधान कार्यों में आर्थिक सहयोग प्रदान करें एवं संस्थान के सदस्य बनें। सहयोग राशि बैंक खाता क्रमांक 61211920616
IFSC-SBIN0010468 में जमा कर हमें सूचित करें।

संस्थान द्वारा पंचांग के अतिरिक्त अन्य प्रकाशित पुस्तकें जैसे, महालक्ष्मी पूजा पद्धति, कुंभ रहस्यम्, संतान प्राप्ति रहस्यम्, श्राद्ध रहस्यम्, नवग्रह रहस्यम्, विवाह पद्धति आदि डाक से घर बैठे प्राप्त करें।

अंत में श्रद्धा सुमन

संपादक-पं. विनोद गौतम

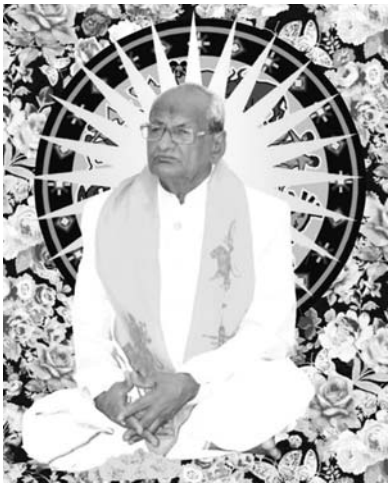

सौभाग्य श्रद्धांजलि विशेषांक के संपादन-प्रकाशन में विशेष आवश्यकता मन मस्तिष्क के संयम, शांति एकाग्रता, ध्यान एवं समर्पण का होना अति आवश्यक था। मुझे गर्व है कि मैं श्रद्धांजलि विशेषांक के संपादन में उपरोक्त विषयों पर चिन्तन-मनन करने में विजय प्राप्त कर सका। अपितु किसी विषयांतर्गत त्रुटि हेतु क्षमाकांक्षी हूं। जय गुरुदेव।